खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 08 नवंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-308

हिंदू सम्राट हेमचंद्र की समाधि का ओमप्रकाश चौटाला ने किया था सौदा

हिंदू राज कायम करने वाले वीर की समाधि पर वक्फ बोर्ड का दावा!

मुगलों को रौंद कर दिल्ली में हिंदू राज स्थापित करने वाले वीर योद्धा हेमचंद्र उर्फ हेमू की समाधि पर वक्फ बोर्ड ने अपना दावा पेश किया है। वक्फ बोर्ड का कहना है कि हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला ने समाधि के साथ-साथ उसकी 10 एकड़ जमीन वक्फ बोर्ड को दे दी थी। तबसे यह वक्फ बोर्ड के कब्जे में है और हिंदू सम्राट की समाधि पर दरगाह बना दी गई है। चौटाला ने मुसलमानों का वोट पाने के लिए ओमप्रकाश चौटाला ने पुरातात्विक महत्व के इस ऐतिहासिक स्थल का आपराधिक सौदा किया था। जबकि यह पौराणिक स्थल भारत सरकार के पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के अधीन था। हेमू की समाधि की वक्फ बोर्ड को की गई गैरकानूनी सुपुर्दगी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और समाधि को वक्फ बोर्ड के कब्जे से मुक्त कराने की पहल शुरू हुई है।

शुभ-लाभ चिंता

मुगलों को रौंदने वाले वीर हिंदू सम्राट हेमू की समाधि पर बना दी दरगाह

ऐतिहासिक तथ्य है कि हरियाणा के पानीपत में जहां हेमू का सिर काटा गया था, वहां उनकी समाधि बनाई गई थी। सौदापुर गांव में स्थित हेमू की यह समाधि सदियों तक उपेक्षित रही। सन 1990 तक यह जगह भारतीय पुरातत्व विभाग (एएसआई) के पास थी। सन 1990 में हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला ने समाधि और उसकी जमीन वक्फ बोर्ड को दे दी। उसे कब्जे में लेकर मुसलमानों ने वहां दरगाह बना दी। जिस जगह सम्राट हेमू की समाधि है, वह पूरा क्षेत्र 10 एकड़ का है। चौटाला ने उन सारी जमीनों को वक्फ को दे दिया। उस समय हरियाणा वक्फ बोर्ड के चेयरमैन मेवात क्षेत्र के एक मुस्लिम विधायक थे। उस विधायक पर कुछ लोगों से पैसे लेकर सम्राट हेमचंद्र की समाधि पर अतिक्रमण की अनुमति देने के आरोप लगे थे।

भारत की धरती वीरों की जननी है। इन्हीं में से एक महावीर थे हेमू। उन्हें हेमचंद्र विक्रमादित्य के नाम से भी जाना जाता है। विक्रमादित्य एक उपाधि है, जिसे देश के हिंदू शासक धारण करते आए हैं।

▶10पर

घातक हैं वक्फ बोर्ड की अराजक शक्तियां : माकपा

तिरुअनंतपुरम, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

केरल की सत्ताधारी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने वक्फ बोर्ड की अराजक असीमित शक्तियों को देश के लिए अत्यंत घातक बताया है। केरल के माकपा विधायक एन उन्नीकृष्णन ने कहा कि वक्फ बोर्ड की सबसे बड़ी खामी उसकी असीमित शक्तियां हैं, जो उसे अराजक बना रही हैं। मौजूदा वक्फ कानून उसे किसी भी जमीन पर अपनी मर्जी से अधिकार करने की ताकत प्रदान कर रहा है।उन्नीकृष्णन ने कोच्चि स्थित मुनंबम गांव पर वक्फ बोर्ड द्वारा मनमाने तरीके से दावा ठोके जाने का भी संदर्भ लिया और कहा कि वक्फ बोर्ड ने वर्ष 2019 में ही मुनंबम की 404 एकड़ से अधिक की जमीन अपने नाम पर रजिस्टर करा ली थी।

▶10पर

370 बहाल करने की मांग वाला बैनर लहराने पर विधानसभा में बवाल

जम्मू कश्मीर को फिर अराजकता में झोंकने का सियासी हथकंडा

जम्मू, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट के दबाव में जम्मू कश्मीर में कराए गए विधानसभा चुनाव का नकारात्मक परिणाम सामने दिख रहा है। अनुच्छेद 370 की वापसी संसद के निर्णय से हुआ है, लेकिन जम्मू कश्मीर की निर्वाचित सरकार 370 की पुनर्वापसी का प्रस्ताव पारित कर इसी लोकतंत्र की शीर्ष संवैधानिक पीठ का अपमान कर रही है। स्पष्ट है कि जम्मू कश्मीर को फिर से अराजकता में झोंकने का सियासी हथकंडा इस्तेमाल किया जा रहा है। इसमें विधानसभा का चुनाव कारगर जरिया बना है। प्रदेश की विधानसभा में दो दिन से जो अराजकता का सृजन हुआ है, वह सुप्रीम कोर्ट भी देख ही रहा होगा, लेकिन वह चुप है, क्योंकि यह अराजकता जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने की सुप्रीम कोर्ट की न्यायिक सक्रियता (ज्यूडिशियल एक्टिविज्म) वाली जिद का ही नतीजा है। जम्मू कश्मीर के विशेष राज्य का दर्जा वापस करने की मांग को लेकर विधानसभा में कल पारित हुए प्रस्ताव पर आज विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ और विधायकों के बीच मारपीट तक हुई। आतंकवादी फंडिंग के आरोप में जेल में बंद इंजीनियर राशिद के भाई विधायक खुर्शीद अहमद शेख ने विधानसभा के अंदर अनुच्छेद 370 की वापसी की मांग का बैनर लहराना शुरू किया तब जाकर

▶10पर

- पक्ष-विपक्ष के विधायकों में हुई भिड़ंत और हाथापाई, कई जख्मी
- प्रस्ताव के खिलाफ गोरखा समुदाय ने किया प्रदर्शन, फूंके पुतले
- जिद पर चुनाव कराने वाला सुप्रीम कोर्ट अराजकता पर चुप क्यों?
- फिर अलोकतांत्रिक माहौल पैदा करने लगी लोकतांत्रिक सरकार

अब जम्मू कश्मीर में 370 की वापसी कभी नहीं होगी

जम्मू, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

जम्मू कश्मीर विधानसभा में अनुच्छेद 370 को हुए बवाल पर भाजपा ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए स्पष्ट किया कि जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 की वापसी नहीं होगी। भाजपा ने कहा कि आज विधानसभा में संविधान का गला घोंटा गया है। भाजपा ने दावा किया कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। भाजपा की तरफ से पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

▶10पर

जूना अखाड़ा परिषद की नायाब पहल

महाकुंभ में 370 दलित बनेंगे महामंडलेश्वर और पीठाधीश

दलित मडलेश्वरों व पीठाधीश्वरों का होगा पट्टाभिषेक, मिलेगी पदवी

देश और दुनिया के सनातनधर्मियों ने इस पहल को बताया अभूतपूर्व

प्रयागराज, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

महाकुंभ में जूना अखाड़े में 370 दलित महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर, महंत और पीठाधीश्वर बनाए जाएंगे। इनकी सूची तैयार कर ली गई है। संगम की रेती पर अखाड़े की धर्म ध्वजा के नीचे महाकुंभ में इन दलित संतों का पट्टाभिषेक होगा और फिर सनातन धर्म के प्रचार के लिए जिम्मेदारियां तय की जाएंगी। सनातन धर्म-संस्कृति के संरक्षण और प्रचार के लिए जूना अखाड़ा वंचित-कमजोर वर्ग के संतों को महाकुंभ में एकजुट करने के साथ ही उन्हें बड़े पदों पर आसीन कराएगा। अखाड़ा परिषद के महामंत्री और जूना अखाड़े के संरक्षक महंत हरि गिरि के नेतृत्व में इसकी जिम्मेदारी जूनागढ़ के जगद्गुरु गुजरात पीठाधीश्वर महेंद्रानंद गिरि को सौंपी गई है।

▶10पर

महत्वपूर्ण मंदिरों और मठों के पुजारी हैं दलित

प्रयागराज, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

वर्ष 2025 में होने वाले महाकुंभ में 370 दलितों को पीठाधीश बनाए जाने के निर्णय को देश दुनिया के सनातनधर्मी स्वागतपूर्ण कदम बता रहे हैं। कई विद्वानों ने कहा कि इसके पूर्व भी देश के महत्वपूर्ण मंदिरों और मठों में पुजारी और पीठाधीश के पद पर दलित आसीन होते रहे हैं। केरल में त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड ने छह दलितों को आधिकारिक तौर पर पुजारी नियुक्त किया था। इसी तरह बिहारी की राजधानी पटना के प्रसिद्ध महावीर मंदिर में दलित पुजारी नियुक्त किए गए थे। विश्व हिंदू परिषद ने देशभर में पांच हजार दलितों को पुजारी बनाने का सफल अभियान चलाया था।

▶10पर

चित्रकूट में बोले संघ प्रमुख मोहन भागवत

सनातन धर्म की बाधाएं दूर करने के लिए संघ डंडा लेकर तैयार

चित्रकूट, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि कुछ लोग निहित स्वार्थ के चलते उभरते भारत को दबाने की कोशिश रहे हैं। सत्य भारत है जो कभी दबता नहीं है। यह हर संकट से उबर कर आगे बढ़ता रहेगा। सनातन और संतों के काम में आने वाली बाधाओं को संघ स्वयंसेवक डंडा लेकर दूर करेंगे।धर्मनगरी के दास हनुमान मंदिर परिसर में चल रहे युग तुलसी पं. रामकिंकर उपाध्याय की जन्मशताब्दी कार्यक्रम में बुधवार को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने देश की वर्तमान स्थिति को लेकर देश विरोधी ताकतों पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि कठोर परिश्रम के बाद देश का निर्माण हुआ है। विश्व में चल रहे युद्ध में धर्म की ही जीत होगी। धर्म और सत्य की ताकत के आगे अधर्म को हार का सामना करना पड़ेगा। हर हिंदू के लिए आगे बढ़ने के लिए रामायण और महाभारत प्रेरणा है।

स्वार्थी तत्व उभरते भारत को दबाने की कोशिश कर रहे

▶10पर

भाजपा और संघ के समन्वय से चुना जाएगा राष्ट्रीय अध्यक्ष

चित्रकूट, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

महाकौशल प्रांत के वर्ग में भाजपा और संघ के बीच समन्वय बनाकर कार्य करने का संदेश पदाधिकारियों ने दिया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने में संघ की भूमिका सहित भाजपा के शीर्ष नेतृत्व में होने वाले व्यापक बदलाव को लेकर भी चर्चा की गई। भाजपा में संगठन मंत्री के रूप में काम करने वाले संघ के पदाधिकारियों के स्थान में नए संगठन मंत्री बनाने पर भी विचार किया गया। हालांकि इन बातों को सार्वजनिक नहीं किया गया।

▶10पर

डोनाल्ड ट्रंप को शेख हसीना ने दी बधाई

प्रधानमंत्री के तौर पर बांग्लादेश वापसी की उम्मीद

नई दिल्ली, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

तख्तापलट के कारण बांग्लादेश से भारत में शरण लेने वाली बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अमेरिकी चुनाव में विजय पर डोनाल्ड ट्रम्प को बधाई दी है। उन्होंने अपनी पार्टी बांग्लादेश आवामी लीग के माध्यम से ट्रम्प को बधाई संदेश भेजा है और भविष्य में उनके साथ काम करने की आशा जताई है।

▶10पर

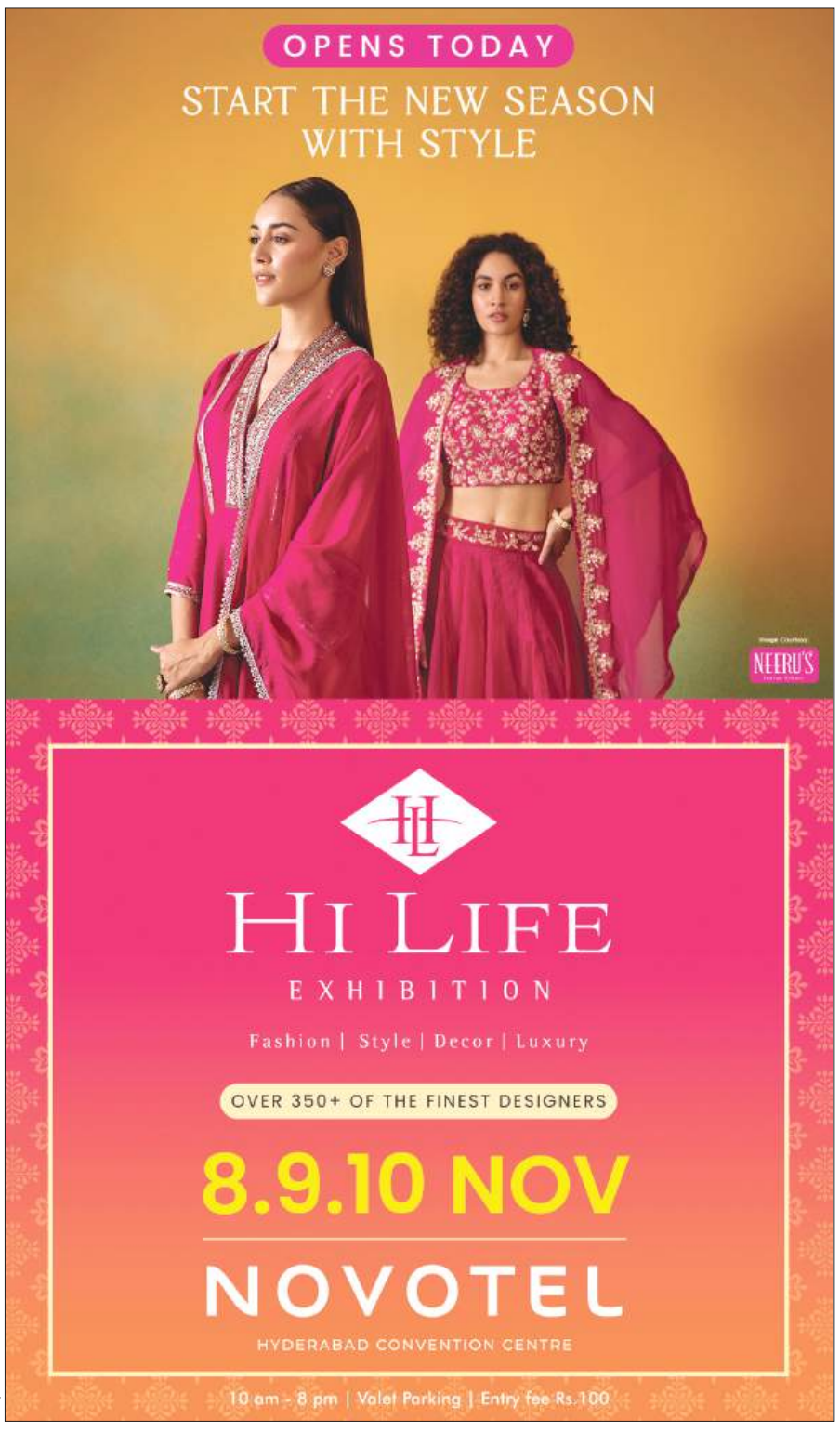

दुर्घटना के बाद फिर से ताजा हुई मिग-29 की भारत यात्रा

समंदर के रास्ते 37 साल पहले लाए गए थे रूसी बाज

आगरा, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

आदमपुर एयरफोर्स स्टेशन से उड़ान भरकर आगरा में दुर्घटनाग्रस्त हुआ मिग-29 विमान 37 साल पुराना है। रूस से 37 साल पहले 4 जनवरी 1987 को समुद्र के रास्ते पानी के जहाज से मिग-29 यानी बाज को भारत लाया गया था। इन्हें मुंबई बंदरगाह पर उतारा गया। रूस में तैयार किए गए 40 विमानों के कलपुर्जों को खोलकर समुद्री जहाज से लाया गया, जिन्हें नासिक की हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड में फिर से तैयार किया गया था।

पाकिस्तान के पास मौजूद अमेरिकी एफ-16 विमानों के मुकाबले के लिए खरीदे गए रूसी बाज मिग-29 को 37 साल पहले ही भारतीय वायुसेना ने अपने बेड़े में शामिल किया था। समुद्री मार्ग से लाने के बाद इन्हें रूस से आए 6 इंजीनियरों ने नासिक की एचएएल फैक्टरी में जोड़ा और रूस के 8 लड़ाकू विमान पायलटों ने इनका परीक्षण किया। 4 मई 1987 तक मिग-29 विमानों के दो स्क्वाड्रन मिल गए थे। इन विमानों का 7 माह तक परीक्षण चला। रूस से हुई डील के तहत 45 विमान रूस से आने थे, जबकि 135 मिग-29 विमान एचएएल की नासिक फैक्टरी में तैयार किए जाने थे।

भारत ऐसा पहला देश, जिसे सबसे पहले मिले थे मिग-29

सात माह के परीक्षण के बाद रूसी बाज मिग-29 विमानों को पुणे में हुए एक कार्यक्रम में 6 दिसंबर 1987 को भारतीय वायुसेना का हिस्सा बनाया गया। तत्कालीन रक्षामंत्री केसी पंत ने इनकी पहली उड़ान को हरी झंडी दिखाई थी। एक माह बाद 8 जनवरी 1988 को तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भी मिग-29 विमानों के कॉकपिट में जाकर मिग-29 के पायलट और वीर चक्र विजेता विंग कमांडर हरीश सामंद से इन विमानों की तकनीकी खूबियों के बारे में जानकारी की थी। वायुसेना ने मिग-29 की दो स्क्वाड्रन तैयार कीं। 28 वीं और 47 वीं स्क्वाड्रन मिग-29 विमान के लिए जानी गईं।

अमेरिका के एफ-16 फाइटर जेट का मुकाबला करने के लिए रूस ने दो इंजन वाले अत्याधुनिक मिग-29 विमानों का निर्माण किया था। भारत पहला ऐसा देश था, जिसे यह सबसे पहले दिया गया। भारत सरकार ने रूस से 45 मिग-29 विमानों की खरीद का फैसला 1986 में किया था। मिग-21 विमानों के लगातार हादसों के बाद सरकार ने मिग-29 की खरीद को अंतिम रूप दिया था। इन्हें 4 जनवरी 1987 को भारत में अर्धविकसित स्थिति में लाया गया। मिग-29 विमान तय समय से चार माह पहले ही भारत को सौंप दिए गए थे। रूस से वार्सा संधि संगठन वाले देशों को भी तब मिग-29 विमान नहीं दिए थे।रूस से मिग-29 विमान 1987 में ही मिल गए,

▶10पर

ट्रंप का एक अच्छा दोस्त पाकिस्तानी जेल में है बंद, क्या अब बदलेंगे हालात

कराची, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप ने शानदार जीत दर्ज कर सभी को हतप्रभ कर दिया है। इस जीत के साथ ही वैश्विक राजनीति में हलचल मची हुई है। ट्रंप की इस जीत का प्रभाव जहां एक ओर भारत पर पड़ सकता है, वहीं पाकिस्तान में भी उनके एक खास दोस्त की रिहाई की उम्मीदें जगने लगी हैं। यह खास दोस्त कोई और नहीं बल्कि पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ही हैं। इन दिनों इमरान खान रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं, को कभी डोनाल्ड ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से अपना अच्छा दोस्त बताया था। यह सच है कि एक जमाने में इमरान और ट्रंप के बीच अच्छे संबंध रहे, खासकर तब जबकि 2019 में इमरान ने व्हाइट हाउस का दौरा किया था।

इस दौरान ट्रंप ने इमरान की जमकर तारीफ की थी और दोनों नेताओं के बीच दोस्ती का यह किस्सा अब फिर चर्चाओं में है। ट्रंप की जीत से उम्मीदें जब साल 2019 में इमरान खान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री थे और ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति, तब दोनों देशों के बीच संबंध सौहार्दपूर्ण रहे। इसके बाद साल 2020 में ट्रंप की चुनावी हार हुई और इमरान खान की राजनीतिक गिरावट के बाद हालात बदलते चले गए। साल 2022 में इमरान को संसद में अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा, जिसके बाद उन्हें प्रधानमंत्री पद से भी हटना पड़ गया था।

इसके साथ ही उनकी मुश्किलें लगातार बढ़ती चली गईं। ऐसे में इमरान समर्थकों और उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ़ (पीटीआई) के नेताओं का मानना है कि ट्रंप की वापसी से इमरान खान की रिहाई की संभावना बढ़ सकती है। पीटीआई के नेता और नेशनल असेंबली के सदस्य लतीफ खोसा ने एक बातचीत के दौरान कहा, कि मुझे विश्वास है कि डोनाल्ड ट्रंप पाकिस्तान में लोगों की आवाज सुनने के पक्षधर हैं और इमरान खान की रिहाई के प्रयास किए जाएंगे। क्या मदद से बदल जाएंगे हालात ट्रंप की जीत से इमरान समर्थक उनके जेल से रिहाई को लेकर आशावादी रुख अख्तियार किए हुए हैं।

न्यूज ब्रीफ

दुनिया की पहली विश्व सुंदरी किकी हाकनसन का निधन

स्टॉकहोम। दुनिया की पहली विश्व सुंदरी बनीं स्वीडन की मॉडल किकी हाकनसन अब इस दुनिया में नहीं रही। किकी का 95 साल की उम्र में निधन हो गया। उनकी मौत की खबर सामने आते ही फैंस का दिल टूट गया है और मनोरंजन जगत के सितारे सोशल मीडिया पर उन्हें श्रद्धांजलि देते नजर आ रहे हैं। किकी हाकनसन को ऐतिहासिक मॉडलिंग करियर के लिए हमेशा याद किया जाएगा। 1951 में उन्होंने लंदन में मिस वर्ल्ड का खिताब अपने नाम किया था। वहीं, इसी साल किकी को मिस स्वीडन भी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था और मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में एक नई क्रांति का उदय हुआ। खास बात ये थी कि वह पहली ऐसी मॉडल रहीं, जिन्होंने बिकिनी में विश्व सुंदरी का खिताब अपने नाम किया था। किकी हाकनसन के निधन की खबर मिस वर्ल्ड के ऑफिशियल इंस्टाग्राम पेज पर दी गई है। पोस्ट के मुताबिक- बीते 4 नवंबर को कैलिफॉर्निया स्थित अपने आवास पर किकी ने 95 साल की उम्र में आखिरी सांस ली और दुनिया छोड़ दी है। उनके बेटे क्रिस एंडरसन जूलिया मोर्ले को भेजे एक एक नोट में लिखा- मेरी मां वास्तविक, दयालु, प्यार करने वालीं एक मजेदार इंसान थीं। उनमें हास्य और बुद्धि का शानदार मेल और समझ देखने को मिलती थी। इसके अलावा वह एक बड़े दिल भी रखती थीं।

ओली की प्रस्तावित चीन यात्रा का विरोध ठंडा करने दो लोगों की समिति बनी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की दिसंबर में प्रस्तावित चीन यात्रा का सत्तारूढ़ घटक दल ने विरोध किया है। इसके मद्देनजर एजेंडा तय करने के लिए दो लोगों की समिति बनाई गई है। ओली की चीन यात्रा के दौरान बेल्ट एंड रोड इनिसिएटिव समझौते पर दस्तखत होने हैं। प्रधानमंत्री निवास पर आज हुई नेपाली कांग्रेस और नेकपा एमाले के शीर्ष नेताओं की बैठक में इस मसले पर बात हुई। बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि ओली के चीन दौरे का एजेंडा तय करने के लिए दोनों दलों के दो नेताओं की समिति बनाकर फैसला उस पर छोड़ दिया जाए। बैठक में प्रमुख रूप से ओली और नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेरबहादुर देउवा मौजूद रहे। समिति में शामिल विदेशमंत्री आरजू देउवा चीन भ्रमण की संपूर्ण तैयारी का जायजा खुद लेंगी। वह बातचीत का एजेंडा तय करेंगी। समझौते पर दस्तखत किए जाएं या नहीं, इस पर भी समिति को फैसला लेना है। चीन के प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर दो से पांच दिसंबर तक ओली की बीजिंग यात्रा हो रही है। वहां उनकी चीन के राष्ट्रपति से भी मुलाकात होनी है। चीन लगातार बेल्ट एंड रोड इनिसिएटिव कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर के लिए नेपाल पर दबाव बना रहा है। नेपाल महंगी ब्याज दर पर ऋण लेने से इनकार कर रहा है। नेपाल ने पोखरा में बनाए गए अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल के निर्माण के लिए लिए गए 26 बिलियन डॉलर के ऋण को माफ करने का प्रस्ताव भी रखा है। चीन ब्याज दर में कुछ कटौती करने के संकेत दे रहा है, लेकिन वह ऋण माफ करने के पक्ष में नहीं है।

पाकिस्तान में इकबाल दिवस पर नौ नवंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में इकबाल दिवस के उपलक्ष्य में 09 नवंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। संघीय सरकार ने यह घोषणा की। इसमें कहा गया है कि नौ नवंबर मशहूर कवि और शायर अल्लामा इकबाल की 147वीं जयंती है। उन्हें पूरब के कवि के रूप में भी जाना जाता है। वह उन प्रमुख शख्सियतों में से एक थे, जिन्होंने उपमहाद्वीप में लाखों मुसलमानों को ब्रिटिश शासन से आजादी पाने और अपनी मातृभूमि स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। 1877 में सियालकोट में जन्मे अल्लामा इकबाल प्रशंसित कवि और दार्शनिक के रूप में पहचान रखते हैं। उन्हें मुसलमानों के लिए अलग मातृभूमि के निर्माण की मांग करने के लिए अपनी कविता और राजनीतिक प्रभाव का उपयोग करने का व्यापक श्रेय दिया जाता है। वर्ष 1930 का उनका इलाहाबाद संबोधन विभाजन-पूर्व की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ था, क्योंकि इसने उपमहाद्वीप के मुसलमानों के लिए पाकिस्तान हासिल करने के लिए एक स्पष्ट दिशा और अलग पहचान निर्धारित की थी। इकबाल दिवस पर मस्जिदों में विशेष नमाज, लाहौर में उनके मकबरे पर चेंज ऑफ गार्ड्स समारोह का आयोजन किया जाएगा। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने भी घोषणा की है कि इकबाल दिवस पर बैंक बंद रहेंगे।

ट्रंप की जीत पर कई देशों ने दी बधाई पुतिन की बेरुखी ने सभी को चौंकाया

लंदन, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद दुनियाभर के नेताओं ने उन्हें बधाई दी है। इस बीच, रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन का एक चौंकाने वाला बयान सामने आया है। पुतिन ने स्पष्ट किया कि वे अभी ट्रंप को जीत की बधाई नहीं देंगे। क्रेमलिन ने कहा कि ट्रंप को बधाई देने का फैसला उनके कार्यों और नीतियों के आधार पर किया जाएगा। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हम ट्रंप की नीतियों के आधार पर उनका मूल्यांकन करेंगे। हालांकि देर रात जानकारी आई की रुस ने कहा कि अमेरिका से बात करने में उसे कोई हर्ज नहीं है। इसके विपरीत, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने ट्रंप को बधाई दी और यूक्रेन का समर्थन करने की अपील भी की। जेलेंस्की ने ट्रंप के उस कथन का समर्थन किया जिसमें उन्होंने ताकत के दम पर शांति लाने की बात कही थी। उन्होंने अपनी सितंबर में हुई बैठक को भी याद किया, जिसमें यूक्रेन और अमेरिका की रणनीतिक साझेदारी, जीत की योजना और रूसी आक्रामकता को समाप्त करने के उपायों पर चर्चा की गई थी।

रूस पर अक्सर ट्रंप के चुनावों में समर्थन देने का आरोप लगता रहा है। 2016 और 2020 के चुनावों में भी रूस पर ट्रंप की मदद करने का आरोप लगाया गया था। पुतिन के लिए ट्रंप का राष्ट्रपति बने रहना अधिक फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि बाइडेन प्रशासन ने रूस के प्रति कड़ी नीतियाँ अपनाई हैं। जंग शुरू होने के बाद से बाइडेन सरकार ने यूक्रेन को न केवल आर्थिक, बल्कि सैन्य सहायता भी प्रदान की है। बता दें कि ट्रंप को सबसे पहले बधाई संदेश देने वाले विश्व के नेताओं में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर भी शामिल हैं। सर कीर स्टारमर और केमी बैडेनोच उन ब्रिटिश पार्टी नेताओं में शामिल हैं, जिन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प की जीत पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है, जब दोनों पहली बार पीएमओ में आमने-सामने होंगे। स्टॉर्मर ने कहा कि नये अमेरिकी प्रशासन के तहत ब्रिटेन और अमेरिका के बीच ''विशेष संबंध प्रगाढ़ होना जारी रहेगा। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने बुधवार को डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में ऐतिहासिक जीत पर बधाई दी। नेतन्याहू ने 'एक्स पर लिखा, ''ऐतिहासिक महान वापसी पर बधाइयां। व्हाइट हाउस में आपकी ऐतिहासिक वापसी अमेरिका के लिए नई शुरुआत और इजराइल तथा अमेरिका के बीच महान गठबंधन के लिए शक्तिशाली प्रतिबद्धता दर्शाने वाली है। मैक्रों ने 'एक्स पर लिखा, ''साथ काम करने को तैयार हैं जैसा कि हम पहले भी चार साल में करने में सक्षम रहे। आपके और मेरे दृढ़विश्वास के साथ। सम्मान और महत्वाकांक्षा के साथ। अधिक शांति और समृद्धि के लिए। एसोसिएटेड प्रेस (एपी) द्वारा अपराह्न दो बजे तक उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार ट्रंप ने 277 निर्वाचक मंडल वोट, जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस ने 224 निर्वाचक मंडल वोट हासिल किये हैं। लंदन में, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय सह आवास '10 डाउनिंग स्ट्रीट द्वारा जारी एक बयान में स्टॉर्मर ने कहा, ''चुनाव में ऐतिहासिक जीत पर बधाई हो ट्रंप। मैं आने वाले वर्षों में आपके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने कहा, ''सबसे करीबी सहयोगी के रूप में, हम स्वतंत्रता, लोकतंत्र और उद्यम के अपने साझा मूल्यों की रक्षा करने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। (आर्थिक) संवृद्धि और सुरक्षा से लेकर नवाचार और प्रौद्योगिकी तक, मुझे पता है कि ब्रिटेन-अमेरिका के विशेष संबंध आने वाले वर्षों में अटलांटिक (महासागर) के दोनों किनारों पर समृद्ध होते रहेंगे। सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा के लिए न्यूयॉर्क की यात्रा के दौरान स्टॉर्मर ने पहली बार ट्रंप से एक निजी रात्रिभोज पर मुलाकात की थी।

ब्लड शुगर को कंट्रोल करने प्याज का सेवन सबसे सस्ता तरीका

लंदन, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

हालिया रिसर्च में ब्लड शुगर कंट्रोल करने का एक अनोखा तरीका सामने आया है, जिसके जरिए आप घर बैठकर महज कुछ रुपए में इस परेशानी से काफी हद तक राहत पा सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए प्याज का सेवन सबसे सस्ता और कारगर तरीका है। प्याज के अर्क से ब्लड शुगर को 50प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। प्याज का अर्क, एलियम सेपा और मेटाफॉर्मिन से डायबिटीज को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। यह बात अमेरिका में प्रजेंट किए गए एक रिसर्च पेपर में सामने आई है। मेटाफॉर्मिन डायबिटीज को कंट्रोल करने वाली दवा है, जिसे सबसे ज्यादा यूज किया जाता है।

इस रिसर्च के लीड इन्वेस्टिगेटर का कहना है कि डायबिटीज को कंट्रोल करने के लिए प्याज सबसे सस्ता और आसानी से उपलब्ध सामान है।रिसर्च के दौरान शोधकर्ताओं ने डायबिटिक चूहों को 400 मिलीग्राम और 600 मिलीग्राम प्याज का अर्क दिया था, जिससे उनके ब्लड शुगर लेवल में 50प्रतिशत और 35प्रतिशत कमी देखने को मिली। इतना ही नहीं प्याज से हाई कोलेस्ट्रॉल के लेवल में भी काफी कमी दर्ज की गई। जिन चूहों को डायबिटीज नहीं थी, उन चूहों का इसकी वजह से वजन बढ़ गया, जबकि डायबिटिक चूहों के वजन में कोई बदलाव नहीं हुआ। शोधकर्ताओं का कहना है कि प्याज में हाई कैलोरी नहीं होती और मेटाबॉलिक रेट बढ़ जाता है। इसकी वजह से भूख बढ़ जाती है और लोग ज्यादा खाना खाना शुरू कर देते हैं.इन दिनों डायबिटीज की समस्या बेहद तेजी से बढ़ रही है। कम उम्र के लोग भी डायबिटीज की चपेट में आते जा रहे हैं और इसकी वजह से हार्ट डिजीज का खतरा भी बढ़ रहा है। पिछले दिनों एक रिसर्च सामने आई थी जिसमें खुलासा हुआ था कि अगले 20 सालों में दुनियाभर में डायबिटीज के मामलों की संख्या करोड़ों में हो जाएगी।इस रिसर्च ने सभी की नींद उड़ा दी है। डायबिटीज एक महामारी की तरह लोगों को अपनी चपेट में ले रही है।इससे बचने के लिए लाइफस्टाइल में जरूरी बदलाव, हेल्दी डाइट, फिजिकल एक्टिविटी, रेगुलर चेकअप, वजन कंट्रोल करने जैसी बातों का ध्यान रखना चाहिए।

मोहम्मद यूनुस ने कहा- युवा बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आत्मविश्वास पैदा करें

ढाका, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार प्रो. मोहम्मद यूनुस ने आज कहा कि देश के युवाओं खुद के भीतर यह आत्मविश्वास पैदा करना होगा कि वह बड़े लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। ढाका ट्रिब्यून अखबार के अनुसार, उन्होंने ढाका विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय बोस-आइंस्टीन सांख्यिकी के शताब्दी समारोह: ढाका की विरासत के संबोधन के दौरान यह आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि हमें अपने युवाओं के मन में यह विश्वास पैदा करना चाहिए कि वो ही दुनिया हैं। आज हम उस आकांक्षा की शताब्दी मना रहे हैं।

समारोह का आयोजन ढाका विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग और बोस सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडी एंड रिसर्च इन नेचुरल साइंसेज ने संयुक्त रूप से किया है। प्रो. यूनुस ने कहा कि जिस तरह 1924 में बोस के आविष्कार के लिए माहौल तैयार किया गया, आज उसी तरह के प्रयासों की जरूरत है। शोध से जुड़े विद्वान इसके लिए अंतरिम सरकार को सुझाव दें।

इंसानों के तनाव को भी सूंघ लेते हैं कुत्ते, ताजा शोध में हुआ यह खुलासा

लंदन, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

एक शोध में कुत्ते को लेकर एक हैरान करने वाला खुलासा हुआ है। शोध के अनुसार अगर आप स्ट्रेस यानी तनाव में हैं तो इस बात का भी कुत्तों को तुरंत एहसास हो जाता है। कुत्ते तुरंत इंसान के मानसिक बदलाव को पकड़ लेते हैं1 जानकारी के अनुसार क्वीन्स यूनिवर्सिटी बेलफास्ट के शोधकर्ताओं के द्वारा किए गए एक शोध में पता चला है कि कुत्ते इंसानों के पसीने और सांस से तनाव का पता लगा सकते हैं। वे मनुष्य के मानसिक स्थित को पढ़ने में भी माहिर हैं और बड़े ही आसानी से यह पता लगा लेते हैं कि कोई शख्स तनाव में हैं या नहीं।

युनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के मुताबिक इंसान अपने पसीने और सांस से अलग अलग तरह की गंध छोड़ते हैं। जब मनुष्य तनाव में होता है तो उस समय निकलने वाले पसीने की गंध अलग होती है। इसी गंध को कुत्ते आसानी से पकड़ लेते हैं। इस अध्ययन को मनोविज्ञान स्कूल में क्लारा विल्सन और केरी कैंपबेल द्वारा किया गया था। इंसानी तनाव का कुत्तों द्वारा पता लगाने वाले इस परीक्षण में बेलफास्ट के 4 कुत्ते ट्रेओ, फिंगल, सूत और विनी के अलावा 36 लोग शामिल थे। इन सभी 36 लोगों के शोधकर्ताओं ने पसीने और सांस के नमूने

इकट्ठे किए। इसके बाद सभी लोगों को गणित के कठिन प्रश्न हल करने को दिया गया।

शोधकर्ताओं ने सवाल को हल करने से पहले इन सभी लोगों से ये नूमने लिए थे। शोध में शामिल सभी लोगों ने खुद ही कठिन सवाल को हल करने से पहले और बाद के अपने तनाव के बारे में जानकारी दी। इसमें शोधकर्ताओं ने केवल उन नमूनों का इस्तेमाल किया जहां लोगों का रक्तचाप और हृदय गति बढ़ गई थी।कुत्तों को इस बारे में ट्रेनिंग दी गई थी कि कैसे लोगों में एक गंध को तलाशकर वो शोधकर्ताओं को सही नमूने की जानकारी देना है। शोध से पहले शोधकर्ताओं को इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी कि सांस और पसीने की गंध में किसी तरह का कोई अंतर है। कुत्तों को इंसानों के तनाव और आराम के पलों के नमूने दिए थे। शोध में केवल 4 मिनट के अंदर ही कुत्तों ने उन लोगों की पहचान कर ली जो कि तनाव में थे।

पाक में 3 आतंकी हमले: फ्रंटियर कोर के 4 जवान, दो बच्चों समेत सात की जान गई

इस्लामाबाद, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में तीन स्थानों पर हुए आतंकी हमलों में सात लोगों की जान चली गई। मृतकों में फ्रंटियर कोर के चार जवान और प्राइमरी स्कूल के दो बच्चे हैं। ये हमले दक्षिण वजीरिस्तान अपर और खैबर के तिराह में हुए। डॉन अखबार की खबर में सूत्रों के हवाले से इन घटनाओं का विवरण साझा किया गया है। इसमें कहा गया है कि इन हमलों में फ्रंटियर कोर के चार जवानों सहित कम से कम सात लोग हताहत हुए।

पहला हमला दक्षिण वजीरिस्तान अपर की तहसील लाधा के करम इलाके में सुरक्षा बलों के एक बम निरोधक वाहन पर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से किया गया। इसके बाद फायरिंग की गई। विवरण के अनुसार तहसील लाधा के करम इलाके में हुए इस हमले में फ्रंटियर कोर के चार जवान शहीद हो गए और पांच अन्य घायल हो गए। घायलों में दो की हालत गंभीर है। उन्हें वाना के स्काउट्स अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया है।

इसके अलावा आतंकवादियों ने दाजा घुंडई इलाके में एक वाहन को निशाना बनाया। इस हमले में आतंकवाद निरोधक विभाग का एक अधिकारी शहीद हो गया और दो नागरिक घायल हो गए। खैबर की तिराह घाटी में अज्ञात स्थान से दागा गया मोर्टार गोला दो बच्चों की मौत का सबब बन गया। इस हमले में पांच अन्य लोग घायल हो गए। यह हमला तिराह घाटी के बार कंबार खेल के भूटान शरीफ इलाके में हुआ है। हमले में मारे गए दोनों बच्चे सरकारी प्राथमिक विद्यालय हाशिम खान कलाय में पढ़ते थे।

वेस्ट बैंक पर मारा गया एक फिलिस्तीनी: इजराइली सेना

यरूशलम। इजरायली सेना ने दावा किया है कि कथित तौर पर कार से टक्कर मारने और चाकू से हमला करने का प्रयास करने वाले फिलिस्तीनी शख्स को वेस्ट बैंक (इजरायली कब्जे वाले) में गोली मार दी गई। जिससे उसकी मौत हो गई। एक समाचार एजेंसी के अनुसार सेना ने बताया कि संदिग्ध ने रामल्लाह शहर के उत्तर में शिलोह जंक्शन पर नागरिकों पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की। बयान में कहा गया ?कि इसके बाद वह वाहन से बाहर निकला और चाकू से हमला करने का प्रयास करने लगा। इस दौरान एक हथियारबंद नागरिक राहगीर ने संदिग्ध को गोली मार दी, जिसके बाद सेना ने घटनास्थल पर उसकी मौत की पुष्टि की। सेना ने कहा ?कि सैनिक पूरे क्षेत्र में तैनात हैं। इजरायल की मैगन डेविड एडोम आपातकालीन सेवा ने बताया कि 26 वर्षीय महिला और 15 वर्षीय लड़के को हल्की चोटें आईं और उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

ट्रंप प्रशासन के साथ कोई गतिरोध नहीं आएगा : भारत

नई दिल्ली, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत ने गुरुवार को भरोसा जताया कि अमेरिका में निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के साथ व्यापार सीमा शुल्क एवं उत्प्रवासन जैसे मुद्दों पर कोई गतिरोध नहीं आएगा और परस्पर बातचीत से संतोषजनक समाधान निकल आएगा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां नियमित ीफिंग में श्री ट्रंप के शासन काल में भारत-अमेरिका संधों में प्रगति और एच-1बी वीजा के रे में पूछे जाने पर कहा, भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक संध काफी व्यापक हैं। पिछले साल 2023 में भारत और अमेरिका केीच करी 190 अरब डॉलर का व्यापार हुआ, जिसमें सामान और सेवाएं शामिल थीं।

अमेरिका भारत का दूसरा सबसे ड़ा व्यापारिक साझीदार है... जहां तक एच-1बी का सवाल है, गतिशीलता और प्रवास साझेदारी हमारे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संधों का एक हिस्सा है और हमारे कई पेशेवर अमेरिका में काम करते हैं, कई भारतीय छात्र वहां पढ़ते हैं और रक्षा प्रौद्योगिकी में अमेरिका और भारत के ीच बड़ी निवेश साझीदारी है। उन्होंने कहा कि हाल में भारत एवं अमेरिका के बीच विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के संध में सात मुद्दों को सुलझाया गया है। हमारे संबंध और मजबूत हुए हैं। दोनों देशों के बीच बाकी जो भी मुद्दे हैं, हम इन सभी मुद्दों पर उनके साथ अच्छी बातचीत करना चाहेंगे।उत्प्रवासन के सवाल पर प्रवक्ता ने कहा, हम चाहते हैं कि हमारे लोग कानूनी रूप से अमेरिका जाएं। भारत को विश्व भर में कौशल एवं प्रवीणता की राजधानी के रूप में देखा जाता है। हमारा (भारत अमेरिका) गठजोड़ कारोबार, नवान्वेषण एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में है। हम कभी नहीं चाहते हैं कि हमारे लोग अवैध रूप से या बिना पूर्ण दस्तावेज के अमेरिका जायें। इस बारे में हमारी अमेरिकी अधिकारियों से सतत बातचीत हो रही है। हाल ही में अवैध रूप से अमेरिका में रहने वाले भारतीयों को स्वदेश भेजा गया है। और भी जो लोग अवैध रूप से रह रहे हैं, उनको भी वापस आना चाहिए। अमेरिका में वैध प्रवासन की पर्याप्त संभावनाएं हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं को सुरक्षा दे अंतरिम सरकार :भारत

नई दिल्ली, 07 नवंबर (एजेंसियां)। भारत ने बांग्लादेश के चटगांव में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमले और लूटपाट की निंदा करते हुए वहां की अंतरिम सरकार से दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने एवं हिन्दुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां नियमित ब्रीफिंग में बांग्लादेश की घटनाओं के बारे में पूछे जाने पर कहा कि चटगांव में सोशल मीडिया पर हिन्दू समुदाय को निशाना बना कर भड़काऊ टिप्पणियां किये जाने के बाद वहां बहुत झगड़ा हुआ। हिन्दू समुदाय के लोगों के घरों पर हमला किया गया और लूटपाट की गयी जिसके पीछे उग्रवादी तत्वों का हाथ है। यह अत्यंत निंदनीय है। श्री जायसवाल ने कहा, इस प्रकार की बातों से समाज में संतुलन बिगड़ता है और तनाव बढ़ता है। हमारा बांग्लादेश की सरकार से आग्रह है कि दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाये और हिन्दुओं को सुरक्षा दी जाये। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की स्थिति को लेकर पूछे गये एक प्रश्न के उत्तर में प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि भारत की दृष्टि में श्रीमती हसीना पूर्व प्रधानमंत्री हैं।

प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार ने बढ़ते वायु प्रदूषण पर हितधारकों के साथ बैठक की

नई दिल्ली, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर अजय कुमार सूद ने बढ़ते वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के मुद्दे के समाधान के लिए गुरुवार को यहां हितधारकों की एक बैठक की अध्यक्षता की।प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय ने प्रायद्वीपीय भारत में एयरशेड प्रबंधन की जांच के लिए पिछले वर्ष के शुरू में एक परियोजना शुरू की थी जिसका उद्देश्य वायुमंडलीय प्रदूषण परिवहन तंत्र, उत्सर्जन प्रभाव आकलन और इस क्षेत्र में विशिष्ट जलवायु कारकों का अध्ययन करने के लिए ारीक ग्रिड उत्सर्जन डेटा और उन्नत जीआईएस-आधारित मॉडल को नियोजित करना है। इस परियोजना के माध्यम से वायु गुणवत्ता के प्रंधन के लिए साक्ष्य-समर्थित, विज्ञान-आधारित संरचना के लिए आधार तैयार करने में मदद करना था।प्रोफेसर सूद ने तेजी से दलती जलवायु परिस्थितियों के संदर्भ में वायु गुणवत्ता में सुधार के महत्व पर प्रकाश डाला और सार्वजनिक स्वास्थ्य तथा पर्यावरणीय स्थिरता के लिए इसके महत्वपूर्ण निहितार्थों को रेखांकित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वायु प्रदूषण एक बहुआयामी मुद्दा है जो कई कारकों से प्रभावित है। प्रो. सूद ने एक ऐसे दृष्टिकोण को अपनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला जो इस जटिलता को दर्शाता है, जिसमें एक मजबूत, रणनीतिक प्रतिक्रिया के लिए व्यापक मौसम संधी प्रक्रियाओं, परिष्कृत उत्सर्जन सूची और विस्तृत एयरशेड मैपिंग को शामिल किया गया है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि बैठक का उद्देश्य हाल ही में किये गये अध्ययन के निष्कर्षों पर विचार-मंथन करना, अल्पकालिक और दीर्घकालिक समय-सीमा में प्रभावी प्रदूषण नियंत्रण के लिए विज्ञान-आधारित रणनीतियों को शामिल करने के तरीकों पर चर्चा करना था।राष्ट्रीय उन्नत अध्ययन संस्थान के निदेशक डॉ. शैलेश नायक ने वायु गुणवत्ता चुनौतियों के समाधान के लिए परियोजना के माध्यम से उन्नत विज्ञान और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को एक व्यापक मंच में एकीकृत करने की दिशा में काम कर रहा है जिसकी पहुंच नीति निर्माताओं और जनता दोनों तक होगी।

द साबरमती रिपोर्ट बनाने पर निर्माता को मिल रही धमकियां

मुंबई, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

15 नवंबर को सिनेमाघरों में आने वाली द साबरमती रिपोर्ट का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म में एक पत्रकार की भूमिका में विक्रांत मेसी नजर आएंगे। हाल में उन्होंने ट्रेलर रिलीज कार्यक्रम के दौरान खुलासा किया कि उन्हें फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर धमकियां मिल रही हैं। उनसे जब पूछा गया कि क्या उन्हें फिल्म बनाने पर धमकियां आई हैं।

इस पर विक्रांत मेसी ने कहा, जी हां आई हैं और आ रही हैं। लेकिन जैसा की मैंने कहा कि हम कलाकार हैं और कहानियां बोलते हैं। यह फिल्म पूरी तरह से सच पर आधारित है। यह कुछ ऐसा है जिससे मैं या हम सब एक टीम के रूप में निपट रहे हैं और मुझे लगता है कि हम इससे उसी तरह निपटेंगे जिस तरह से इसे निपटना है।

डायरेक्टर एकता कपूर से जब पूछा गया कि क्या यह फिल्म एक प्रोपेगेंडा है। इस पर एकता ने कहा, मैं एक हिंदू हूं। हिंदू मतलब होता है सेक्युलर। मैं कभी भी किसी भी धर्म को लेकर ऐसा कोई कमेंट नहीं करूंगी क्योंकि मैं एक हिंदू हूं। मैं हर एक धर्म का सम्मान करती हूं। आप फिल्म में देखेंगे कि मैंने किसी भी धर्म का विरोध किए बिना असली गुनहगारों का पर्दाफाश किया है। और यही एक अच्छे स्टोरीटेलर की पहचान होती है।

पराली जलाने पर दोगुना भरना होगा जुर्माना

नई दिल्ली, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

वायु प्रदूषण की समस्या पूरे देश में गंभीर हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इसे लेकर नाराजगी जाहिर की है। यही वजह है कि अब केंद्र ने भी पराली की समस्या के खिलाफ सख्त रुख अपनाने का फैसला किया है। दरअसल केंद्र सरकार ने पराली जलाने वाले किसानों पर जुर्माने की राशि बढ़ाकर दोगुनी कर दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पांच एकड़ से ज्यादा जमीन पर पराली जलाने पर जुर्माने की राशि बढ़ाकर 30 हजार रुपये कर दी गई है।

केंद्र सरकार के वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और इसके आसपास के इलाकों में एनवायरमेंटल कंपेंसेशन फॉर स्टबल बर्निंग संशोधन कानून के प्रावधानों को लागू कर दिया है। इस कानून में पराली जलाने पर जुर्माने और फंड के इस्तेमाल के प्रावधान बताए गए हैं। इसके तहत जिन किसानों के पास दो एकड़ से कम जमीन है, उन्हें पराली जलाने पर पर्यावरणीय जुर्माने के रूप में पांच हजार रुपए देने होंगे। वहीं जिन किसानों के पास दो से पांच एकड़ जमीन है और वे पराली जलाते पाए जाते हैं तो उन पर जुर्माना 10 हजार रुपए होगा। पांच एकड़ से ज्यादा जमीन वाले किसानों को पराली जलाने पर 30 हजार रुपए का जुर्माना देना होगा।

गौरतलब है कि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने में विफल रहने के लिए पंजाब और हरियाणा की सरकारों की आलोचना की। सुप्रीम कोर्ट ने वायु गुणवत्ता आयोग को पराली जलाने की घटनाएं लगातार होने के चलते पंजाब और हरियाणा सरकार के अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया था।

साथ ही पीठ ने उसके आदेश के उल्लंघनकर्ताओं पर मुकदमा चलाने के लिए एक सप्ताह की समय सीमा तय की है।

राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण की स्थिति गंभीर है और लोगों को आने वाले कई दिनों तक वायु प्रदूषण की समस्या से राहत नहीं मिलेगी। बुधवार को दिल्ली में वायु की गुणवत्ता का स्तर 352 एक्यूआई रहा, जो बेहद खराब श्रेणी में है।

शरिया का हवाला देकर दूसरे निकाह को जायज ठहराना गलत

यह पहली बीवी के साथ क्रूरता है: मद्रास हाईकोर्ट

चेन्नई, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

शरिया कानून का हवाला देकर मुस्लिम पुरुष अक्सर दूसरे निकाह को जायज ठहराते हैं। चाहे इसके कारण उनकी पहली बीवी की कितनी ही प्रताड़ना क्यों न हो। लेकिन अब मद्रास हाईकोर्ट ने इस मामले में अहम फैसला दिया है। हाईकोर्ट ने पहली बीवी के रहते मुस्लिमों के दूसरे निकाह को क्रूरता करार दिया है। कोर्ट ने माना कि पुरुषों द्वारा दूसरे निकाह से पहली बीवी को शारीरिक, मानसिक तनाव और पीड़ा का सामना करना पड़ता है। तमिलनाडु के एक मुस्लिम व्यक्ति ने एक मुस्लिम युवती से पहला निकाह 2010 में किया। कुछ समय तक साथ रहने के बाद दोनों को एक बच्चा भी हुआ। बाद में महिला के शौहर ने दूसरी मुस्लिम लड़की के साथ निकाह कर लिया। इसी को लेकर दोनों के बीच झगड़े हुए। वर्ष 2018 में महिला ने शौहर के खिलाफ मारपीट और घरेलू हिंसा का केस दर्ज करा दिया। मामला कोर्ट पहुंचा। इसके बाद सुनवाई अनवरत होती रही और साल 2021 में मजिस्ट्रेट ने व्यक्ति को अपनी बीवी को 5 लाख रुपए का मुआवजा और नाबालिग बच्चे के भरण पोषण के लिए प्रतिमाह 25,000 रुपए देने का फैसला सुनाया।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का पाखंड कर रहा है कनाडा : भारत

नई दिल्ली, 07 नवंर (एजेंसियां)।

भारत ने कनाडा द्वारा ऑस्ट्रेलिया के भारतवंशी समुदाय के मीडिया प्लेटफॉर्म ऑस्ट्रेलिया टुडे को कनाडा में प्रतिंधित किए जाने की निंदा की है और इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर कनाडा सरकार का पाखंड का उदाहरण बताया है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां नियमित ीफिंग में इस संध में पूछे जाने पर कहा, विदेश मंत्री आज सिडनी में हैं।

कुछ समय पहले वे व्यापारिक समुदाय और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से ात कर रहे थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री के साथ भी बैठक की, जहां उन्होंने 15वीं भारत-ऑस्ट्रेलिया रूपरेखा वार्ता में भाग लिया। विदेश मंत्री ने ऑस्ट्रेलिया के साथ हमारी सभी सुरक्षा चिंताओं पर चर्चा की। ऑस्ट्रेलिया टुडे के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को कनाडा में ब्लॉक किये जाने के संध में प्रवक्ता ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया टुडे भारत वंशियों का एक प्रमुख मीडिया मंच है। यह अब कनाडा में देखने के लिए उपलब्ध नहीं है। इसने विदेश मंत्री एस जयशंकर का इंटरव्यू किया और विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ प्रेस ीफिंग को भी कवर किया था। विदेश मंत्री ने हमारे कनाडा के साथ संधों के तीन बिन्दुओं पर चर्चा की है। पहला कनाडा सरकार के शीर्ष से बिना सबूत के आरोप लगाने की आदत, दूसरा- हमारे राजनयिकों की निगरानी और तीसरा उग्रवादियों को राजनीतिक स्थान दिया जाना।प्रवक्ता ने कहा कि कनाडा सरकार का इस मीडिया मंच को प्रतिबंधित करना, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर कनाडा सरकार के पाखंड को उजागर करता है। कनाडा में टोरंटों में भारतीय वाणिज्य दूतावास के कौंसुलर कैम्प को रद्द किये जाने के रे में पूछे जाने पर श्री जायसवाल ने कहा, आपने टोरंटो में हमारे वाणिज्य दूतावास

द्वारा पोस्ट किए गए संदेश को देखा होगा कि उन्हें सप्ताहांत में आयोजित होने वाले वाणिज्य दूतावास शिविर को रद्द करना पड़ा है क्योंकि उन्हें सरकार से पर्याप्त सुरक्षा या सुरक्षा आश्वासन नहीं मिला। कनाडा में हमारे पास बहुत बड़ा प्रवासी समुदाय है। इनमें से बहुत से लोगों को, खासकर नवंबर, दिसंबर के महीने में, अपनी पेंशन जारी रखने और भारत में कई अन्य गतिविधियों के लिए कई दस्तावेजों की आवश्यकता होती है। इसलिए हम जो वाणिज्य दूतावास शिविर लगाते हैं, वह भारतीय राष्ट्रीयता वाले लोगों और भारतीय मूल के लोगों के लिए जो आज कनाडाई नागरिक हैं, उनके लिए मददगार है। राजनयिकों की सुरक्षा के बारे में पूछे जाने पर श्री जायसवाल ने कहा, हमने अपने राजनयिकों के लिए सुरक्षा प्रदान करने के लिए कहा था, जहाँ वाणिज्य दूतावास शिविर आयोजित किया जाना था और कनाडाई पक्ष द्वारा उन्हें सुरक्षा प्रदान नहीं की गई है। पिछले एक साल या उससे भी अधिक समय में, हमने भारतीय राजनयिकों पर हमला, धमकी, डराना, भारतीय राजनयिकों को परेशान करना जैसी चीजें देखी हैं...हाँ, धमकियाँ बढ़ गई हैं। भारतीय राजनयिकों पर निगरानी रखी जा रही है, जो पूरी तरह से अस्वीकार्य है। विदेश मंत्री ने भी इस बारे में बात की है। हमने इस मामले को कनाडाई पक्ष के साथ बहुत दृढ़ता से उठाया था। प्रवक्ता ने कहा, मैं समझता हूं कि कनाडा के अन्य हिस्सों में, उदाहरण के लिए वैंकूवर में, वाणिज्य दूतावास शिविर आयोजित किए जाएंगे। ये वाणिज्य दूतावास शिविर सामुदायिक संगठनों के अनुरोध पर आयोजित किए जाते हैं। इसलिए जहां सामुदायिक संगठन सहज होंगे, हम इन वाणिज्य दूतावास शिविरों के साथ आगे बढ़ेंगे। मंदिरों एवं हिन्दू समुदाय पर हमलों को लेकर श्री जायसवाल ने कहा, आपने हमारी टिप्पणियों को देखा है। हम ब्रैम्पटन में मंदिर पर हमले की निंदा करते हैं। हमने कनाडा सरकार से कानून के शासन को बनाए रखने और हिंसा का आरोप लगाने वाले लोगों को न्याय के कटघरे में लाने का भी आह्वान किया। हमें उम्मीद है कि कनाडा सरकार उचित कार्रवाई करेगी। अमेरिका में श्री डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद कनाडा एवं भारत के संधों पर सकारात्मक असर पड़ने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर प्रवक्ता ने कहा कि कनाडा या किसी भी देश के साथ भारत के रिश्ते स्वतंत्र हैं और किसी तीसरे देश की घटनाओं का उन पर असर नहीं होता है।

युवतियां स्वाभिमानी, आत्म निर्भर बने : स्मृति ईरानी

नई दिल्ली, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने देश की युवतियों को खुद की कद्र करने और वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनने का आह्वान करते हुए गुरुवार को कहा कि हर महिला में आगे बढ़ने की शक्ति होती है और उसे इस शक्ति को पहचानना चाहिए।श्रीमती ईरानी यहां महिलाओं के वैश्विक नेटवर्क यूयूक्के द्वारा अेंडकर इंटरनेशनल सेंटर में थिोंड बैरियर्स (बाधाओं से पार) 2024 सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थी। इस अवसर पर उन्होंने कहा, हमें युवतियों को अपनी कद्र करना, अपनी स्वतंत्रता और भलाई पर ध्यान देने की शिक्षा देनी होगी- जिसमें न केवल अपने लिए, बल्कि उन्हें दूसरों के लिए मजबूत बनने की शिक्षा भी शामिल है। उन्होंने कहा, वित्तीय स्वतंत्रता और व्यक्तिगत स्वास्थ्य को स्वार्थी नहीं बल्कि महिलाओं के लिए अधिक स्थिरता और सुरक्षा के तरीकों के रूप में देखा जाना चाहिए।इस वर्ष के आयोजन का थीम महिलाओं में निवेश, एक सतत भविष्य के लिए है, जिसमें वैश्विक नेता, दूरदर्शी और परिवर्तनकर्मी महत्वपूर्ण विषयों पर जैसे कि प्रौद्योगिकी में लिंग समानता, उद्यमिता में नेतृत्व, स्थिर वाणिज्य, और सामाजिक प्रभाव पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, व्यवसाय में महिलाएं एक अनोखा दृष्टिकोण लेकर आती हैं, जो सभी के लिए अच्छा है। जब महिलाएं नेतृत्व करती हैं, तो वे स्थिरता, शिक्षा और सामुदायिक स्वास्थ्य जैसी चीजों को प्राथमिकता देती हैं। उन्होंने कारोबार में महिलाओं को सहयोग और प्रोत्साहन दिए जाने पर ल देते हुए कहा कि ज महिलाएं सफल होती हैं तो वे परिवर्तन का शक्तिशाली एजेंट नती हैं। इस कार्यक्रम में उद्यमिता में नेतृत्व, स्थिर वाणिज्य और महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स को बढ़ाने की चुनौतियों पर पैनल चर्चाएं आयोजित की गईं। यूयूक्के की संस्थापक डॉ. सेंथामराई गोकुलाकृष्णन ने कहा, उनकी प्रतिभा और रचनात्मकता के बावजूद, महिला उद्यमियों को प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जैसे कि धन और समर्थन की कमी, वैश्विक स्तर पर एक अर से अधिक महिलाओं को वित्तीय सेवाओं तक पहुंच नहीं है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सही संसाधनों, वित्तीय समर्थन और मार्गदर्शन प्रदान करके हम 2025 तक दस लाख महिला उद्यमियों को सशक्त बना सकते हैं। फेडरल बैंक की कार्यकारी निदेशक शालिनी वारियर ने वित्तीय चुनौतियों के बारे में बात करते हुए कहा, महिला उद्यमियों को अपने व्यवसायों को शुरू करने और बढ़ाने के लिए आवश्यक पूंजी जुटाने में अक्सर कठिनाई होती है।

राहुल और उनकी पार्टी के विचार आज भी गुलामी एवं औपनिवेशिकता की ग्रंथि से ग्रस्त: शेखावत

जयपुर, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की पूर्व राजपरिवारों पर टिप्पणी की निंदा करते हुए कहा है कि उनका भारत की समृद्ध विरासत के विषय में अज्ञान और उनकी औपनिवेशिक मानसिकता ने सभी सीमाओं को पार कर दिया है।श्री शेखावत ने गुरुवार को अपने बयान में कहा कि उनके विचारों से भारत के स्वाधीनता संघर्ष और अखंड भारत के निर्माण में राजघरानों के योगदान का बेशर्मी के साथ मजाक उड़ाया गया है जो अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि हजारों साल में सनातन पर जितने भी हमले हुए उन्हें राजस्थान के राजा-महाराजाओं ने पीढ़ियां कुर्बान करके बचाया। सनातन संस्कृति के मानबिंदुओं की रक्षा के लिए इन्होंने हमेशा बलिदान दिया। आज अगर इस देश में सनातन और हिंदुत्व जिंदा है तो उसका केवल और केवल कारण भारत के इन राजपरिवारों का बलिदान है। श्री शेखावत ने श्री राहुल गांधी के लिखे एक आलेख की निंदा करते हुए कहा कि कांग्रेस के युवराज की भारतीय इतिहास की समझ कितनी भ्रष्ट और सलेक्टिव है, यह उनके आलेख से जाहिर होता है। यह हैरानी भरा है कि जो नेता भारत जोड़ो यात्रा के जरिए अपने को भारतीय जन-गण और मन के साथ ईमानदारी से खड़ा होने का दावा करता रहा है, वह अपने देश के स्वाधीनता संघर्ष और अखंड भारत के निर्माण के ऐतिहासिक तथ्यों के बारे में किस तरह कूपमंडुकता का शिकार है।उन्होंने कहा कि श्री राहुल और उनकी पार्टी के विचार आज भी गुलामी और औपनिवेशिकता की ग्रंथि से ग्रस्त हैं जो उस भ्रष्ट इतिहास बोध को दिखाती है, जिसके तहत वे आजादी के बाद मुगलों और मुस्लिम आक्रांताओं के इतिहास को ही देश का इतिहास बताते रहे हैं। उनका आलोख उस मानसिकता को दिखाता है जो भारतीय गौरव और स्वाधीन चेतना के महाराणा प्रताप एवं वीर शिवाजी जैसे अमर नायकों को इतिहास की किताबों के साथ, लोगों की स्मृति से भी दूर करने कोशिश में जुटी रही है। उन्होंने कहा कि जो लोग कश्मीर में तिरंगा फहराने से भी डरते थे, वे आज कश्मीर की भारत के साथ एकजुटता के इतिहास को कलंकित कर रहे हैं। कश्मीर सहित एकजुट भारत का सपना भारत के पूर्व शाही परिवारों के अत्यधिक बलिदान के कारण ही संभव हो सका।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले और नफरत फैलाने वालों को भारतीय गौरव और इतिहास पर व्याख्यान देने का कोई अधिकार नहीं है। यदि श्री राहुल राष्ट्र को उन्नत करने का दावा करते हैं तो भारत माता का अपमान करना बंद करें। भारत की वीरता और संघर्ष के उन महानायकों के बारे में जानें, जिनको लेकर भारतीय मन में आज भी गहरा सम्मान है।श्री शेखावत ने जोर देकर कहा कि राहुल गांधी की टिप्पणी देश की विरासत को नजरअंदाज करने की शर्मनाक पहल तो है ही, यह हमारी विरासत का जानबूझकर किया गया अपमान भी है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन कारोबार के हिसाब से बहतर हैं लाभ होगा रुकावटें दूर होंगी । आप को अपने तरीके से ही काम करना चाहिए किसी के दिखावे मे नही आना चाहिए । छात्रों के लिए महनत का समय हैं परिणाम सकारात्मक रहेंगे अनजाने व्यक्ति से निवेश मे सलाहमशवरा करना आपके लिए आर्थिक रूप से समस्या खड़ी कर सकता है । सेवक से बहसबाजी न करें आपकी छवि धूमिल हो सकती है। सूर्य को कनेर के पुष्प से अर्घ्य दें , आय बढेगी शरीर स्वस्थ रहेगा आनंद की अनुभूति होगी।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज कार्यालय मे संयम से व्यवहार करना होगा । सरकारी कागजात को सावधानी से पढकर ही काम करना चाहिए । आज नये स्टाफ को जोखिम देने से हानि होगी । मित्रों का व्यवहार आपको पसंद नहीं आएगा आप टेंशन मे आ जाएंगे । पुराने कर्मचारियों से आप खुश होंगे। किसी भी कार्य को अन्तिम रुप देने से पहले बुजुर्गों का आशीर्वाद लेना चाहिए । अपने खराब प्रदर्शन के लिए किसी दूसरे पर आरोप मत डाले घर–परिवार को भी प्रसन्न रखें माता–पिता का आशीर्वाद मिलेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज कन्स्ट्रक्शन के कारोबार मे निवेश करें लाभदायक रहेगा । कोई नया काम शुरू कर सकते हैं, सफलता प्राप्त होगी। सामाजिक लाभ भी ठीक–ठाक रहेगा । दोस्तों के साथ घूमने का प्लान बनेगा समय बहुत मौज मस्ती मे जायेगा । एक ही लक्ष्य लेकर कार्य करने से बेहतर परिणाम मिलेंगे । कुछ घरेलू मामलों को सुलझाया जा सकता है । किसी भी तरह के नकारात्मक विचार आने से पहले ही कार्य को अन्तिम रुप देदें ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज समय का साथ मिलेगा आप सौभाग्यशाली रहेंगे । भविष्य के संबंध में कोई निर्णय लेना उचित होगा । आप का अथक परिश्रम आप को सफलता की सिढी पर ले जाएगा इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए हर्षोल्लास का समय हैं छात्र पुरस्कृत होंगे । अपने से छोटो को पहले मौका देना आप की पद और प्रतिष्ठा मे बढोत्तरी करेगा । आप को अर्थ का लाभ होगा। मंदिर मे देवमूर्ति को साष्टांग दण्डवत प्रणाम करना चाहिए और लालपुष्प की माला मूर्ति पर अर्पण करेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज के दिन की शुरुआत धरती को छूकर प्रणाम करके करें । अपने काम को अहमियत को समझना होगा और मजबूती से कदम आगे बढाना होगा । आज सबसे पहले रुके हुए काम पूरे करना चाहिए, जो काफी महत्वपूर्ण है और आप को सरकारी दण्ड से भी बचाएगा । अगर कोई बात उलझ गई हो तो , नि:संकोच बातचीत से ही उसे ठीक करें, तो यह सही होगा । आप को अपना काम बहुत ही समझदारी से करना चाहिए । अपने माता–पिता से किसी को भी बात को गुप्त नही रखना हैं । आप एक अच्छे मित्र के रूप में प्रदर्शित होंगे ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज सबसे पहले अपने घर की जरुरतों को पूरा करें तत्पश्चात अपने व्यवसाय मे निवेश करें वर्तमान सुखमय बितेगा भविष्य के लिए चिंता मुक्त होंगे । विरोधियों से सावधान रहना होगा आप के होते हुए काम बिगाडेंगे । आने वाला समय आप का होगा आप को मित्रों का पूरा समर्थक रहेगा । शिक्षा क्षेत्र मे बाधा आ सकती है। आप एक्सपर्ट के साथ संवाद कर सकते हैं। अपने लक्ष्य को सुनिश्चित करें आप के पूर्व का निवेश भविष्य को फायदा देगा ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज सदग्रन्थों का अनुसरण करें दिनचर्या मे बदलाव की जरुरत हैं । कारोबार के हिसाब से समय सकारात्मक हैं अपने स्टाफ पर भरोसा रखना होगा आप को बेफिक्री रहेगी । कामर्स के छात्रों को विशेष सफलता मिलेगी महनत का सही परिणाम आएगा । बिगडे हुए काम आने वाले समय मे बनेंगे बस आप को निरंतर प्रयास करते रहना होगा ऑफिस पर ओवर टाइम होगा । किसी से हाथ पैसा लेना पडेगा परन्तु जल्दी ही आप चुका भी देंगे । कबूतर को दाना डालें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन आप के लिए सौभाग्यशाली है। आज नया कारोबार चालू करने सही समय हैं । कुछ पुराने कामों मे दिक्कतें जरूर आ सकती हैं उस को अच्छी तरह से समझकर सुलझा लें। आज शिक्षकों को छात्रों पर महनत करनी पडेगी तभी परिणाम अच्छे आंएगे । अपने निवेश का लेखाजोखा आप को ही रखना होगा नये और अपरिचित स्टाफ पर पूरा भरोसा करना नुकसानदेह साबित होगा । आप किसी भी तरह की यात्रा का योग बन रहा हैं गुड का सेवन करके प्रस्थान करें । मित्रों के साथ लम्बी बातचीत हो सकती हैं । आज नंदी महाराज को गुड खिलाए रोगमुक्त रहेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप बैंकिंग मे कार्यरत है तो आप का पदोन्नति के साथ ट्रासफर हो सकता हैं आप के बैलेंस शिट में सुधार होगा मुनाफे के साथ स्थाई धन बढेगा । धार्मिक माहौल का आनंद मिलेगा बच्चों के स्वभाव मे अच्छे संस्कार का बदलाव देखने को मिलेगा । आज सामाजिक काम व्यस्तता रहेगी आप अपनी चतुराई से घरेलू समस्याओं को हल निकालने मे सक्षम होंगे । कुछ जातक नौकरीपेशे मे ही अपनी जीविका तलाशेंगे और रिस्क लेने से दूर ही रहेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

कपडे का व्यवसाय करने वालो के लिए समय मध्यम हैं न लाभ होगा और न हानि बनेगी । नौकरीपेशे से जुडे हुए हैं तो आप को संयम रखने की बहुत जरूरत हैं आप के भाई और बहन के रिश्तों मे कुछ अनबन हो सकती हैं परन्तु आप को अपने पर नियंत्रण रखना पडेगा और रिश्तों को सुधारते हुए साथ चलना होगा आज स्वास्थ्य दिक्कतें आ सकती हैं कमर के भाग मे कुछ तकलीफे बन सकती हैं डीनर के बाद कुछ कदम चलें हाजमा मजबूत होगा और तंदरुस्ती बरकरार रहेगी ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप लिखने का शौक रखते हैं तो आप को नये आफर मिल सकते हैं आप कोई कम्पनी के साथ अनुबंध भी कर सकते हैं आप की प्रतिष्ठा भी बढेगी । परिवार में बनी सुख शान्ति आप को बरकरार रखनी होगी । आप को सबका साथ लेकर चलना होगा । आप के बच्चे परीक्षा मे अच्छे परिणाम लाएंगे आप को गर्व का एहसास होगा । कर्ज लेने से पहले अपनी आय का स्रोत भलीभांति देखले और समझले। रोज गाय और कुत्ते को रोटी खिलाए आमदनी का जरीया बढेगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का दिन सफल बनाना है तो गाय को गेहूँ का भूसा खिलाए । छोटी कन्या के चरण छूकर आशीर्वाद ले और कुछ उपहार दें आप कर्ज मुक्त होंगे । घर की साफ सफाई मे दिन गुजरेगा । लैव मैरेज के पूरे चांस बन रहे हैं अपने मन की बात घर वालो को बताने मे आप घबराएंगे नही आत्मविश्वास पूरा जोरों पर हैं । व्यापार मे भी समय साथ रहेगा आप निडर होकर निर्णय लेंगे । रिश्तेदारी मे कोई दावत का निमंत्रण मिलेगा आप पूरे परिवार के साथ शिरकत करेंगे पूरा लुत्फ लेंगे।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 08 नवंबर 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 11:38 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा दोपहर 12:03 तक
योग : शूल प्रातः 08:27 तक
करण : गर दोपहर 12:21 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 06:17, सूर्यास्त 05:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:15 , सूर्यास्त 05:51 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 05:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 05:34 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : सहस्त्रार्जुन जयंती , कल्पादि तिथि , भद्रा रात्रि 11:57 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान विधानसभा सर्वश्रेष्ठ विधानसभा बनने की ओर अग्रसर : देवनानी

सिडनी/जयपुर, 07 नवम्बर (एजेंसियां)।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि राजस्थान विधानसभा में जन–दर्शन, सर्वदलीय बैठक, भारतीय वर्ष के अनुसार दैनन्दिनी और वार्षिक कैलेण्डर का प्रकाशन सहित कई ऐतिहासिक नवाचार किये गये है और यह नई गति, नई दिशा और नवाचारों के साथ सर्वश्रेष्ठ विधानसभा बनने की ओर अग्रसर है।

श्री देवनानी ने गुरुवार को आस्ट्रेलिया के सिडनी में आयोजित राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ के 67वें सम्मेलन के दौरान आयोजित साधारण सभा में राजस्थान विधानसभा में किये जा रहे नवाचारों की जानकारी देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि राजस्थान विधानसभा के द्वार आमजन के लिये खोल दिये गये हैं। विधानसभा में

राजनैतिक आख्यान संग्रहालय का आमजन, विद्यार्थी और शोधार्थी अवलोकन कर रहे हैं। दिन–प्रतिदिन आमजन की संख्या संग्रहालय को देखने के लिये बढती जा रही है। राजस्थान की समृद्ध संस्कृति और राजनैतिक इतिहास की देश और विदेशों में पहचान बन रही है। जन– दर्शन से राजस्थान विधान सभा की अनूठी इमारत को पर्यटकों को निकटता से निहारने का मौका मिल रहा है।

राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ की साधारण सभा में भारत के विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं के अध्यक्षों ने भारत के गौरव राष्ट्रीय ध्वज के साथ सामूहिक रूप से प्रवेश किया। विदेशी धरती पर भारत के गौरव तिरंगे को लहराकर भारत के विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं के अध्यक्षों ने गौरव की अनुभूति की। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के सम्मेलन में श्री देवनानी से सिंध विधानसभा अध्यक्ष ओवैस कादिर शाह की मुलाकात हुई। श्री देवनानी ने बताया कि इस मुलाकात में सिंध के कला, संस्कृति और इतिहास के बारे में जानकारी साझा की गई। दोनों के बीच सिंधी भाषा में संवाद हुआ। श्री कादिर शाह ने श्री देवनानी को पाकिस्तान आने का निमंत्रण भी दिया। उल्लेखनीय है कि श्री देवनानी सिंधी बहुल अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र से लगातार पांचवी बार विधायक चुने गए हैं।

उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए देश में मजबूत माहौल तैयार हो : बागडे

जयपुर, 07 नवम्बर (एजेंसियां)।

राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए देश में एक मज़बूत माहौल तैयार किया जाना चाहिए ताकि युवाओं में नए विचारों और सफलता के लिए ज़रूरी संसाधनों की समझ विकसित की जा सके।

श्री बागडे गुरूवार को पोद्दार ग्रुप आफ इन्स्टीट्यूशन तथा फेडरेशन ऑफ़ यूनिकॉर्न स्टार्ट अप्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित इनोफ़ेस्ट इंडिया 2024 में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस दृष्टि से इनोफ़ेस्ट इंडिया जैसे आयोजन महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकसित भारत 2047 की कल्पना संजोई गई है। इसकी सफलता मानव शक्ति के सुनियोजित उपयोग के साथ राष्ट्र में युवाओं द्वारा नए–नए स्टार्ट अप, उद्यमिता विकास के कार्य अधिकाधिक करने से ही संभव होगी। उन्होंने कहा कि भारत आने वाले समय में पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वर्ष 2027–28 तक भारत के पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के साथ तीसरी सबसे बड़ी जीडीपी होने का अनुमान व्यक्त किया है।

राज्यपाल ने कहा कि स्टार्ट–अप्स आज के आर्थिक परिदृश्य में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इनसे न केवल रोजगार का सृजन होता है बल्कि नए विचारों और प्रौद्योगिकीय नवाचारों के माध्यम से समाज विकास की ओर अग्रसर होता है। उन्होंने कहा कि देश आजाद होने के बाद देश में अनाज की कमी थी परंतु भारत में खाद्य आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर प्रयास हुए। आज देश अनाज का सबसे बड़ा निर्यातक है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के प्रयासों से देश में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, तकनीकी विकास के महती कार्य हुए हैं। उन्होंने बाड़मेर के गांवों में नर्मदा के पानी लाए जाने की चर्चा करते हुए कहा कि विकास में युवा सहभागी बने। उन्होंने प्राचीन भारत के ज्ञान विज्ञान की चर्चा करते हुए कहा कि नालंदा देश का ऐसा विश्वविद्यालय था जहां विश्वभर से विद्यार्थी पढ़ने आते थे। इस ज्ञान को समाप्त करने के लिए वहां के पुस्तकालय को आग लगा दी गई। उन्होंने आर्यभट्ट, नागार्जुन की चर्चा करते हुए कहा कि दशमलव की खोज भारत की है और नागार्जुन से प्रेरणा लेते हुए युवा देश को आगे बढ़ाएं।

श्री बागड़े ने कहा कि नई सोच, नये विचार और नयी ऊर्जा के साथ आगे बढ़ते हुए हमारे युवा उद्यमी देश की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने गांव और शहर का भेद मिटाते हुए देश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और उद्यमिता के विकास के लिए कार्य करने पर जोर दिया। इससे पहले पोद्दार ग्रुप आफ इन्स्टीट्यूशन के आंनद पोद्दार ने इनोफ़ेस्ट इंडिया 2024 के महत्व पर प्रकाश डाला।

डीएपी की कालाबाजारी जमाखोरी और तस्करी बर्दाश्त नहीं, होगी सख्त कार्रवाई

सोनीपत, 07 नवम्बर (एजेंसियां)।

हरियाणा के सोनीपत उपजिलाधिकारी (एसडीएम) अमित कुमार ने गुरुवार को कहा कि डीएपी खाद की कालाबाजारी, जमाखोरी और तस्करी को किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

श्री कुमार ने कहा कि जिले में डीएपी के वितरण में किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं होनी चाहिए, इसके साथ–साथ किसानों को डीएपी के साथ जबरन गेहूं बीज और अन्य कोई कीटनाशक आदि न थोपा जाए। उन्होंने कहा कि किसानों से निर्धारित कीमत से अधिक वसूलने वालों पर भी संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी। सोनीपत क्षेत्र में डीएपी की आपूर्ति को लेकर एसडीएम ने आज लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में सभी प्राईवेट डीलरों, पैक्स संचालकों, कृषि विभाग सहित खाद वितरण से जुड़ी सभी एजेंसी संचालकों के साथ बैठक की। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि डीएपी की कालाबाजारी को रोकने के लिए निरंतर खाद वितरित करने वाली दुकानों और उनके गोदामों की चैकिंग करें ताकि कहीं भी डीएपी की कालाबाजारी न हो।

राहुल की पूर्व राजपरिवारों पर टिप्पणी निंदनीय : दिया कुमारी

जयपुर, 07 नवम्बर (एजेंसियां)।

राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के पूर्व राजपरिवारों पर टिप्पणी वाले लेख की निंदा करते हुए कहा है कि इस लेख के जरिए पूर्व राजपरिवारों की छवि को धूमिल करने के प्रयास किया गया है।दिया कुमारी ने गुरुवार को अपने बयान में कहा कि राहुल गांधी ने अंग्रेज़ी और हिन्दी अखबारों में अपने लेख के माध्यम से पूर्व राजपरिवारों पर सारहीन आरोप लगाया है कि महाराजाओं को रिश्वत देकर अंग्रेजों ने भारत पर शासन किया। उन्होंने कहा कि इस लेख के जरिए पूर्व राजपरिवारों की छवि को धूमिल करने के प्रयास किया गया है जिसकी वह निंदा करती हैं। उन्होंने कहा कि एकीकृत भारत का सपना पूरा करने के लिए सभी राजपरिवारों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। राहुल गांधी को इतिहास की जानकारी नहीं है। उनके द्वारा इतिहास के तथ्यों को जाने बिना इस तरह के लेख लिखना नितान्त अनावश्यक और निंदनीय है। वह अपनी राजनीतिक छवि को चमकाने के लिए दूसरों के परिवारों पर कीचड़ उछालना बंद करें और उन्हें अपने संवैधानिक पद की मर्यादा को बनाए रखना चाहिए।

डीएपी खाद न मिलने से परेशान किसान ने कीटनाशक खाकर की आत्महत्या

हिसार, 07 नवम्बर (एजेंसियां)।

हरियाणा में हिसार जिला के उकलाना क्षेत्र में बुधवार को डीएपी न मिलने से परेशान होकर एक 35 वर्षीय किसान ने नई अनाज मंडी में कीटनाशक खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने किसान को इलाज के लिये सामान्य अस्पताल (उकलाना) में भेजा। यहां से चिकित्सकों ने बरवाला रेफर कर दिया। गुरुवार सुबह शव का हिसार के नागरिक हॉस्पिटल में पोस्टमार्टम किया गया और परिजनों को सौंप दिया गया।

जानकारी के अनुसार, रामभगत डीएपी के लिये कई दिनों से परेशान था। किसान रामभक्त डीएपी लेने के लिये उकलाना की अनाज मंडी में आया हुआ था, लेकिन यहां पर डीएपी नहीं मिल पाई। परिजनों ने आरोप लगाया है कि रामभक्त डीएपी न मिलने से परेशान था। कई दिनों से वह डीएपी लेने के लिए लगातार चक्कर काट रहा था, लेकिन खाद नहीं मिल रही थी। उन्होंने बताया कि काफी दिन पहले उसने खेत में गेंहू की बिजाई के लिए पानी लगाया था और उसे डीएपी खाद नहीं मिल रही थी, जिस कारण वह गेंहू की बिजाई नहीं कर पा रहा था। इस कारण अब उसके खेत की जमीन सूख रही थी। उन्होंने बताया कि रामभक्त की उकलाना मंडी में आढ़त है।

किसान की जेब में हुआ धमाका, पोटाश पाउडर फटने से झुलसा

फतेहाबाद, 07 नवम्बर (एजेंसियां)।

हरियाणा के फतेहाबाद अनाजमंडी में फसल को बेचने के लिए आए एक बुजुर्ग किसान की जेब में रखा पोटाश पाउडर फट गया और वह झुलस गया। जोरदार धमाके से हड़कंप मच गया। घायल बुजुर्ग किसान को नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया। उसके साथ बैठे एक युवक को भी मामूली चोट लगी है। मामले के मुताबिक राजस्थान के धांसल क्षेत्र निवासी बुजुर्ग घासीराम गुरुवार सुबह फतेहाबाद अनाज मंडी में फसल बेचने आया हुआ था। मंडी में खाली समय में उसने पास से ही लोहे की पोटाश (धमाका करने वाला यंत्र) व केमिकल गंधक और पोटाश खरीद ली।

घासीराम ने बताया कि उसने केमिकल चेक करने दोनों केमिकल मिक्स करके प्लास्टिक

की शीशी में डाल ली और एक धमाका करके देखा। सही होने पर उसने शीशी जेब में डाल ली। दोपहर को वह एक रेहड़े पर लेटा हुआ था कि अचानक उसके जेब में जोरदार धमाका हुआ। धमाका काफी तेज था, जिसे सुनकर आसपास के लोग वहां इकट्ठा हो गए। किसी को पता नहीं चला कि क्या हुआ।

घासी राम की जेब में पड़ी पोटाश–गंधक की शीशी फट चुकी थी। जिस कारण उसके कपड़े फट गए, जेब में रखा मोबाइल भी टूट गया और उसके पेट, हाथ और पैर के आसपास का हिस्सा जल गया। उसके पास रेहड़े पर एक अन्य युवक भी बैठा था, धमाके से उसके पीठ पर हल्की चोट लगी। दीपावली के दिन भी गांव काताखेड़ी में एक रसोई में धमाका हुआ था, जिससे मकान को काफी नुकसान हुआ था।

जम्मू–कश्मीर में फिर से आतंकवाद लाना चाहती है कांग्रेस : बड़ौली

चंडीगढ़, 07 नवम्बर (एजेंसियां)।

हरियाणा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुये गुरुवार को कहा कि कांग्रेस जम्मू–कश्मीर में फिर से आतंकवाद और अलगाववाद का काला दौर लाना चाहती है। श्री बड़ौली ने कहा कि जम्मू– कश्मीर विधानसभा में अनुच्छेद 370 और 35ए को फिर से लाने के नेशनल कांफ्रेंस के प्रस्ताव का समर्थन कर कांग्रेस ने देश को तोड़ने का कुचक्र फिर से चला दिया है। हाल ही में जम्मू– कश्मीर विधानसभा में अनुच्छेद 370 का बैनर दिखाये जाने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए श्री बड़ौली ने कहा कि जम्मू–कश्मीर विधानसभा में जो भी कुछ हुआ, वह पाकिस्तान और देश

विरोधी लोगों को खुश करने और जम्मू–कश्मीर की जनता को गुमराह करने के लिये किया गया। उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर विधानसभा देश की संसद और उच्चतम न्यायालय से ऊपर नहीं है। कोई भी विधानसभा अनुच्छेद 370 और 35ए को वापस नहीं ला सकती। अनुच्छेद 370 और 35ए इतिहास बन चुकी है, इस इतिहास को अब कोई बदल नहीं सकता।

राहुल गांधी का बयान घटिया, क्षत्रिय समाज से माफी मांगें गांधी: अग्रवाल

जयपुर, 07 नवम्बर (एजेंसियां)।

राजस्थान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रभारी डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के बयान को घटिया, अपमानजनक और मुर्खतापूर्ण बताते हुए कहा है कि श्री गांधी को देश के संपूर्ण क्षत्रिय समाज से माफी मांगनी चाहिए।

डॉ. अग्रवाल ने गुरुवार को यहां कहा कि श्री गांधी ने इस तरह का बयान देकर देश के मान–सम्मान और गौरव के प्रतीक राजा–महाराजाओं का अपमान किया है। राजस्थान की सभ्यता, राजस्थान की अस्मिता और राजस्थान की संस्कृति के लिए किसी राष्ट्रीय नेता द्वारा इतना अपमानजनक आचरण और अपमानजनक टिप्पणी कतई स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने कहा, क्षत्रिय समाज का यह अपमान, नहीं सहेगा राजस्थान।

डॉ. अग्रवाल ने कहा कि श्री गांधी के आलेख में कहा गया कि देश के राजपूत समाज, राजा–महाराजाओं ने अंग्रेजों की दलाली की, गुलामी की। यह पूर्णतया मूर्खतापूर्ण बयान है। जिस भारत की संस्कृति और सभ्यता की बात वर्तमान में हम कर रहे हैं, उसको बनाए रखने में, उसका संरक्षण और संवर्धन करने में इन्हीं राजपूत राजा–महाराजाओं की बहुत बड़ी भूमिका रही है। वर्तमान में जिस अखंड भारत को हम देख रहे हैं, उस भारत को अखंड बनाए रखने में इस समाज की बहुत बड़ी भूमिका है।

उन्होंने कहा कि हमने बचपन से पृथ्वीराज चौहान, महाराणा प्रताप जैसे महान योद्धाओं को पढ़ा, वे हमारे आदर्श हैं। ऐसे समाज का अपमान करने वाले श्री गांधी को मेरी स्पष्ट सलाह है कि अपने मूर्खतापूर्ण बयान को वापस लें और सार्वजनिक रूप से माफी मांगें, अन्यथा आने वाले दिनों में उनका प्रचंड विरोध किया जायेगा। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि भाजपा सातों सीटों पर बहुमत के साथ जीत दर्ज करेगी। उपचुनावों में भाजपा के अलावा अन्य किसी भी राजनीतिक दल के लोग मैदान में नजर नहीं आ रहे हैं। इन उपचुनावों में कांग्रेस का खाता भी नहीं खु–लेगा, भाजपा ऐतिहासिक रूप से उपचुनावों में 7–0 से जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि चौरासी विधानसभा में भी भाजपा बहुमत के साथ जीतेंगी। पिछले दिनों मंडल स्तर पर प्रत्येक कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा की गयी तो वहां की बदली हुई परिस्थितियां सामने आयी हैं। भील समाज के लोग अपने सांसद से बहुत नाराज हैं। वहां के सांसद ने अपनी राजनीति चमकाने के लिये संपूर्ण आदिवासी समाज को राष्ट्र विरोधी और हिन्दू विरोधी घोषित करने का काम किया है। उन्होंने यह साबित किया है कि आदिवासी समाज हिन्दू समाज नहीं है। इसको लेकर सभी में आक्रोश है, लेकिन इसका परिणाम उपचुनावों में देखने को मिलेगा।

28 हजार करोड़ के 507 एमओयू से खुलेगी शिक्षा रोजगार की राह : भजनलाल

जयपुर, 07 नवम्बर (एजेंसियां)।

राजस्थान के सामाजिक–आर्थिक विकास और जनता के हित के लिए आगामी दिसंबर में आयोजित राइजिंग राजस्थान वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन से पहले प्रदेश की शिक्षा में नवनिर्माण का मार्ग प्रशस्त करने, सकारात्मक परिवर्तन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न उद्देश्यों को साकार करने और शिक्षा के क्षेत्र में निवेश की दिशा में बुधवार को जयपुर में एजुकेशन प्री– समिट का आयोजन किया गया ।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर तथा कौशल नियोजन उद्यमिता विभाग, युवा एवं खेल विभाग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ मौजूद थे। श्री शर्मा ने कहा कि शिक्षा विकास का मुख्य आधार होती है, शिक्षा में किया गया छोटा निवेश भी बड़ा प्रभाव लाता है। वह सबसे अहम होता है। उन्होने बताया कि प्री– समिट में 28 हजार करोड़ के 507 एमओयू किए गए हैं जो शिक्षा, तकनीकी – उच्च शिक्षा, कौशल विकास एवं खेल में विकास की नई राह खोलेंगे। राजस्थान में हर क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। हालांकि हमारे पास तैयारी के लिए सीमित समय था लेकिन हम आपके सहयोग से इन पहलों को सफलतापूर्वक लागू करने में सक्षम होंगे। हम छह लाख से अधिक युवाओं को रोजगार देने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। चाहे खनन हो, स्वास्थ्य हो या ऊर्जा, सभी क्षेत्रों में समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 राजस्थान के लिए

आर्थिक विकास के एक नए युग की शुरुआत करेगा।

उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, कौशल एवं उद्यमिता विभाग तथा खेल एवं युवा मामलात के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह सम्मेलन न केवल शिक्षा क्षेत्र के भामाशाह, दानदाता और हितधारकों को एक साथ लाएगा बल्कि शिक्षा के भविष्य के विकास के लिए रणनीतियों और नवाचारों पर विचार–विमर्श का एक महत्वपूर्ण मंच भी प्रदान करेगा। इस प्री समिट का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों का इस्तेमाल, ई– लर्निंग, डिजिटल शिक्षा, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, नए शैक्षिक दृष्टिकोण, कौशल विकास की सहायता से शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाने के प्रयास, नवाचार और भविष्य की संभावनाओं के साथ–साथ शिक्षा के क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर उच्च–स्तरीय मंथन करना है। यह समिट राज्य की राजकीय शिक्षा में सुधार और उन्नति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इसके बाद शिक्षा में नवनिर्माण का नया युग प्रारंभ होना सुनिश्चित किया जाने की उम्मीद है।

इस अवसर पर डा. बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। मुझे खुशी है कि इस आयोजन का उद्देश्य आर्थिक सहयोग नहीं बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना है।

श्री दिलावर ने अपनी माटी से जुड़ने के लिए वह राजस्थान के लोगों का, निवेशकों, भामाशाहों, दानदाताओं का आभार प्रकट करते हुए शिक्षा जीवन की नींव होती है जो भी मंजिलें तय की जाएंगी, यह उनका आधार होगी। हम शिक्षा के साथ संस्कार देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कर्नल राठौड़ ने कहा कि शिक्षा डिग्री के लिए नहीं जीवन के लिए होनी चाहिए। खेल अनुशासन, आत्मविश्वास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

120 दिनों बाद नींद से जागेंगे भगवान विष्णु

जानें किस शुभ योग में शुरू होगी देवउठनी एकादशी

हिंदू धर्म में चातुर्मास के लगभग 120 दिनों में कोई भी मंगल कार्य नहीं किया जाता । ऐसी मान्यता है कि इस समय जग के पालनहार भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं और फिर देवउठनी एकादशी के दिन वो जागते हैं। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवउठनी एकादशी तिथि होती है, जब से सभी तरह से शुभ कार्य पुनः शुरू होंगे। इस साल बेहद शुभ योग देवउत्थान के दिन बन रहा है। हिंदू पंचांग के अनुसार एकादशी तिथि इस साल 11 नवंबर को शाम 6 बजकर 46 मिनट से शुरू हो रही है जो 12 नवंबर को शाम 4 बजकर 4 मिनट तक रहेगी। ऐसे में इस साल उदयातिथि को देखते हुए 12 नवंबर को ही देवउठनी एकादशी पूजा होगी। इस साल कुछ शुभ योग के निर्माण के साथ ये दिन आ रहा है।

देवउठनी एकादशी 2024 शुभ योग

देवउठनी एकादशी पर कई शुभ योग बन रहे हैं। इनमें हर्षण योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग शामिल हैं। इन योगों में की गई पूजा का विशेष महत्व होता है। हर्षण योग में पूजा करने से मन प्रसन्न रहता है और उत्साह बढ़ता है। सर्वार्थ सिद्धि योग में की गई पूजा से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। रवि योग सूर्य देव की कृपा पाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है और यह एक बहुत ही शुभ संयोग है। इस दिन की गई पूजा का फल बहुत अच्छा मिलता है।

हर्षण योग

शाम 7:10 बजे तक रहेगा।

इस योग में पूजा करने से मन में प्रसन्नता और उत्साह बढ़ता है।

सर्वार्थ सिद्धि योग

सुबह 7:52 बजे से शुरू होगा।

13 नवंबर को सुबह 5:40 बजे तक रहेगा।

इस योग में की गई पूजा सभी मनोकामनाओं को पूरा करती है।

रवि योग

देवउठनी एकादशी के पूरे दिन रहेगा।

सूर्य देव की कृपा प्राप्त होती है।

तो आप अगर किसी शुभ कार्य को करने के बारे में सोच रहे हैं तो देवउठनी एकादशी तिथि तक थोड़ा इंतजार कर सकते हैं। जब कोई शुभ कार्य किसी शुभ तिथि पर किया जाता है तो मान्यता है कि उनका फल भी शुभ मिलता है।

नवंबर 2024 में हैं शादी के इतने सारे शुभ मुहूर्त

जानें फिर कब से शुरू होंगे विवाह

देवउठनी एकादशी के दिन से एक बार फिर से विवाह के मंगल कार्यों की शुरुआत हो जाएगी। इस साल नवंबर में शादी के कुल 11 शुभ मुहूर्त हैं। चातुर्मास के बाद शादी जैसे मंगल कार्य की शुरुआत एक बार फिर होने जा रही हैं। हिंदू धर्म में तिथियों को ध्यान में रखकर ही इस तरह के मंगल कार्य किए जाते हैं। तो इस साल नवंबर के महीने में शादी के शुभ मुहूर्त कब हैं, फेरे लेने का समय क्या रहेगा, उस समय कौन सा नक्षत्र होगा और किस तिथि में विवाह संपन्न होगा ये आप पहले से ही जान लें। अगर आप चट मंगनी पट विवाह कर रहे हैं तो झटपट से ये लकी डेट्स देखकर आज ही अपनी शादी की तिथि तय कर लें।

नवंबर 2024 में शादी के शुभ मुहूर्त

देवउठनी एकादशी से नवंबर में शादी के कुल 11 शुभ मुहूर्त हैं, आप इसकी डेट और शुभ मुहूर्त भी नोट कर लें।

नवम्बर 12, 2024, मंगलवार को विवाह का शुभ मुहूर्त शाम 04:04 से 07:10 बजे का है। इस समय उत्तर भाद्रपद नक्षत्र होगा और हिंदू पंचांग के अनुसार द्वादशी तिथि होगी।

नवम्बर 13, 2024, बुधवार शुभ विवाह मुहूर्त शाम 03:26 से 09:48 बजे का रहेगा। रेवती नक्षत्र और त्रयोदशी तिथि होगी।

नवम्बर 16, 2024, शनिवार के दिन विवाह के लिए शुभ मुहूर्त रात 11:48 से शुरू होगा जो सुबह 06:45, नवम्बर 17 तक रहेगा। इस समय रोहिणी नक्षत्र होगा और तिथि द्वितीया रहेगी।

नवम्बर 17, 2024, रविवार को शुभ विवाह मुहूर्त 06 बजकर 45 मिनट से नवम्बर 18 को सुबह 06 बजकर 46 मिनट तक रहेगा। रोहिणी, मगशिरा नक्षत्र होगा और द्वितीया, तृतीया तिथि।

नवम्बर 18, 2024, सोमवार के दिन अगर विवाह करना चाहते हैं तो शुभ विवाह मुहूर्त सुबइ 06:46 से 07:56 बजे के बीच का है। इस समय मगशिरा नक्षत्र और तृतीया तिथि होगी।

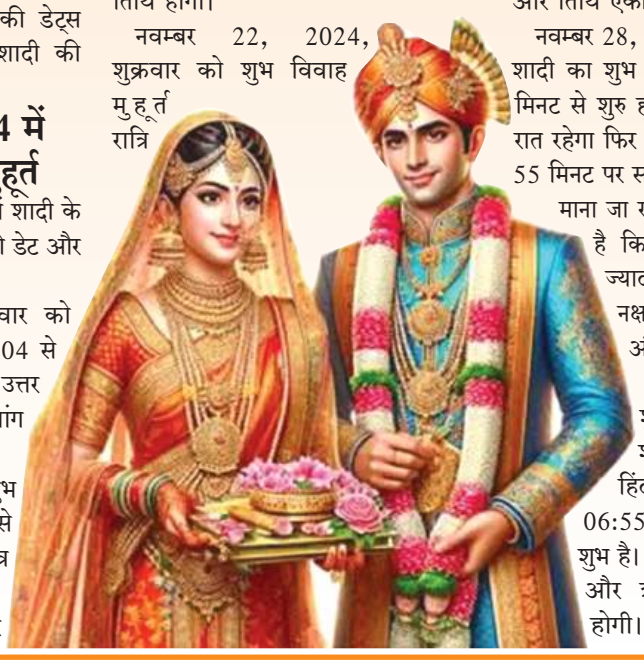

नवम्बर 22, 2024, शुक्रवार को शुभ विवाह मुहूर्त रात्रि 11:44 से सुबह 06:50 नवम्बर 23 तक रहेगा। नक्षत्र मघा और तिथि अष्टमी है।

नवम्बर 23, 2024, शनिवार में शुभ विवाह मुहूर्त प्रातः 06:50 से 11:42 बजे का है। नक्षत्र मघा और अष्टमी ही है।

नवम्बर 25, 2024, सोमवार के दिन अगर शादी प्लान कर रहे हैं तो शुभ विवाह मुहूर्त अलस सुबह 01:01 से 06:53 नवम्बर 26 का है। नक्षत्र हस्त और तिथि एकादशी है।

नवम्बर 26, 2024, मंगलवार को विवाह का शुभ मुहूर्त सुबह 06:53 से नवम्बर 27 सुबह 04:35 का है। नक्षत्र हस्त और तिथि एकादशी ही है।

नवम्बर 28, 2024, बृहस्पतिवार के दिन शादी का शुभ मुहूर्त सुबह 7 बजकर 36 मिनट से शुरु हो रहा है जो पूरा दिन और रात रहेगा फिर अगले दिन सुबह 6 बजकर 55 मिनट पर समाप्त होगा। ये दिन बेहद शुभ माना जा रहा है। ऐसे में अनुमान ये भी है कि इस दिन शादी के सबसे ज्यादा कार्यक्रम आयोजित होंगे। नक्षत्र की बात करें तो स्वाति और तिथि त्रयोदशी ही रहेगी।

नवम्बर 29, 2024, शुक्रवार को सुबह के समय शादी का सबसे शुभ मुहूर्त है। हिंदू पंचांग के अनुसार सुबह 06:55 से 08:39 का समय सबसे शुभ है। इस दौरान स्वाति नक्षत्र होगा और त्रयोदशी तिथि चल रही होगी।

आज छठ पूजा का चौथा दिन

- उगते सूर्य को दिया जाएगा अर्घ्य
- जानें सूर्योदय-सूर्यास्त का समय

8 नवंबर को कार्तिक शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि और शुक्रवार का दिन है। सप्तमी तिथि शुक्रवार रात 11 बजकर 57 मिनट तक रहेगी। 8 नवंबर को छठ पूजा का चौथा दिन है। शुक्रवार को उषा अर्घ्य दिया जाएगा। साथ ही 8 नवंबर को छठ व्रत का पारण है। शुक्रवार दोपहर 12 बजकर 3 मिनट तक सभी कार्यों में सफलता दिलाने वाला रवि योग रहेगा। साथ ही 8 नवंबर को दोपहर 12 बजकर 3 मिनट तक उत्तराषाढ़ा नक्षत्र रहेगा। आचार्य इंदु प्रकाश से जानिए शुक्रवार का पंचांग, राहुकाल, शुभ मुहूर्त और सूर्योदय-सूर्यास्त का समय।

8 नवंबर 2024 का शुभ मुहूर्त

- **कार्तिक शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि–** 8 नवंबर 2024 को रात 11 बजकर 57 मिनट तक
- **रवि योग–** 8 नवंबर 2024 को दोपहर 12:03 मिनट तक
- **उत्तराषाढ़ा नक्षत्र –** 8 नवंबर को दोपहर 12:03 मिनट तक
- **8 नवंबर 2024 व्रत-त्यौहार–** छठ पूजा का चौथा दिन (उषा अर्घ्य), छठ व्रत का पारण

सूर्योदय-सूर्यास्त का समय – सूर्योदय- सुबह 6:38
सूर्यास्त- शाम 5:30

सनातन धर्म में कितने अखाड़े हैं, जानें उनका धार्मिक महत्व और इतिहास

अखाड़े धार्मिक संस्थाओं का एक प्राचीन स्वरूप हैं जो संत-समाज को संगठित रखने और सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार में योगदान देने के उद्देश्य से स्थापित हुए। ये अखाड़े न केवल धर्म और समाज की रक्षा का कार्य करते हैं, बल्कि हिंदू धर्म के आध्यात्मिक मूल्यों और परंपराओं को जीवित रखने में भी प्रमुख भूमिका निभाते हैं। सनातन धर्म में अखाड़ों का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है।

अखाड़ों की स्थापना का इतिहास

अखाड़ों का इतिहास प्राचीन काल से जुड़ा है। इसका संबंध मुख्य रूप से उस समय से है जब धर्म की रक्षा के लिए संतों और संन्यासियों को एकजुट किया गया था। पौराणिक मान्यता के अनुसार, 8वीं शताब्दी में आदिगुरु शंकराचार्य ने अखाड़ों की स्थापना की थी। उनका उद्देश्य धर्म का संरक्षण और समाज में सद्भावना का प्रसार करना था। उस समय इन अखाड़ों का काम बाहरी आक्रमणों से धर्म और संतों की रक्षा करना भी था। प्राचीन समय में ये अखाड़े संतों और साधुओं को एकजुट करते थे, जो समाज को मार्गदर्शन प्रदान करते थे। इनके माध्यम से कई तरह के धार्मिक आयोजन किए जाते हैं और विशेष अवसरों पर, जैसे कुंभ और महाकुंभ के दौरान, इनका बड़ा महत्त्व होता है।

अखाड़ों की संख्या और उनके प्रकार

वर्तमान में 13 प्रमुख अखाड़े हैं, जो मुख्य रूप से तीन श्रेणियों में विभाजित हैं- शैव अखाड़े, वैष्णव अखाड़े और उदासी अखाड़े

शैव अखाड़े ये अखाड़े भगवान शिव की उपासना करते हैं और इनका मुख्य उद्देश्य शिव भक्ति का प्रचार करना है।

-जूना अखाड़ा
-अवधूत अखाड़ा
-अतल अखाड़ा
-आनंद अखाड़ा
-निरंजनी अखाड़ा
-महानिर्वाणी अखाड़ा

वैष्णव अखाड़े भगवान विष्णु की भक्ति में लीन ये अखाड़े उनके विचारों का प्रचार करते हैं।

-निर्मोही अखाड़ा
-निर्वाणी अखाड़ा
-दिगंबर अखाड़ा

उदासी अखाड़े उदासी संप्रदाय से जुड़े हुए हैं और संत गुरुनानक देव की शिक्षाओं पर चलते हैं।

-बड़ा उदासीन अखाड़ा
-नया उदासीन अखाड़ा

अखाड़ों के महत्त्व की बात करें तो ये अखाड़े धार्मिक शिक्षा और अनुशासन के केंद्र हैं। ये धर्म के मूल सिद्धांतों का प्रचार करते हैं और समाज में नैतिकता और ईमानदारी की भावना का विकास करते हैं। प्राचीन काल में अखाड़े समाज की रक्षा और धर्म के प्रति खतरे को दूर करने में भी सहायक थे। विशेषकर मुगल और विदेशी आक्रमणों के समय अखाड़ों ने धर्म को बचाने का कार्य किया था। कुंभ, महाकुंभ और अन्य धार्मिक पर्वों के दौरान अखाड़े संतों और श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन करते हैं। अखाड़े योग, साधना और तपस्या का प्रमुख स्थान हैं, जहां संत और संन्यासी कठिन साधनाओं का अभ्यास भी करते हैं। सनातन धर्म में अखाड़ों का महत्त्व अति महत्वपूर्ण है। इनका मुख्य उद्देश्य धर्म की रक्षा, संतों की सुरक्षा, और धार्मिक मूल्यों का प्रचार करना है। आदिगुरु शंकराचार्य के द्वारा स्थापित ये अखाड़े सदियों से सनातन धर्म और संस्कृति का संरक्षण कर रहे हैं।

इस पेड़ के नीचे खाना बनाकर खाने से मिटेंगे घर के क्लेश

हिंदू धर्म में पेड़ों को पूजनीय माना गया है। कुछ ऐसे विशेष वृक्ष हैं जिसमें दैवीय शक्तियों का वास माना जाता है। यही वजह है कि व्रत-त्योहार में देवताओं की आराधना के साथ पेड़ों की पूजा भी की जाती है।पुराणों में कार्तिक मास शुक्ल पक्ष के अक्षय नवमी पर आंवले के पेड़ की पूजा का विधान है। इस वृक्ष के नीचे भोजन बनाने और खाना खाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है, घर क्लेश दूर होते हैं। आइए जानते हैं आंवला नवमी पर आंवले के पेड़ की पूजा का महत्व और इस दिन क्या करें।

अक्षय नवमी कब ?– आंवला नवमी 10 नवंबर 2024 को है। विष्णु पुराण के अनुसार जो भी व्यक्ति इस दिन आँवला वृक्ष का धूप दीप व नैवेद्य से पूजन करते हैं उनके उपर विशेष रूप से माँ लक्ष्मी जी का कृपा दृष्टि सदा बनी रहती हैं।

आंवला पेड़ क्यों है पूजनीय– आंवले के वृक्ष में भगवान विष्णु वास करते है। सबसे पहले माँ लक्ष्मी जी नें अक्षय नवमी पर आंवला वृक्ष के नीचे अपने स्वामी भगवान विष्णु और भगवान शिव जी का पूजन व अर्चन किया था। तभी से यह व्रत प्रचलित हो गया। पुराणों में कहा गया है कि इस दिन किये गए पुण्य कार्य कभी खत्म नहीं होता है।

आंवले के पेड़ के नीचे भोजन करने के लाभ

आंवला नवमी पर आंवला वृक्ष के नीचे अनेक तरह के भोजन इत्यादि बना कर भगवान विष्णु को भोग लगाएं और फिर पकवान ग्रहण करें। मान्यता है इससे हमारे शरीर में सकारात्मक उर्जा प्राप्त होती हैं। हमारे शरीर के रोग व्याधि दुर होते हैं।

धार्मिक मान्यता अनुसार जो व्यक्ति आंवला पेड़ की छाया में भोजन बनाकर ब्राह्मण को भोजन कराकर स्वयं भी भोजन करता है, तो इससे क्लेश से मुक्ति मिलती है। मानसिक तनाव दूर होता है। साथ ही अखंड सौभाग्य, आरोग्य और सुख की प्राप्ति होती है। आंवला फल ग्रहण करने से नर नारायण सदृश हो जाते हैं, अर्थात उसमें देव गुण पूर्ण रूप से आ जाता है। इसे ग्रहण करने वालों को न सिर्फ देवता की कृपा मिलती है बल्कि ये सर्वाधिक स्वास्थ्यवर्धक और आयु बढ़ाने वाला फल है।

दूसरों की गलतियों की सजा पाते हैं ऐसे लोग, जीवन भर रहते हैं दुखी

आचार्य चाणक्य की पुस्तकों का अध्ययन अगर आप करें तो आप जीवन को गहराई से समझ पाएंगे। अगर आप दुखी हैं तो क्यों हैं, आप सुख चाहते हैं तो आपको कैसे मिलेगा आपके ऐसे हर सवाल का जवाब आपको उनकी पुस्तकों में मिल जाएगा। चाणक्य नीति में जीवन को सफल और खुशहाल बनाने की नीतियों के बारे में भी उन्होने बताया है।चाणक्य नीति में दिए एक श्लोक से आप ये बात आसानी से समझ पाएंगे।

राजा राष्ट्रकृतं पापं राज्ञः पापं पुरोहितः।
भर्ता च स्त्रीकृतं पापं शिष्यपापं गुरुस्तथा।।

इस श्लोक का अर्थ है कि राष्ट्र द्वारा किए गए पापों की जिम्मेदारी राजा पर होती है। वहीं, राजा द्वारा किए गए पापों की जिम्मेदारी राजा के पुरोहित या सलाहकारों पर होती है। इसी तरह, पति द्वारा किए गए पापों के लिए पत्नी को दोषी माना जाता है, और शिष्य के पापों के लिए गुरु को उत्तरदायी ठहराया जाता है।

इसका भावार्थ यह है कि समाज में उच्च पद पर बैठे व्यक्तियों का आचरण उनके नीचे के लोगों पर प्रभाव डालता है। अगर किसी समाज

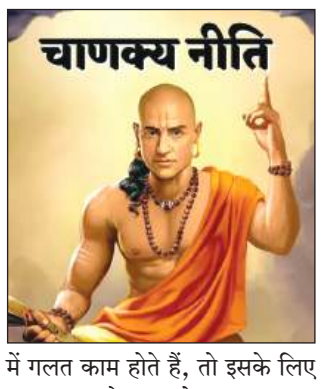

में गलत काम होते हैं, तो इसके लिए शासक और उनके सलाहकार जिम्मेदार माने जाते हैं। इसी तरह, परिवार और शिक्षा में जो लोग नेतृत्व करते हैं, उनके लिए यह अनिवार्य है कि वे अपने अधीनस्थों को सही दिशा में मार्गदर्शन करें और गलत कार्यों की रोकथाम करें। अब आधुनिक समय में जानते हैं कि वो 3 व्यक्ति कौन हैं जो जीवनभर दुखी रहते हैं और दूसरे की गलतियों की सजा पाते हैं।

पति-पत्नी एक दूसरे से अलग नहीं हैं। उन्हें एक दूसरे कि गलतियों की सजा भोगनी पड़ती है। इसलिए दोनों के लिए जरुरी है कि समझदारी बढ़ाएं और अपनी गलतियों पर ध्यान देना शुरू करें। चाणक्य नीति के अनुसार, पति गलती करता है तो पत्नी को सजा मिलती है और पत्नी की गलती की सजा उसके पति को मिलती है।

जब किसी देश की जनता कोई गलती करती है तो उसका फल हमेशा शासक को ही भोगना पड़ता है, हाल ही में हम बांग्लादेश में ये स्थिति देख चुके हैं। हालांकि शासक की जिम्मेदारी ये होती है कि जनता गलत काम ना करें और राजा या शासक अगर कोई गलती करता है तो उसकी सजा आम जनता को जरूर भोगनी पड़ती है। इसलिए कहा जाता है कि अपना राजा सूझबूझ से चुनें।

अगर कोई स्टूडेंट कुछ गलत करता है तो उसकी सजा हमेशा गुरु को ही दी जानी चाहिए क्योंकि उसका सही मार्गदर्शन करना ही गुरु का काम है। अगर गुरु गलती करता है तो उसका सजा उसके शिष्य को जीवनभर भोगनी पड़ती है। तो आप अगर जीवन में आगे बढ़ना चाहते हैं को इन गलतियों से बचें। अपने और समाज के लिए मिसाल बनें और कोशिश करें कि आपकी गलती की सजा किसी दूसरे को न भोगनी पड़े। किसी दूसरे को सही करने से पहले जरूरी है कि आप पूरी तरह से सही हों, तभी एक उज्जवल समाज का निर्माण होगा।

महाभारत में कुंती के अलावा किस किस को पता थी कर्ण की सच्चाई?

कर्ण महाभारत के पात्रों में सबसे वीर योद्धा हैं। वह पांडवों के सबसे बड़े भाई थे, लेकिन फिर भी अपने अधिकारों को पा न सकें। कुंती की कोख से जन्म लेने के बाद भी वह शूद्र पुत्र कहलाए। जीवन में कई परेशानियों को झेलने के बाद दुर्योधन जैसा साथी मिला।

दुर्योधन उनका अकेला ऐसा मित्र था, जिसको उनके शूद्र पुत्र होने से दिक्कत नहीं थी। कर्ण ने भी अपने अंतिम समय तक उससे दोस्ती निभाई।

ऐसे हुआ कर्ण का जन्म

कथा की मानें तो कुंती को दुर्वासा ऋषि से वरदान मिला था कि वह किसी भी देवता को याद कर पुत्र पा सकती हैं। कुंती ने वरदान को जांचने के लिए शादी से पहले ही सूर्य देव का स्मरण कर लिया, जिससे उनको कर्ण जैसा तेजस्वी बालक प्राप्त हुआ। विवाह के पहले पुत्र की प्राप्ति होने पर कुंति को लोकलाज का भय सताने लगा। उन्होंने कर्ण को एक बक्से में रखकर नदी में बहा दिया। अधिरथ (हस्तिनापुर के सारथी) को सुबह नदी में स्नान के दौरान कर्ण मिले, जिसकी परिवरिश उन्होंने पुत्र के रूप में की। अधिरथ की पत्नी ने कर्ण को बेटे के रूप में स्वीकार किया। उनका बहुत ही स्नेह से लालन पालन किया।

इनको भी पता था सच

कुंती ने कर्ण की सच्चाई सबसे छिपाकर रखी थी। कुंती नहीं चाहती थीं कि उनके इस राज के बारे में किसी को पता चले, लेकिन नारद ऋषि, भगवान कृष्ण और विदुर यह जानते थे। उनके अलावा भीष्ण पितामह और महाभारत ग्रंथ के रचियता वेदव्यास को इस बात की जानकारी थी।

भीष्म को कैसे लगा पता

भीष्म पितामह मृत्यु शैय्या पर लेटे थे, तब कर्ण उनसे मिलने पहुंचे। उन्होंने सच्चाई बताते हुए कहा कि उनको पता है कि वह कुंती पुत्र हैं। वह पांचों पांडवों में सबसे बड़े हैं। इस बात को जानकर कर्ण को हैरानी हुई। उन्होंने पूछा कि आपको यह कैसे पता था?

भीष्म पितामह ने कहा कि नारद ऋषि ने तुम्हारी सच्चाई बताई थी। उसके अलावा श्रीकृष्ण और द्वैपायन व्यास ने तुम्हारे जन्म के बारे में सारा सच बताया था।

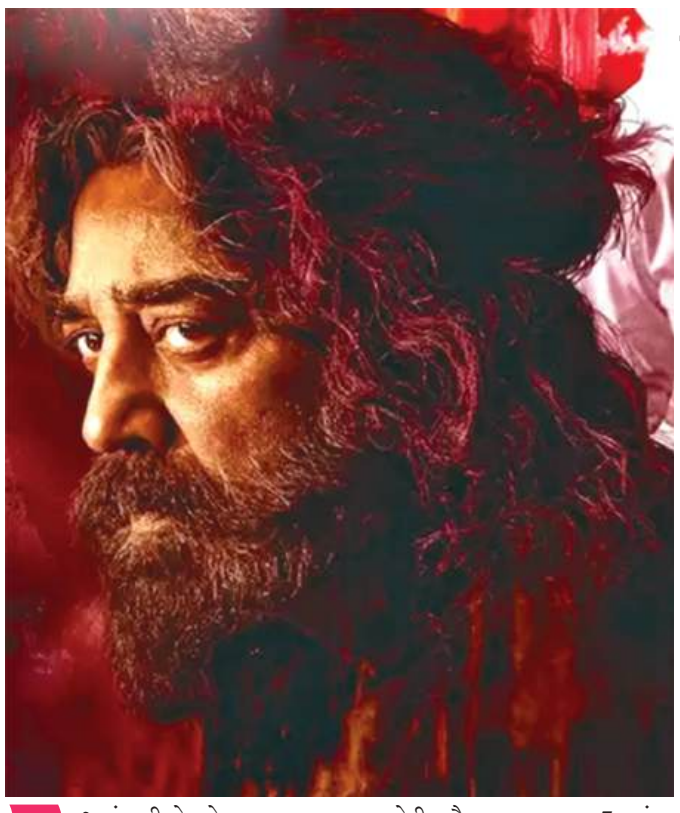

कमल हासन की ठग लाइफ है ऐसी, उधर खून से लथपथ होकर चिलम फूंकतीं अनुष्का शेट्टी

किसका खौफनाक अवतार पड़ा भारी!

साउथ इंडस्ट्री के दो सुपरस्टार अनुष्का शेट्टी और कमल हासन 7 नवंबर को अपना बर्थडे मना रहे हैं। इस मौके पर दोनों की नई फिल्म के पोस्टर्स दिखाए गए हैं और ये वाकई शानदार हैं। कमल हासन की नई फिल्म 'ठग लाइफ' की रिलीज डेट की घोषणा आखिरकार गुरुवार को उनके जन्मदिन पर कर दी गई। मेकर्स ने एक 44 सेकेंड का टीजर रिलीज किया, जो डायरेक्टर मणिरत्नम की बनाई गई है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि फिल्म 5 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ठग लाइफ' के टीजर की शुरुआत एक कार के सीन्स के साथ होती है, जो दोनों तरफ पेड़ों से घिरी एक सुनसान सड़क पर लुढ़क रही है। एक शॉट में एक आदमी को बर्फ से ढकी चादर पर दौड़ते हुए दिखाया गया है। फिर हमें दाढ़ी वाले लुक में कमल हासन दिखाई देते हैं, जो आंखों में प्रतिशोध लेकर खलनायकों से मुकाबला करते हैं। टीजर में सिलंबरासन को भी दिखाया गया है, जो एक फ्रेम में होली का जश्न मनाते हुए दिख रहा है।

कमल हासन की नई फिल्म

'ठग लाइफ' उदयनिधि स्टालिन की रेड जाइंट मूवीज, कमल हासन की राज कमल फिल्म इंटरनेशनल और मणिरत्नम की मद्रास टॉकीज ने बनाई है। 'ठग लाइफ' में कमल हासन लीड रोल में हैं। उनके साथ त्रिशा, नासर, जोजू जॉर्ज, अली फजल, ऐश्वर्या लक्ष्मी और अभिरामी जैसे कलाकार हैं।

वहीं बात करें, अनुष्का शेट्टी की फिल्म की, तो पिछले 5-6 सालों में एक्ट्रेस सिनेमा में काफी धीरे काम कर रही हैं। उनमें भी वो केवल तेलुगू और तमिल में ही काम कर रही हैं। उनके जन्मदिन पर उनकी दो फिल्में 'घाटी' (तेलुगू) और 'कथानार' (मलयालम) के मेकर्स ने भी इन फिल्मों से उनका पहला लुक रिलीज किया।

अनुष्का शेट्टी की 'घाटी'

सबसे पहले, 'घाटी' में अनुष्का खून से लथपथ और गुस्से में दिख रही हैं। वह पोस्टर में अपना गुस्सा जाहिर कर रही हैं। यूवी क्रिएशंस, राजीव रेड्डी और साई जगरलामुडी की फिल्म 'घाटी' के पोस्टर की टैगलाइन है, 'पीड़ित, अपराधी, लेजेंड।' अनुष्का 'घाटी' में काफी मजबूत वापसी कर रही हैं। वह हाल ही में रोमांटिक कॉमेडी 'मिस शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टी' का हिस्सा थीं लेकिन 'घाटी' ने उन्हें फिर से अलग रोल में डाल दिया है। 'कथानार' 9वीं शताब्दी के प्रसिद्ध ईसाई पुजारी कदमत्तथु कथानार के जीवन के बारे में है। इसमें जयसूर्या लीड रोल में हैं और प्रभु देवा और विनीत भी फिल्म में दिखाई देने वाले हैं।

अनुष्का शेट्टी : 43 की उम्र में हैं सिंगल

कई आलीशान घर और महंगी कारों का कलेक्शन, करोड़ों की मालकिन हैं देवसेना

देवसेना। ये सुनते ही एक खूबसूरत एक्ट्रेस का चेहरा आंखों के सामने आ जाता है। ये और कोई नहीं, साउथ की फेमस एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी हैं। 'बाहुबली' और 'बाहुबली 2' जैसी फिल्मों में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाने वाली अनुष्का अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ के कारण चर्चा में रहती हैं। कभी उनकी शादी को लेकर सवाल पूछे जाते हैं तो कभी सवाल उठते हैं कि 43 की उम्र में भी वो सिंगल क्यों है। आइये उनके जन्मदिन पर उनके बारे में कुछ दिलचस्प किस्से जानते हैं।

अनुष्का शेट्टी का नाम स्वीटी था। उनका जन्म 7 नवंबर 1981 को मंगलौर, कर्नाटक में हुआ। उन्होंने बेंग्लुरु में कंप्यूर एप्लीकेशंस में ग्रेजुएशन किया। वो योगा इंस्ट्रक्टर थीं। अनुष्का के पापा का नाम एएन विट्ठल और मां का नाम प्रफुल्ला है। उनके दो बड़े भाई हैं- गुणारंजन शेट्टी और साई रमेश शेट्टी। गुणारंजन बिजनेसमैन हैं और साई रमेश पेशे से डॉक्टर हैं।

अनुष्का ने पुरी जगन्नाध की फिल्म 'सुपर' से डेब्यू किया था, जिसमें वो नागार्जुन और आयशा टाकिया के साथ नजर आई थीं। इसी फिल्म की शूटिंग के दौरान पुरी जगन्नाध और नागार्जुनि ने उन्हें स्क्रीन नेम अनुष्का दिया।2005 में डेब्यू करने के बाद अनुष्का को स्टारडम मिलने लगा। वो कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ने लगीं। पर 2009 में 'अरुंधती' से वो छा गईं। फिर एसएस राजामौली की 'बाहुबली' और 'बाहुबली 2' में देवसेना का किरदार निभाकर उन्होंने इतिहास रच दिया।इन दोनों फिल्मों के बाद 2018 में वो Bhaagamathie में नजर आईं, पर ये फिल्म ज्यादा नहीं चल सकी। फिर 2019 में इूश ठरर छरीरीळाहर ठशवव्, 2020 में 'निशब्दम' में दिखीं। 2 साल बाद 2023 में उनकी चळीी डहर्शीीं ची झे-श्रळीहर्शीीं रिलीज हुई।जब 'बाहुबली' और इसका दूसरा पार्ट रिलीज हुआ, तब अनुष्का का नाम प्रभास से जोड़ा जाने लगा। दोनों की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री फैंस को बहुत पसंद आई थी और वे उन्हें रियल लाइफ में भी साथ देखना चाहते थे। पर एक्ट्रेस ने इन अटकलों पर विराम लगा दिया था।अनुष्का 43 साल की हो गई हैं। वो अभी तक सिंगल हैं। उन्होंने अभी तक शादी नहीं की। बीते दिनों खबर आई थी कि कन्नड़ फिल्म प्रोड्यूसर से उनकी सगाई हो गई है और इस साल के आखिरी तक दोनों शादी कर लेंगे। दोनों

की उम्र एक समान है, पर अभी तक प्रोड्यूसर के नाम का खुलासा नहीं हुआ और ना ही इस खबर की कोई पुष्टि हुई।अनुष्का साउथ की फेमस एक्ट्रेस हैं। उन्होंने 65 से ज्यादा तेलुगू, तमिल, हिंदी फिल्मों में काम किया है। वो साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेसेस में से एक हैं। caknowledge की रिपोर्ट के मुताबिक, अनुष्का 130 करोड़ की संपत्ति की मालकिन हैं। वो हर महीने 1 करोड़ से ज्यादा कमाती हैं। उनकी सालाना इनकम 12 करोड़ से ज्यादा है।अनुष्का का बेंगलुरु, कर्नाटक में आलीशान घर है। इसके अलावा इंडिया में कई जगहों पर रियल-एस्टेट प्रॉपर्टीज हैं। अनुष्का के पास बीएमडब्लू, ऑडी और कई कारों का काफिला है।

सोशल मीडिया पर फैन फॉलोइंग की बात करें तो इंस्टाग्राम पर 6.1 मिलियन, ट्विटर पर 1 मिलियन और फेसबुक पर 27 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

गुड्डी मारुति ने खोले 90 के दौर के कच्चे चिट्ठे

कहा- हीरो मुझे ले जाते और पर्दे के बीच से हिरोइन को दिखाते थे

बॉलीवुड इंडस्ट्री के किस्सा कहानियां, प्यार-मोहब्बत अब सोशल मीडिया पर बड़ी आसानी से सामने आ जाते हैं, लेकिन एक वक्त ऐसा था जब ये किस्से बहुत दबे-छिपे होते हैं। अब 90 के दशक की एक्ट्रेस गुड्डी मारुति ऐसे ही किस्सों का पिटारा लेकर बरसों बाद हाजिर हुई हैं।

ड्डी मारुति सिद्धार्थ कन्नन के साथ बातें करते हुए बॉलीवुड के कई ऐसे किस्सों का खुलासा किया है, जिसे कई बार अफवाहों का नाम देकर उन्हें हवा में उड़ा दिया जाता है। उन्होंने बताया कि 90 के दौर में एक्टर-एक्ट्रेस के बीच अफेयर और रिलेशनशिप की खबरें इतनी पब्लिक नहीं होती थीं जितनी अब होती हैं।

तब बंद दरवाजों के पीछे क्या-क्या होते थे

एक्ट्रेस ने बताया कि ऐसे कई किस्सों की वो गवाह हैं जो एक्टर-एक्ट्रेस के बीच फिल्मों के आउटडोर सेट पर होते थे। उन्होंने बताया कि कलाकारों के बीच के अफेयर पर्दे के पीछे होते थे। उन्होंने खुलासा किया कि तब बंद दरवाजों के पीछे क्या-क्या होते थे। उन्होंने अपने एक हालिया इंटरव्यू में बताया है कि 90 के दशक में हीरोइनें बंद दरवाजे के पीछे क्या-क्या करती थीं और क्यों उनकी माएं उनके साथ सेट पर आती थीं।

हीरो या हीरोइन का खूब अफेयर चलता था।

उन्होंने कहा, 'सेट पर लोग एक-दूसरे को लाइन मारते थे। हीरो या हीरोइन का खूब अफेयर चलता था।' हालांकि, इस बातचीत में उन्होंने किसी भी एक्टर या एक्ट्रेस का नाम नहीं लिया। किसी और के साथ इश्क लड़ा रही होती थीं। उन्होंने बताया कि बंद कमरे में क्या करती थीं हीरोइनें। गुड्डी मारुति ने इंटरव्यू में कहा, 'आज तो सब कुछ खुल्लम खुल्ला होता है, लेकिन उस समय ऐसा नहीं होता था। अगर कोई किसी के संग होता था तो वो बात चारदीवारी के पीछे तक ही रहती थी। कई एक्ट्रेस तो ऐसी भी थीं जिनका अफेयर तो किसी और के साथ होता था लेकिन वो बंद कमरे में किसी और के साथ इश्क लड़ा रही होती थीं।'

हीरो मुझे अपने साथ ले गया और कहा देख अंदर मेरी हीरोइन क्या कर रही। गुड्डी मारुति ने बताया कि तब सेट पर मौजूद एक्टर उन्हें पकड़ कर ले जाते थे और कहते, 'देख अंदर मेरी हीरोइन क्या कर रही है'। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा, 'एक बार तो उस फिल्म का हीरो मुझे अपने साथ ले गया और कहा देख अंदर मेरी हीरोइन क्या कर रही है।' गुड्डी ने बताया कि उस हीरो के साथ रियल लाइफ में उस हीरोइन का चक्कर चल रहा था, लेकिन वह कमरे में फिल्म के डायरेक्टर के साथ थी।

दरअसल हिरोइन ने हीरो को कुछ और बोला था। गुड्डी मारुति ने मजाकिया लहजे में कहा, 'हीरोइन बॉयफ्रेंड को छोड़ किसी और के साथ कमरे में थी। उन्होंने बताया कि वो डायरेक्टर के साथ रूम में थी लेकिन ऐसा नहीं था कि इश्क फरमा रहे थे। दरअसल हिरोइन ने हीरो को कुछ और बोला था कि नहीं, मैं थक गई हूं, मैं सोने जा रही हूं। सुबह की कॉल टाइम है ब्ला ब्ला। तो हीरो कहता- उधर देख, मैं बोली- तू देख। हालांकि, उन्होंने कहा कि डायरेक्टर के साथ क्या चल रहा था वो मुझे नहीं पता, पर कुछ तो चल रहा था। बेटियों की सेफ्टी के लिए उनकी मां भी सेट पर आती थीं। हालांकि अगले दिन सेट पर बम फूटता है और सारी बात सामने आ जाती है।' उन्होंने बताया कि ऐसा एक के साथ नहीं बल्कि कई एक्टर्स के साथ हुआ था। ऐसे में अपनी बेटियों की सेफ्टी के लिए उनकी मां भी सेट पर आती थीं।

लाल लाल खून और लाखों गुनाह... डेंजर हूं मैं, क्या समझ रहा है तू? शरद केलकर की मराठी फिल्म रान्टी का टीजर रिलीज

इस साल आई फिल्म किल में हिंसक दृश्य कूट-कूटकर भरे गए। एक्शन, मारधाड़ और खून-खराबे वाले दृश्यों को लेकर इसकी खूब चर्चा रही। अब इससे भी एक कदम आगे की एक फिल्म आ रही है। हालांकि, यह मराठी फिल्म है और नाम है, रान्टी। शरद केलकर अभिनीत इस फिल्म का टीजर जारी हो चुका है, जिसे संजय दत्त ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से जारी किया है।संजय दत्त ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से टीजर शेयर किया है। इसके साथ लिखा है, फिल्म रान्टी का आधिकारिक टीजर। इस दशक में रिलीज हुई यह मराठी सिनेमा की सबसे दमदार फिल्म है। टीजर में शरद केलकर एक्शन अवतार में नजर आ रहे हैं। मारधाड़ इतनी है कि सब एक-दूसरे का खून बहाते नजर आ रहे हैं।शरद केलकर ने भी फिल्म का टीजर जारी किया है और कैप्शन में लिखा है, लाल लाल खून और लाखों गुनाह... डेंजर हूं मैं, क्या समझ रहा है तू? टीजर में दिखाया गया है कि यह पातालपुर की कहानी है। जहां का सिर्फ एक ही नियम है, मारना या मर जाना। इस फिल्म का निर्देशन समित कक्कड़ ने किया है। फिल्म 22 नवंबर को रिलीज होगी।फिल्म का टीजर दर्शकों को पसंद आया है और सोशल मीडिया पर वे प्रतिक्रिया दर्ज करा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, टीजर तो धांसू है और साफ पता चल रहा है कि ये जरूर देखे जाने लायक फिल्म है। एक यूजर ने लिखा, एक्शन पैक गैंगस्टर फिल्म है। फिल्म की कहानी भी टीजर जितनी धांसू होनी चाहिए। वहीं, कुछ लोग शरद के एक्शन की तारीफ करते दिख रहे हैं।

वरुण तेज स्टारर फिल्म मटका का दूसरा सिंगल थस्सदिय्या रिलीज़

मटका का गाना थस्सदिया रिलीज़ हुआ। आगामी तेलुगु फ़िल्म मटका का दूसरा सिंगल रिलीज़ हो गया है। थस्सदिया शीर्षक वाले इस गाने को प्रतिभाशाली जीवी प्रकाश कुमार ने संगीतबद्ध किया है, जो अपने ऊर्जावान और बहुमुखी संगीत के लिए जाने जाते हैं। भास्करभटला द्वारा लिखे गए बोल पुराने ज़माने की ज़िंदगी के सार को दर्शाते हैं, जो गाने में पुरानी यादें ताज़ा कर देते हैं। मनो की भावपूर्ण आवाज़ शब्दों को जीवंत कर देती है, जिसे रो विंसेंट ईएल फ़े चोइर के शक्तिशाली कोरस द्वारा पूरक बनाया गया है।मटका के मुख्य अभिनेता वरुण तेज गाने के म्यूज़िक वीडियो में ऊर्जावान और स्टाइलिश दिख रहे हैं। उनके डांस मूव्स देखने लायक हैं, जो पूरी तरह से उत्साहित करने वाली लय के साथ तालमेल बिठाते हैं। गाने का कुल मिलाकर माहौल ताज़ा और पुरानी यादों को ताज़ा करने वाला है, जो इसे दर्शकों के बीच तुरंत हिट बना देता है। मीनाक्षी चौधरी और नोरा फ़तेही भी फ़िल्म में अभिनय कर रही हैं, जो इसके स्टार-स्टडेड कलाकारों में शामिल हैं। अन्य उल्लेखनीय अभिनेत-ाओं में नवीन चंद्रा, अजय घोष, कन्नड़ किशोर, रवींद्र विजय, पी रविशंकर और ए किशोर कुमार शामिल हैं, जो डीवीपी के रूप में कार्य करते हैं।फिल्म में मीनाक्षी चौधरी और नोरा फतेही नायिकाओं की भूमिका निभाती नजर आएंगी। नवीन चंद्रा, अजय घोष, कन्नड़ किशोर, रवींद्र विजय और पी रविशंकर फिल्म के अन्य महत्वपूर्ण कलाकार हैं, जिसका संगीत जीवी प्रकाश कुमार ने दिया है और छायांकन ए किशोर कुमार ने किया है।करुणा कुमार द्वारा निर्देशित मटका 14 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। अपने मनोरम संगीत और प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ, यह फिल्म तेलुगु सिनेमा प्रशंसकों द्वारा अत्यधिक प्रतीक्षित है।

दीपावली पर बाल विकास मंत्रालय का चौंकाने वाला बधाई संदेश

40 कुंवारी लड़कियों को मंत्रालय ने बता दिया गर्भवती

फूहड़ संदेश से पीएम के संसदीय क्षेत्र में मचा है बवाल

वाराणसी, 07 नवंबर (एजेंसियां)। वाराणसी में बाल विकास मंत्रालय ने 40 कुंवारी लड़कियों को गर्भवती बता दिया है। मंत्रालय द्वारा दीपावली पर भेजे गए बधाई संदेश से पूरे इलाके में बवाल मचा हुआ है। जिला प्रशासन से लेकर संबंधित विभाग के अधिकारी इस मसले पर टालमटोल का रवैया बनाए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में इस तरह की सरकारी हरकत पर लोग बुरी तरह नाराज हैं।

ग्राम पंचायत रमना के गांव मलहिया की 40 कुंवारी लड़कियों को प्रत्येक के नाम से बाल विकास मंत्रालय की ओर से संदेश मिला, प्रिय ... पोषण ट्रैकर में आपका स्वागत है। एक स्तनपान कराने वाली मां के रूप में आप हॉट कुक्ड मील या राशन, परामर्श, बाल स्वास्थ्य निगरानी और गृह भ्रमण के माध्यम से स्तनपान सहायता जैसी सेवाओं का लाभ आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से उठा सकती हैं।

40 कुंवारी लड़कियों को गर्भवती बताए जाने के मंत्रालय के संदेश ने मध्य वर्ग बहुल समाज में तहलका मचा दिया है। लड़कियों ने संदेश मिलने पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से पूछा, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। उल्टे लड़कियों के साथ ही बदतमीजी की गई। इसके बाद ये सभी लड़कियां ग्राम प्रधान आरती पटेल से मिलीं और उन्हें पूरा मामला बताया। ग्राम प्रधान ने डीएम को पत्र लिखकर इस पूरे मामले की जांच की मांग की है। लड़कियों ने सीडीओ से भी शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम प्रधान ने पत्र में उल्लेख किया है कि उनकी ग्राम पंचायत के गांव मलहिया में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुमनलता ने गांव में घर-घर जाकर लड़कियों को गुमराह करके उनका आधार कार्ड ले लिया। कारण पूछने पर बताया कि वोटर आईडी कार्ड से लिंक होना है। ऐसा करके गांव की करीब 40 लड़कियों का महिला एवं बाल विकास मंत्रालय में पंजीकरण कराकर छह माह से राशन घोटाला कर रही हैं। इसकी सूचना आधार कार्ड से लिंक मोबाइल नंबर पर मैसेज आने से हुई है। ग्राम प्रधान ने जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

पुष्टाहार योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को हर महीने एक किलो गेहूं का दलिया, डेढ़ किलो चना की दाल और आधा लीटर तेल दिया जाता है। फिलहाल इन लड़कियों को प्रधानमंत्री खाद्य सुरक्षा योजना के तहत राशन मिल रहा है। इस बारे में पूछे जाने पर सीडीओ हिमांशु नागपाल ने कहा, शिकायत मिली है। मामले में जांच कराई जा रही है। यह भी दिखवाया जाएगा कि जिन लड़कियों के नाम से पंजीकरण कराए गए हैं, उनके नाम से खाद्य सामग्री आवंटित हो रहा थी या नहीं। बीडीओ व विभाग के अफसरों को जांच के निर्देश दिए गए हैं।

टैक्स वसूली में स्टाम्प और पंजीयन विभाग सबसे आगे

आबकारी विभाग हुआ पीछे

लखनऊ, 07 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में घर, जमीन, फ्लैट की खरीद-बिक्री में तेजी से इजाफा हुआ है। यही कारण है कि प्रदेश में राजस्व वसूली में स्टांप विभाग राज्य कर और आबकारी से आगे निकल गया है। पिछले साल दिवाली सीजन की तुलना में इस साल जहां स्टांप विभाग ने करीब 850 करोड़ का ज्यादा राजस्व दिया, वहीं आबकारी में ये वृद्धि 400 करोड़ पर ही सिमट गई। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष स्टेट जीएसटी में भी 413 करोड़ की वृद्धि हुई है।

उत्तर प्रदेश में रियल एस्टेट सेक्टर में ग्रोथ, जमीनों पर बढ़ते निवेश और योगी सरकार की योजनाओं ने स्टाम्प और पंजीयन के राजस्व में अभूतपूर्व ग्रोथ दर्ज की है। आमतौर पर त्यौहारी सीजन में शराब की बिक्री ज्यादा होती है, जिसका असर टैक्स कलेक्शन में पड़ता है। खरीदारी ज्यादा होने से जीएसटी ज्यादा मिलता है।

वित्त विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक पहली बार अक्टूबर यानी दिवाली सीजन में राजस्व ग्रोथ के मामले में स्टांप विभाग नंबर वन रहा है। इसमें गिफ्ट डीड, रक्त संबंधों में पांच हजार में रजिस्ट्री जैसी आम लोगों से सीधी जुड़ी योजनाओं का भी असर है।

इसके अलावा जमीनों की खरीद बिक्री केवल एनसीआर और बड़े शहरों तक सीमित नहीं रह गई है। एक तरफ औद्योगिक योजनाओं की वजह से लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, मेरठ प्रयागराज, आगरा, अलीगढ़, गोरखपुर में रीयल इस्टेट बढ़ा है तो दूसरी तरफ छोटे जिलों में भी जमीनों की कीमतें बढ़ी हैं। अगस्त की समीक्षा में पिछले साल की तुलना में जीएसटी ने लगभग 800 करोड़ की ग्रोथ हासिल की थी। आबकारी ने भी 600 करोड़ ज्यादा राजस्व अर्जित किया था। स्टांप में ये ग्रोथ करीब 50 करोड़ रुपए थी लेकिन रीयल इस्टेट में विस्तार और स्टांप योजनाओं में दिए गए लाभ का असर अक्टूबर में एकाएक दिखाई दिया। त्यौहारी सीजन आते ही पिछले दिवाली सीजन के मुकाबले इस बार स्टांप व निबन्धन ने 2890 करोड़ रुपए कमाए। जबकि गत वर्ष इसी महीने 2026 करोड़ का राजस्व मिला था। इस प्रकार स्टाम्प व निबंधन मद में पिछले अक्टूबर की तुलना में इस बार 864 रुपए ज्यादा मिले। वहीं इसी अवधि में जीएसटी जैसे सबसे बड़े विभाग ने महज 413 करोड़ की ग्रोथ हासिल की। आबकारी भी 3326 करोड़ से 3767 करोड़ रुपए की ग्रोथ दर्ज कर सका। इस वित्त वर्ष में स्टाम्प व निबंधन को 35651 करोड़ रुपए का लक्ष्य दिया गया है। अभी तक 17723 करोड़ रुपए प्राप्त हो चुके हैं। टारगेट की तुलना में सालाना ग्रोथ के लिहाज से भी विभाग सबसे आगे है।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर यूपी में उत्सव की तैयारी

15 से 20 नवंबर तक लखनऊ में होगा भव्य जनजाति भागीदारी उत्सव

लखनऊ, 07 नवंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार ने भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस को जनजाति भागीदारी उत्सव के रूप में मनाने का फैसला लिया है। यह उत्सव 15 नवंबर से 20 नवंबर के बीच राजधानी में संगीत नाट्य कला अकेडमी तथा भागीदारी भवन में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में जनजातीय जीवन की झलक देखने को मिलेगी। कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से 300 से अधिक जनजातीय कलाकार प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप जनजाति भागीदारी उत्सव में देश के 22 राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उड़ीसा, सिक्किम, त्रिपुरा, असम, गुजरात, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, झारखण्ड, जम्मू-कश्मीर, बिहार, मिजोरम, मेघालय, पश्चिम बंगाल एवं दिल्ली समेत अन्य देशों के कलाकार भाग लेंगे। इसमें जनजाति कलाकार, हस्त शिल्पी, बुनकर, चित्रकार आदि शामिल हैं। वहीं स्लोवाकिया एवं क्रोएशिया अंतरराष्ट्रीय देश के कलाकार भी उत्सव में भाग लेंगे। जनजातीय कलाकारों के साथ-साथ घुमन्तु जातियों, नट, बहरूपिया एवं भपंग वादन, कच्ची घोड़ी, लॉगमैन, कठपुतली के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में आदिवासी कलाकारों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प, परिधान, व्यंजन, जनजातीय खेलों के अतिरिक्त आकर्षक शिल्प से सुसज्जित 100 दुकानों का शिल्प मेला लगाया जाएगा। जनजातीय वाद्य यंत्रों की प्रस्तुति एवं उनकी प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। जनजातीय हस्तशिल्प मेले में फोटो सेशन, लोक नृत्य, लोक कलाओं का अनूठा संगम दर्शकों के आकर्षण का केन्द्र रहेगा। विभिन्न प्रकार की रंगोली एवं झूले आदि लगाये जाने का प्रस्ताव है। जनजाति भागीदारी उत्सव के सफल आयोजन के लिए कार्यक्रम स्थल के साथ शहर के प्रमुख स्थानों पर होर्डिंग्स, बैनर, स्टैंड लगवाने एवं एलईडी वैन के जरिये व्यापक प्रचार प्रसार किया जाएगा।

महाकुंभ में प्रयागराज के रेलवे स्टेशनों पर होगा कई भाषाओं में अनाउंसमेंट

प्रयागराज, 07 नवंबर (एजेंसियां) मानवता की अमूर्त विरासत महाकुंभ 2025 प्रयागराज वासियों के लिए नई-नई सौगात लेकर आ रहा है। राष्ट्रीय और प्रादेशिक स्तर पर डबल इंजन की सरकार ने महाकुंभ को दिव्य-भव्य के साथ-साथ स्वच्छ, सुरक्षित और सुगम बनाने का लक्ष्य रखा है। इसे ध्यान में रखकर प्रयागराज रेल मंडल महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को अधिक से अधिक सुविधा देने के सभी संभव प्रयास कर रहा है। इसी क्रम में प्रयागराज रेल मंडल

महाकुंभ में पहली बार मल्टी लैंग्वेज अनाउंसमेंट करने की व्यवस्था कर रहा है। इससे देश के विविध भाषा बोलने और समझने वाले लोगों को उनकी भाषा में ट्रेनों की जानकारी आसानी से मिल सकेगी।

महाकुंभ 2025 को सुगम व सुरक्षित महाकुंभ बनाने के डबल इंजन की सरकार के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में प्रयागराज रेल मंडल कोई कसर बाकी नहीं रख रहा है। एक ओर तो रेल मंडल शहर के सभी रेलवे स्टेशनों के विस्तारीकरण व सौंदर्यीकरण के कार्य कर रहा है तो दूसरी ओर श्रद्धालुओं की यात्रा को आसान बनाने के सभी जरूरी इंतजाम किए जा रहे हैं। प्रयागराज रेल मण्डल के वरिष्ठ पीआरओ अमित मालवीय ने बताया कि महाकुंभ 2025 में पहली बार रेल मंडल मल्टी लैंग्वेज अनाउंसमेंट करेगा। इसका लाभ देश के कोने-कोने से आने वाले अलग-अलग भाषा बोलने वाले श्रद्धालुओं को मिलेगा, जिन्हें हिंदी या अंग्रेजी भाषा समक्षने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है।

वरिष्ठ पीआरओ ने बताया कि रेल मंडल शहर के सभी मुख्य स्टेशनों पर ट्रेनों की मल्टी लैंग्वेज अनाउंसमेंट की व्यवस्था कर रहा है। भारत में भाषाओं की विविधता को देखते हुए हिंदी और अंग्रेजी भाषा के साथ 10 अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में अनाउंसमेंट की जाएगी। इनमें गुजराती, मराठी, तमिल, तेलगू, मलयालम, कन्नड़, बंग्ला, असमिया, उड़िया और पंजाबी भाषाओं में अनाउंसमेंट किया जाएगा। इसके लिए रेल मंडल अलग-अलग डिवीजन से अनाउंसर बुला रहा है जो आसानी से अपनी क्षेत्रीय भाषा में अनाउंसमेंट कर सकें। उन्होंने बताया कि अनाउंसमेंट के स्पीकर स्टेशन के प्लेटफार्मों के अलावा आश्रय स्थलों में भी लगाए जाएंगे। यात्रियों को उनके गंतव्य स्थल के हिसाब से आश्रय स्थलों में रोकने की योजना है जिससे की श्रद्धालुओं को कम से कम समस्याओं का सामना करना पड़े और महाकुंभ स्नान के बाद आसानी से अपने घरों को लौट सकें।

मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करती है श्रीमद् भागवत महापुराण की कथा

प्रतापगढ़ में श्रीमद् भागवत कथा में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

प्रतापगढ़, 07 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को प्रतापगढ़ के बेलखरनाथ धाम के निकट करमाही गांव में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में शामिल हुए। सीएम योगी यहां पूर्व जल शक्ति मंत्री महेंद्र सिंह के आवास पर चल रही कथा का श्रवण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कथा व्यास जगतगुरू स्वामी श्री राघवाचार्य जी महाराज का आशीर्वाद लिया।

साथ ही उन्हें अंगवस्त्र और माला पहनाकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान डॉ. महेंद्र सिंह के पूर्वजों को पुष्प माला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। सीएम योगी ने श्रीमद् भागवत महापुराण को मोक्ष ग्रंथ बताते हुए कहा कि यह कथा मोक्ष अर्थात मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है।

कार्यक्रम में जगतगुरू स्वामी श्री राघवाचार्य जी महाराज ने मुख्यमंत्री के कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि उत्तर प्रदेश में तीर्थस्थलों के विकास और अयोध्या नगरी के संवर्धन के प्रयासों से प्रदेश को वैश्विक ख्याति प्राप्त हो रही है। मुख्यमंत्री ने श्रीमद् भागवत महापुराण कथा को सुनने के अवसर को पावन और सौभाग्यशाली बताया।

उन्होंने जगतगुरू स्वामी श्री राघवाचार्य जी का अभिनंदन करते हुए कहा कि स्वामी जी की विद्वता कथा के जरिए समाज की समसामयिक समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करती है। उन्होंने यह भी कहा कि हर व्यक्ति के लिए कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त करना ही उसकी मुक्ति का मार्ग हो सकता है।

इस अवसर पर डॉ. महेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने भी कथा व्यास जगतगुरू स्वामी श्री राघवाचार्य और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अंगवस्त्र भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में विधायक राजेंद्र कुमार मौर्य, विधायक जीत लाल पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व विधायक धीरज ओझा और भाजपा के कई अन्य पदाधिकारी सहित प्रयागराज मण्डल के एडीजी भानु भास्कर, आईजी प्रेम कुमार गौतम, मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत, जिलाधिकारी संजीव रंजन, पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार और मुख्य विकास अधिकारी डॉ. दिव्या मिश्रा सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

हिंदुओं पर हमले और हत्या से दुखी नूरी ने इस्लाम त्यागा

बहराइच, 07 नवंबर (एजेंसियां)। बहराइच में दुर्गा पूजा के दौरान मुस्लिम कट्टरपंथियों द्वारा हिंदुओं पर किए गए हमले और हिंदू युवक की हत्या से दुखी मुस्लिम युवती नूरी ने इस्लाम धर्म त्याग कर सनातन धर्म स्वीकार करने का साहस किया है। उल्लेखनीय है कि 13 सितंबर को बहराइच जिले के महाराजगंज में दुर्गा विसर्जन जुलूस पर इस्लामी कट्टरपंथियों ने हमला किया था और राम गोपाल मिश्रा की नृशंस हत्या कर दी थी।

अंबेडकर नगर जिले की रहने वाली नूरूनेहार उर्फ नूरी ने बहराइच घटना से दुखी होकर पिछले दिनों हिंदू धर्म स्वीकार कर लिया। नूरी ने कहा, मुझे ऐसे मजहब में नहीं रहना जो इंसान को इंसान न समझे। नूरी ने सीतापुर जिले के एक मंदिर में शुद्धिकरण के बाद सनातन धर्म में वापसी की है। अब वह निशा नाम से जानी जाएगी। मंदिर में ही उसे अपने प्रेमी अखिलेश के साथ फेरे भी लिए। इस शादी के मौके पर बाराती और घराती दोनों की भूमिका में राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना के सदस्य शामिल थे।

23 साल की नूरी मूल रूप से अंबेडकर नगर जिले की रहने वाली है। उसके पिता का नाम मोहम्मद खलील है। नूरी का कहना है कि बहराइच की घटना के बाद उसका मन इस्लाम से उचट गया। उसके बाद उसने इस्लाम छोड़ घर वापसी का फैसला लिया। नूरी ने अपने फैसले से अखिलेश को अवगत कराया। अखिलेश ने बहराइच हिंसा के दौरान राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना को पीड़ितों की आवाज उठाते सोशल मीडिया पर देखा था। उसने विकास हिंदू से बात की। फिर संगठन के सहयोग से शिव मंदिर में पूरे विधि-विधान के साथ दोनों ने शादी कर ली।

शुद्धिकरण के बाद नूरी और अखिलेश ने एक दूसरे के गले में जयमाला डाली। दोनों ने हवन किया और हिंदू देवी-देवताओं के जयकारे लगाए। इस मौके पर नूरी ने बहराइच हिंसा से व्यथित होकर हिंदू धर्म अपनाने की बात दोहराई। नूरी ने कहा कि हिंदू धर्म में उसको सबसे अच्छी बात ये लगी है कि इसमें कोई भेदभाव नहीं है। हर कोई एक समान है। नूरी अखिलेश के परिवार के साथ बेहद खुश है। वह महादेव शिव, मां काली और दुर्गा की पूजा भी कर रही है। नूरी ने कहा, धर्म बदलने और शादी करने के बाद से उन्हें जान से मार डालने की धमकियां मिल रही हैं।

अयोध्या के दीपोत्सव के बाद अब वाराणसी में देव दीपावली की तैयारी

वाराणसी, 07 नवंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार सनातन धर्म की आभा को पूरे विश्व में प्रसारित रही है। अयोध्या के दीपोत्सव के बाद काशी की देव दीपावली को भव्य बनाने की तैयारी की जा रही है। देव दीपावली पर संस्कृति, विरासत और परंपरा के संरक्षण के साथ ही अब आधुनिकता का समावेश भी दिखेगा। योगी सरकार काशी के ऐतिहासिक घाट की दीवार पर सनातन धर्म के अभिन्न अध्यायों का 3डी प्रोजेक्शन के जरिए चित्रण करेगी। प्रक्रिया के अंतर्गत, चेत सिंह घाट पर 3-डी प्रोजेक्शन मैपिंग लेज़र शो के माध्यम से आधे घंटे का शिव महिमा व मां गंगा के अवतरण पर आधारित शो का आयोजन

होगा । काशी में 15 नवंबर को देव दीपावली मनाई जाएगी। देव दीपावली की शाम उत्तरवाहिनी गंगा के तट के पक्के घाट से लेकर पूर्वी तट तक दीपों की रोशनी में सराबोर होंगे। इसके अलावा कुंडों, तालाबों और सरोवरों के किनारे भी दीपों की रोशनी से जगमग होंगे। काशी में जन सहभागिता सुनिश्चित करते हुए करीब 12 लाख दिये जलाये जायेंगे। श्री काशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार के सामने उस पार रेत पर ग्रीन आतिशबाजी शो का भी आयोजन होगा जो कि इको-फ्रेंडली होने के साथ ही काशी के आकाश रंग-बिरंगी रोशनी से सराबोर करने का माध्यम बनेगी।

भारत-दक्षिण अफ्रीका टी20 सीरीज के दौरान कई रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार मैचों की टी20आई सीरीज के लिए तैयार है। इस सीरीज के दौरान भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव कई रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। सूर्यकुमार ने 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ अपना टी20आई डेब्यू किया, उसके बाद उन्होंने 74 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और 169.48 की स्ट्राइक रेट से 2544 रन बनाए हैं। उनका औसत 42.40 है।

34 वर्षीय ने सबसे छोटे प्रारूप में चार शतक और 21 अर्द्धशतक लगाए हैं। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने आखिरी बार बांग्लादेश के खिलाफ टी20आई सीरीज में मेन इन ब्लू का नेतृत्व किया था, जहां उन्होंने तीन पारियों में 37.33 की औसत से 112 रन बनाए थे।

आगामी 20 ओवर की सीरीज में, सूर्यकुमार को भारत-दक्षिण अफ्रीका टी20आई में अग्रणी रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के लिए 107 रनों की आवश्यकता है। वर्तमान में, भारतीय कप्तान ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सात टी20ड्ड मैचों में 175.63 की स्ट्राइक रेट से 346 रन बनाए हैं। उन्होंने 20 ओवर के प्रारूप में प्रोटियाज के खिलाफ एक शतक और चार अर्धशतक लगाए हैं। इस बीच, डेविड मिलर 21 मैचों में 156.94 की स्ट्राइक रेट से 452 रन बनाकर शीर्ष स्थान पर हैं।

भारत-दक्षिण अफ्रीका टी20आई में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के अलावा, 34 वर्षीय सूर्यकुमार को टी20आई में सबसे तेज़ 150 छक्के लगाने का मौक़ा भी मिलेगा। 74 टी20आई मैचों और 71 पारियों में सूर्यकुमार ने 44 छक्के लगाए हैं। उन्हें यह उपलब्धि हासिल करने के लिए चार मैचों की टी20आई सीरीज़ में 6 छक्के लगाने होंगे।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच सीरीज़ 8 नवंबर को डरबन के किंग्समीड क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होगी। गकेबरहा में सेंट जॉर्ज पार्क 10 नवंबर को दूसरे टी20 मैच की मेजबानी करेगा, जबकि तीसरा मैच 13 नवंबर को सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क में होगा। श्रृंखला 15 नवंबर को वांडरर्स स्टेडियम में चौथे टी20 मैच के साथ समाप्त होगी।

न्यूज ब्रीफ

वाराणसी कबड्डी टीम को हराकर मीरजापुर प्रथम, 29वीं अन्तर जनपदीय कबड्डी जिम्नास्टिक, फेंसिंग व खो-खो प्रतियोगिता

मीरजापुर। रिजर्व पुलिस लाइन्स आजमगढ़ में आयोजित 29वीं अन्तर जनपदीय कबड्डी क्लस्टर (महिला/पुरुष) कबड्डी, जिम्नास्टिक, फेंसिंग व खो-खो प्रतियोगिता में मीरजापुर की कबड्डी टीम ने (पुरुष वर्ग) प्रथम स्थान प्राप्त किया। खो-खो एवं जिम्नास्टिक में जोन वाराणसी की तरफ से खेलकर क्रमशः तृतीय व प्रथम स्थान प्राप्त किया। रिजर्व पुलिस लाइन्स आजमगढ़ में छह नवम्बर को आयोजित 29वीं अन्तर जनपदीय कबड्डी क्लस्टर (महिला-पुरुष)कबड्डी, जिम्नास्टिक, फेंसिंग व खो-खो प्रतियोगिता में कबड्डी पुरुष वर्ग में मीरजापुर ने वाराणसी कबड्डी टीम को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया गया। जोन वाराणसी की तरफ से खेले गए खो-खो प्रतियोगिता में गोरखपुर को हराकर वाराणसी जोन को तृतीय स्थान मिला तथा जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में वाराणसी जोन ने 345 अंक पाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। पुलिस अधीक्षक मीरजापुर अभिनंदन ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

अस्मित ने की शानदार गेंदबाजी अखिल इंफ्रा ने एलडीए को हराया

लखनऊ। बाबू बनारसी दास लीग मैच के ए डिवीजन में अखिल इंफ्रा क्रिकेट क्लब ने एलडीए को सात विकेट से हरा दिया। इस मैच में अखिल इंफ्रा के गेंदबाज अस्मित मिश्रा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए मात्र 26 रन देकर पांच विकेट चटकाए। एलडीए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर के मैच में 188 रन बनाकर आल आउट हो गये। सलामी बल्लेबाज शिवम पांडेय ने 50 रन का योगदान दिया। वहीं सात्विक ने 51 रन बनाये, जबकि आदित्य पांडेय ने 26 रन का योगदान दिया। वहीं हिमांशु और अल्ताफ मात्र दो-दो रन बनाकर पवेलियन लौट गये। वहीं अखिल इंफ्रा क्रिकेट क्लब ने तीन विकेट खोकर 189 रन बना लिये और मैच को सात विकेट से जीत लिया। अपनी टीम में सर्वाधिक अजीत वर्मा ने 74 बाल पर 80 रन बनाये। वहीं सलामी बल्लेबाज शिव धीमान ने 45 रन का योगदान दिया। हर्षजीत ने 33 रन बनाये। हर्षित यादव ने 21 रन बनाया।

मुक्केबाज इमान खलीफ ने लिंग संबंधी रिपोर्ट पर की कानूनी कार्रवाई

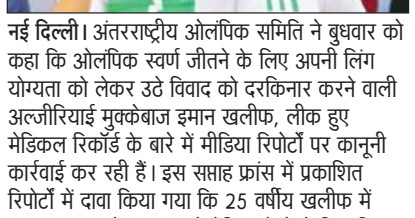

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने बुधवार को कहा कि ओलंपिक स्वर्ण जीतने के लिए अपनी लिंग योग्यता को लेकर उठे विवाद को दरकिनार करने वाली अल्जीरियाई मुक्केबाज इमान खलीफ, लीक हुए मेडिकल रिकॉर्ड के बारे में मीडिया रिपोर्टों पर कानूनी कार्रवाई कर रही हैं। इस सप्ताह फ्रांस में प्रकाशित रिपोर्टों में दावा किया गया कि 25 वर्षीय खलीफ में पुरुष गुणसूत्र हैं। अगस्त में पेरिस खेलों में लिंग विवाद तब शुरू हुआ जब खलीफ ने अपने शुरुआती मुकाबले में एंजेला कैरिनी को 46 सेकंड में हरा दिया, इतालवी खिलाड़ी बुरी तरह से नाक में चोट लगने के कारण रोने लगी और मुकाबला छोड़कर चली गई। इसके बाद विवाद पैदा हो गया, जिस पर इतालवी प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी से लेकर हैरी पॉटर की लेखिका जेके राउलिंग तक कई राजनेताओं और हस्तियों ने टिप्पणी की। आईओसी ने एक बयान में कहा, हम समझते हैं कि इमान खलीफ ने ओलंपिक खेलों पेरिस 2024 के दौरान उनकी स्थिति पर टिप्पणी करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है, और नवीनतम रिपोर्टिंग के जवाब में मुकदमा भी तैयार कर रही है। जब तक कानूनी कार्रवाई चल रही है, या असत्यापित दस्तावेजों के बारे में मीडिया रिपोर्टों पर जिनकी उत्पत्ति की पुष्टि नहीं की जा सकती है, आईओसी टिप्पणी नहीं करेगा। आईओसी ने कहा कि खलीफ ने 2021 में टोक्यो ओलंपिक और अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) विश्व चैंपियनशिप और आईबीए-स्वीकृत टूर्नामेंटों सहित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में महिला वर्ग में कई वर्षों तक भाग लिया है। आईओसी ने कहा कि वह इमान खलीफ को वर्तमान में मिल रहे दुर्व्यवहार से दुखी है। ओलंपिक जीत के बाद अल्जीरिया लौटने पर खलीफ का नायक की तरह स्वागत किया गया था।

भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे होने का जश्न शुरू

HOCKEY INDIA | 100 | INDIAN HOCKEY SINCE 1925

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)।

हॉकी इंडिया ने गुरुवार को भारतीय हॉकी की 100वीं वर्षगांठ मनाने के लिए एक भव्य, साल भर चलने वाले जश्न की शुरुआत की घोषणा की। यह शताब्दी वर्ष भारत में हॉकी के भविष्य के लिए अद्वितीय उत्कृष्टता और दूरदर्शी दृष्टिकोण की एक शताब्दी का ट्रिब्यूट है, जिसे हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के भव्य पुनः लॉन्च और महिला एचआईएल के ऐतिहासिक उद्घाटन के साथ चिह्नित किया गया है।

भारतीय हॉकी का समृद्ध इतिहास

7 नवंबर, 1925 को ऐतिहासिक शहर ग्वालियर में हॉकी के लिए एक राष्ट्रीय निकाय का आधिकारिक रूप से गठन किया गया था। इस निर्णायक क्षण ने विजय और गौरव की एक यात्रा को प्रज्वलित किया जिसने भारत को इस खेल में एक शक्तिशाली देश के रूप में मजबूती से स्थापित किया है। पिछले 99 वर्षों में भारतीय हॉकी की यात्रा वैश्विक खेलों में बेजोड़ विरासत की गाथा है, जिसमें आठ ओलंपिक स्वर्ण पदक, एक रजत और चार कांस्य पदक और एक हॉकी विश्व कप ट्रॉफी, एक रजत और एक कांस्य पदक शामिल हैं।

प्राकृतिक मैदान पर स्वर्णिम युग से लेकर कृत्रिम सतहों की आधुनिक चुनौतियों तक, भारतीय हॉकी लगातार विकसित हुई है और मजबूत होकर उभरी है, जो लचीलापन और पुनरुत्थान का प्रतीक है। पिछले एक दशक में, भारतीय हॉकी ने पुनर्जागरण का अनुभव किया है। 52 साल के इंतजार के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम के ऐतिहासिक बैक-टू-बैक ओलंपिक पदक और टोक्यो ओलंपिक में महिला हॉकी टीम का प्रभावशाली चौथा स्थान और साथ ही एफआईएच नेशंस कप जीत, इस पुनरुद्धार के प्रमाण हैं। इस स्मारकीय वर्षगांठ के साथ हॉकी इंडिया लीग की वापसी, हमारे शानदार अतीत को संरक्षित करने और आगे के रोमांचक भविष्य को अपनाने की हॉकी इंडिया की प्रतिबद्धता का एक जीवंत प्रमाण है।

हॉकी इंडिया की अभूतपूर्व पहल

भारत ने कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की सफलतापूर्वक मेजबानी की है और देश भर में अत्याधुनिक कृत्रिम टर्फ के साथ विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे का विकास किया है। हॉकी इंडिया ने सदस्य इकाई पोर्टल और ऑनलाइन खिलाड़ी पंजीकरण प्रणाली जैसी डिजिटल पहलों के साथ नवाचार को अपनाया है, जिससे देश में पेशेवर खिलाड़ियों का एक व्यापक डेटाबेस तैयार हुआ है। संरचित कोचिंग शिक्षा मार्ग भी हमारे देश से अंतरराष्ट्रीय मानकों के अधिकारियों को तैयार करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

हॉकी इंडिया ने हमेशा खेलों में लैंगिक समानता का समर्थन किया है। हम टूर्नामेंट जीतने वाली पुरुष और महिला टीमों के लिए समान पुरस्कार राशि और सभी लिंगों के लिए मानकीकृत मैच जीतने वाली फीस का गर्व से समर्थन करते हैं। हॉकी देश का एकमात्र टीम खेल है जिसमें पूर्ण वेतन समानता है।

हॉकी इंडिया लीग की वापसी का समय इस शताब्दी समारोह के लिए एक नियोजित ट्रिब्यूट है। महिला हॉकी इंडिया लीग की ऐतिहासिक शुरुआत की विशेषता वाली यह लीग बड़ी, बेहतर और बोल्ड होने वाली है। यह कदम न केवल भारत के हॉकी पुनर्जागरण को प्रदर्शित करेगा, बल्कि सभी एथलीटों को समान अवसर और मान्यता प्रदान करने के लिए हॉकी इंडिया की अटूट प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करेगा।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने इस अवसर पर कहा, जब हम भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, तो पुरुष हॉकी इंडिया लीग का फिर से शुरू होना और महिला हॉकी इंडिया लीग का उद्घाटन एक महत्वपूर्ण अवसर है। साल भर चलने वाला यह जश्न हमारी उल्लेखनीय यात्रा और हमारी चिरस्थायी विरासत का प्रमाण है। हम इन लीगों में होने वाले रोमांचक मैचों और असाधारण प्रतिभाओं को देखने के लिए उत्साहित हैं, जो उत्कृष्टता की भावना को उजागर करती हैं, जिसने एक सदी से भारतीय हॉकी को परिभाषित किया है।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह कहा, भारतीय हॉकी का शताब्दी समारोह एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है जो हमारी समृद्ध विरासत और भविष्य के लिए हमारे दृष्टिकोण को दर्शाता है। हॉकी इंडिया लीग की वापसी और महिला लीग का शुभारंभ प्रतिभा को बढ़ावा देने और खेल में समानता को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता में महत्वपूर्ण क्षण हैं। हम उच्च क्षमता वाली हॉकी के एक अविस्मरणीय वर्ष की आशा करते हैं, क्योंकि हम अपने अतीत का ट्रिब्यूट करते हैं और भारत में खेल के लिए एक उज्जवल भविष्य का निर्माण करते हैं।

यह शताब्दी समारोह भारतीय हॉकी की उत्कृष्टता की एक शताब्दी के लिए एक भव्य ट्रिब्यूट है, तथापि यह अगले सौ वर्षों के गौरव और विजय के लिए एक प्रक्षेपण मंच भी है।

केसी कार्टी ने रचा इतिहास वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को तीसरे वनडे में हराया, श्रृंखला 2-1 से जीती

ब्रिजटाउन, 7 नवंबर (एजेंसियां)।

कैरेबियाई बल्लेबाज केसी कार्टी गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय शतक बनाने वाले सिंट मार्टेन द्वीप पर जन्मे पहले वेस्टइंडीज खिलाड़ी बन गए। उन्होंने यह उपलब्धि, बारबाडोस में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय मैच में हासिल की। वेस्टइंडीज ने यह मैच आठ विकेट से जीता। इस जीत के साथ ही वेस्टइंडीज ने 3 मैचों की एकदिनी श्रृंखला 2-1 से जीत ली।

कार्टी ने 114 गेंदों पर नाबाद 128 रनों की पारी खेली, जिससे वेस्टइंडीज ने केंसिंग्टन ओवल में सात ओवर शेष रहते इंग्लैंड के 263/8 के स्कोर को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। यह कार्टी का वेस्टइंडीज के लिए 50वां अंतरराष्ट्रीय मैच था और उनका पहला शतक भी था, कार्टी ने अपनी पारी के दौरान 15 चौके और दो बड़े छक्के लगाए।

मैच में टॉस जीतने के बाद वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट (108 गेंदों पर 74 रन, 4 चौके और 1 छक्का) ने थ्री लॉयन्स को शानदार शुरुआत दिलाई। विकेटकीपर-बल्लेबाज इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। मध्य क्रम में, मेहमान टीम साझेदारी बनाने में विफल रही और स्कोरबोर्ड पर केवल 263/8 रन ही बना सकी। मैथ्यू फोर्ड ने कैरेबियाई गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई की और 35 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

रन चेज के दौरान, ब्रैंडन किंग (117 गेंदों पर 102 रन, 13 चौके और 1 छक्का) और केसी कार्टी (114 गेंदों पर 128 रन, 15 चौके और 2 छक्के) ने शानदार प्रदर्शन किया और विंडीज को आठ विकेट से जीत दिलाई। रीस टॉपली और जेमी ओवरटन ही ऐसे गेंदबाज़ थे जो इंग्लैंड के लिए विकेट लेने में कामयाब रहे।

दक्षिण भारतीय प्रतिद्वंद्वी केरला ब्लास्टर्स और हैदराबाद एफसी रोमांचक भिड़ंत के लिए तैयार

कोच्चि, 7 नवंबर (एजेंसियां)।

दक्षिण भारतीय प्रतिद्वंद्वी केरला ब्लास्टर्स और हैदराबाद एफसी आज शाम इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में रोमांचक भिड़ंत के लिए तैयार हैं। केरला ब्लास्टर्स और हैदराबाद एफसी अपने पिछले मुकाबले क्रमशः मुम्बई सिटी एफसी और मोहन बागान सुपर जायंट से हारे हैं तथा अंक तालिका में 10वें और 11वें स्थान पर हैं। लिहाजा, यह मैच दोनों टीमों के लिए खामियां दुरुस्त करने और अपने-अपने अभियान को वापस पटरी पर लाने का मौका होगा।

ब्लास्टर्स ने अपने पिछले 14 आईएसएल मैचों में प्रत्येक में गोल किया है। उनमें से आठ मुकाबलों में उन्होंने कम से कम दो बार गोल किया है। ब्लास्टर्स ने अपने पिछले 18 आईएसएल मैचों में कोई क्लीन शीट नहीं रखी है। यह लीग में संयुक्त रूप से दूसरा सबसे लंबा सिलसिला है।

अपने पिछले अवे मैच में मोहम्मडन स्पोर्टिंग पर 4-0 से जीत से हैदराबाद एफसी को अनजान परिस्थितियों में मजबूत प्रदर्शन का हौसला मिलेगा, जो कि ब्लास्टर्स के खिलाफ काम आएगा।

हैदराबाद एफसी ने घर से बाहर अपने पिछले नौ मैचों में से सात में कम से कम एक गोल खाया

है और उन सभी मैचों में हारे हैं। लिहाजा, उसे तीन अंक हासिल करने के लिए रक्षात्मक अनुशासन बनाए रखना होगा।

केरला ब्लास्टर्स एफसी के स्वीडिश हेड कोच मिकेल स्टेहरे के अनुसार, उनकी टीम को अधिक जागरूक होने और अंतिम सीटी बजने तक अपनी योजनाओं पर बने रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, हमें मुम्बई सिटी एफसी के खिलाफ मैच में बने रहना चाहिए था। हमें निर्णायक पलों से सीखना होगा। जाहिर है कि हमें खुद को फाउल, येलो और रेड कार्ड से बचना है। हैदराबाद एफसी के हेड कोच थांगबोई सिंग्टो का मानना है कि इस समय अंक तालिका में कड़ी प्रतिस्पर्धा चल रही है और इसलिए टीम को कुछ माकूल परिणामों के साथ तालिका में ऊपर आने को लेकर आशावादी रहना चाहिए।

प्रो पंजा लीग दिसंबर में करेगा मिजोरम मेगा मैचों का आयोजन

आइजोल, 7 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रो पंजा लीग ने मिजोरम के खेल मंत्री लालंगिंगलोवा हमार की मौजूदगी में दिसंबर 2024 के दूसरे भाग में पहाड़ी शहर आइजोल में भारत भर के आर्मरेसलरों की एक विस्तृत सीरीज की विशेषता वाले एक मेगा इवेंट की घोषणा की है।

मेगा मैचों की शुरुआत प्रसिद्ध मिजो आर्मरेसलर डेनिक लालरुअट्लुआंगा वांगछिया से होगी, जो एक अंतरराष्ट्रीय आर्मरेसलर के खिलाफ खेलेंगे। डेनिक ने हाल ही में एशियाई आर्मरेसलिंग कप में स्वर्ण पदक जीतकर और भारत को कजाकिस्तान के बाद उपविजेता बनाने में मदद करके सुर्खियाँ बटोरी हैं। प्रो पंजा लीग ने डेनिक को टूर्नामेंट का भारतीय खिलाड़ी भी चुना और उन्हें सम्मानित किया गया तथा 35,000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया।

लालनघिंगलोवा हमार ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हम आइजोल विंटर फेस्टिवल में प्रो पंजा लीग मेगा मैच मिजोरम संस्करण की मेजबानी कर रहे हैं। इससे हमारे बेहतरीन मिजो आर्मरेसलर्स को दुनिया के सामने लाने में मदद मिलेगी और यह मिजोरम में आर्मरेसलर्स की एक पूरी पीढ़ी को प्रेरित करेगा।

प्रो पंजा लीग के संस्थापक परवीन डबास ने

हमार को उनके समर्थन और लीग को मिजोरम में एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति देने के लिए धन्यवाद दिया।

परवीन ने कहा, यह मिजोरम में होने वाले सबसे बेहतरीन और सबसे बड़े खेल आयोजनों में से एक होने जा रहा है। हम इस अवसर के लिए आभारी हैं और हम यह सुनिश्चित करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे कि यह आयोजन एक बड़ी सफलता हो। पीपुल्स आर्मरेसलिंग फेडरेशन इंडिया (पीएएफआई) की अध्यक्ष प्रीति झंगियानी ने भी अपना उत्साह व्यक्त किया और कहा, पीपुल्स आर्मरेसलिंग फेडरेशन इंडिया एम को इस आयोजन का हिस्सा बनने पर गर्व है और हमें यकीन है कि यह यहाँ से और भी अधिक सफल होने जा रहा है। आयोजन की अंतिम तारीखें जल्द ही घोषित की जाएंगी।

डब्ल्यूबीबीएल टीम ऑफ द डिकेड के लिए 50 खिलाड़ियों की सूची में शामिल हरमनप्रीत कौर

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)।

कप्तान हरमनप्रीत कौर महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) की दशक की टीम के लिए तैयार की गई 50 खिलाड़ियों की सूची में भारत की एकमात्र खिलाड़ी हैं, जिसे गुरुवार को जारी किया गया। सूची में ऐसे क्रिकेटर शामिल हैं, जिन्होंने इस सीजन से पहले कम से कम 60 डब्ल्यूबीबीएल मैच खेले हैं। विशेषज्ञों के चयन पैनल द्वारा सार्वजनिक मतदान को ध्यान में रखते हुए सूची को 12 खिलाड़ियों तक सीमित किया जाएगा। बिग बैश ऐप पर 11-24 नवंबर के बीच सार्वजनिक मतदान खुला रहेगा।

दशक की टीम डब्ल्यूबीबीएल के 10 साल के इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों को सम्मानित करेगी।

चयन पैनल की अध्यक्षता क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के निदेशक क्ले स्मिथ कर रहे हैं, और इसमें मेल जोन्स, लिसा स्टालेकर, मैथ्यू मॉट, क्रेंटिन हल, लॉरा जॉली और एलिस्टेयर डॉब्सन भी शामिल हैं।

सार्वजनिक मतदान को समान महत्व दिया जाएगा और फिर पैनल उन वोटों की समीक्षा करेगा और अपने स्वयं के चयन के साथ मिलकर 12 खिलाड़ियों वाली टीम को अंतिम रूप देगा, जिसकी घोषणा 1 दिसंबर को डब्ल्यूबीबीएल 10 के फाइनल में की जाएगी। लीग के नियमों के अनुसार अंतिम एकादश में अधिकतम तीन विदेशी खिलाड़ी होंगे।

दशक की डब्ल्यूबीबीएल टीम के लिए शॉर्टलिस्ट किये गए 50 खिलाड़ियों की सूची-

सारा एली, सामंथा बेट्स, सूजी बेट्स (अंतरराष्ट्रीय), एलेक्स ब्लैकवेल, निकोल बोल्टन, निकोला कैरी, लॉरेन चीटल, सारा कॉयटे, हन्ना डालिंगटन, सोफी डिवाइन (अंतरराष्ट्रीय), मिग्नॉन डू प्रीज़ (अंतरराष्ट्रीय), जेस डफिन, रेने फैरेल, एशले गार्डनर, हीथर ग्राहम, निकोला हैंकॉक, ग्रेस हैरिस, लॉरा हैरिस, राचेल हेन्स, एलिसा हीली, सैमी-जो जॉनसन, जेस जोनासेन, मारिजान कप्प (अंतरराष्ट्रीय), हरमनप्रीत कौर (अंतरराष्ट्रीय), डेलिसा किमिन्स, अलाना किंग, हीथर नाइट (अंतरराष्ट्रीय), मेग लैनिंग, लिजेल ली (अंतरराष्ट्रीय), कैटियन मैक, हेले मैथ्यूज (अंतरराष्ट्रीय), ताहलिया मैकग्राथ, टेगन मैकफर्लिन, सोफी मोलिनक्स, बेथ मूनी, एलिस पेरी, रेचल प्रीस्ट (अंतरराष्ट्रीय), जॉर्जिया रेडमायने, एमी सैटरथवेट (अंतरराष्ट्रीय), मेगन शुट्ट, नताली साइवर-ब्रंट (अंतरराष्ट्रीय), मौली स्ट्रानो, एनाबेल सदरलैंड, स्टेफनी टेलर (अंतरराष्ट्रीय), डेन वैन नीकेर्क (अंतरराष्ट्रीय), एलीस विलानी, जॉर्जिया वेयरहैम, अमांडा-जेड वेलिंगटन, लौरा वोल्वार्ड्ट (अंतरराष्ट्रीय), डैनी व्याट-हॉज (अंतरराष्ट्रीय)।

संपादकीय

फेस्टिवल में चल गईं बसें

घाटे का हिमाचल पथ परिवहन निगम फेस्टिवल सीजन में कुछ आर्थिक सांसें लेने में कामयाब रहा, तो इसके मायने गंभीरता से समझने होंगे। सरकारी बसें अगर अक्तूबर में 76 करोड़ कमा सकती हैं, तो अन्य महीनों में कमर क्यों टूट रही है। दरअसल निगम अगर हिमाचली परिवहन की मांग को समझे तथा इसी के अनुरूप चले तो कमाने की व्यवस्था बन सकती है, लेकिन जिस ढर्रे और बुनियाद पर एचआरटीसी अपनी प्राथमिकताएं तय करती है, वहां घाटे के बिखराव में सारी मेहनत बेकार हो रही है। एक बस के ऊपर औसतन जितना स्टाफ व अधिकारी नियुक्त हैं, उसे देखते हुए कोई आदर्श स्थापित करना मुश्किल है। जाहिर है अक्तूबर में अंतरराज्यीय रूटों पर सरकारी बसों ने ज्यादा यात्री ढोए, लेकिन इस सेवा का पूर्ण विकल्प होता, तो कहानी गौण हो जाती। यह इसलिए कि लंबे रूटों पर भी सरकारी बसों का हुलिया बिगड़ा हुआ है। अक्तूबर की कमाई में दूर बैठे हिमाचली की उम्मीदें हैं या लौटने के रास्ते यूं भी कट जाते हैं। हर सप्ताहांत निजी छोटे वाहनों की शेयरिंग कैपेस्टी में, उपलब्ध ऐप कितनी मंजिलें उपलब्ध करा रही है, यह आधुनिक परिवहन का एक सशक्त विकल्प है। रोज निजी वोल्वो पर सवार होता हिमाचल अपने साथ पर्यटन और पर्यटक को जोड़ लेता है। इसलिए अगर अक्तूबर महीना एचआरटीसी को आशाजनक रहा, तो परिवहन की आशा हर दिन प्राइवेट बसों में क्यों बैठती है। अक्तूबर माह विभिन्न प्रदेशों को दौड़ी निजी बसों की कमाई और शुमारी ने खुद को पहली पसंद बनाए रखा तो जाहिर तौर पर, उस हिसाब में परिवहन की क्षमता का लेखा-जोखा भी तो होना चाहिए। प्रमुख पर्यटक स्थलों से निकली वोल्वो बसों ने इस बार भी दिल्ली लूटी है, तो इस प्रतिस्पर्धा में आंसू पौंछ कर कुछ नहीं मिलेगा। खास तौर पर वोल्वो बसों की सरकारी सेवा में हारतीं सीटें, सरकारी बर्ताव, रखरखाव और यात्री सुविधाओं की कमजोरी दिखाई देती है। बेशक एचआरटीसी आम हिमाचली की गाड़ी है, लेकिन पर्यटन की बढ़ती क्षमता में सरकारी बसों की हिस्सेदारी क्यों घट रही है, इसके ऊपर विचार करना होगा। अगर एचपीटीडीसी और एचआरटीसी हाथ मिलाएं तथा दोनों की क्षमता को जोड़ते हुए साझी मार्किटिंग का हुनर दिखाएं, तो पर्यटन के हर पहलू में दोनों का आर्थिक उजाला होगा। मसलन एचआरटीसी के ट्रैवल पैकेज में दिन का भ्रमण अगर परिवहन निगम सुनिश्चित करते हुए रात्रि विश्राम सरकारी होटल में कराए, तो इस युगलबंदी को छूने के लिए निजी क्षेत्र को भी मेहनत करनी होगी। एचआरटीसी के पास तमाम बस स्टैंड कल के मॉल, महापार्किंग स्थल और पर्यटन केंद्र बन सकते हैं, बशर्ते संपत्तियों के इस्तेमाल का नजरिया बदले। एचआरटीसी अपने तौर पर प्रदेश में भोजनालय श्रृंखला खड़ी करके यात्री और यात्रा के बीच एक अनूठा सामंजस्य पैदा कर सकती है। इसी तरह अंतरराज्यीय मार्गों पर अगर यात्री सुविधाएं प्रदान करने की मिलकीयत में एचआरटीसी निवेश करे, तो सरकारी बसों के साथ भरोसा बढ़ेगा। एचआरटीसी की सफलता के मानक अलग नहीं हो सकते और न ही निजी ट्रांसपोर्ट को देखे बिना यह आगे बढ़ पाएगी। प्रदेश के समूचे परिवहन क्षेत्र को उद्योग का दर्जा देकर परिवहन निगम का नेतृत्व करने के लिए जनता का विश्वास, नवाचार, ऊर्जा, यात्री संवेदना और व्यापारिक उद्देश्य अर्जित करने पड़ेंगे।

फेस्टिवल सीजन में कुछ आर्थिक सांसें लेने में कामयाब रहा, तो इसके मायने गंभीरता से समझने होंगे। सरकारी बसें अगर अक्तूबर में 76 करोड़ कमा सकती हैं, तो अन्य महीनों में कमर क्यों टूट रही है। दरअसल निगम अगर हिमाचली परिवहन की मांग को समझे तथा इसी के अनुरूप चले तो कमाने की व्यवस्था बन सकती है, लेकिन जिस ढर्रे और बुनियाद पर एचआरटीसी अपनी प्राथमिकताएं तय करती है, वहां घाटे के बिखराव में सारी मेहनत बेकार हो रही है। एक बस के ऊपर औसतन जितना स्टाफ व अधिकारी नियुक्त हैं, उसे देखते हुए कोई आदर्श स्थापित करना मुश्किल है। जाहिर है अक्तूबर में अंतरराज्यीय रूटों पर सरकारी बसों ने ज्यादा यात्री ढोए, लेकिन इस सेवा का पूर्ण विकल्प होता, तो कहानी गौण हो जाती। यह इसलिए कि लंबे रूटों पर भी सरकारी बसों का हुलिया बिगड़ा हुआ है। अक्तूबर की कमाई में दूर बैठे हिमाचली की उम्मीदें हैं या लौटने के रास्ते यूं भी कट जाते हैं। हर सप्ताहांत निजी छोटे वाहनों की शेयरिंग कैपेस्टी में, उपलब्ध ऐप कितनी मंजिलें उपलब्ध करा रही है, यह आधुनिक परिवहन का एक सशक्त विकल्प है। रोज निजी वोल्वो पर सवार होता हिमाचल अपने साथ पर्यटन और पर्यटक को जोड़ लेता है।

सामाजिक और मनोवैज्ञानिक विकास पर इसके प्रभावों के बारे में चिंताएं बढ़ रहीं

बच्चों में स्क्रीन की बढ़ती लत एक गंभीर समस्या

प्रियंका सौरभ

अत्यधिक स्क्रीन समय आमने-सामने की बातचीत को कम करता है, जिससे सामाजिक कौशल विकास में बाधा आती है। 2024 के अध्ययन में पाया गया कि प्रतिदिन 3 घंटे से अधिक स्क्रीन समय वाले बच्चों में सामाजिक जुड़ाव का स्तर कम था। स्क्रीन अक्सर पारिवारिक बातचीत की जगह ले लेती है, जिससे पारिवारिक सामंजस्य और साझा अनुभव कम हो जाते हैं। परिवारों को भोजन और बातचीत जैसी गतिविधियों पर कम समय बिताते हुए देखा जाता है, जिससे भावनात्मक जुड़ाव प्रभावित होता है

महामारी के बाद भारत में बच्चों के लिए स्क्रीन का समय काफ़ी बढ़ गया है, उनके सामाजिक और मनोवैज्ञानिक विकास पर इसके प्रभावों के बारे में चिंताएँ बढ़ रही हैं, जिससे संतुलित हस्तक्षेप की आवश्यकता है। अत्यधिक स्क्रीन समय आमने-सामने की बातचीत को कम करता है, जिससे सामाजिक कौशल विकास में बाधा आती है। 2024 के अध्ययन में पाया गया कि प्रतिदिन 3 घंटे से अधिक स्क्रीन समय वाले बच्चों में सामाजिक जुड़ाव का स्तर कम था। स्क्रीन अक्सर पारिवारिक बातचीत की जगह ले लेती है, जिससे पारिवारिक सामंजस्य और साझा अनुभव कम हो जाते हैं। परिवारों को भोजन और बातचीत जैसी गतिविधियों पर कम समय बिताते हुए देखा जाता है, जिससे भावनात्मक जुड़ाव प्रभावित होता है। डिजिटल इंटरैक्शन पर तेजी से निर्भर बच्चे व्यक्तिगत सामाजिक संकेतों और रिश्तों के साथ संघर्ष कर सकते हैं। यूनिसेफ की रिपोर्ट है कि किशोरों में उच्च स्क्रीन समय भावनात्मक विनियमन में देरी से सम्बंधित है। स्क्रीन की लत शारीरिक गतिविधियों में बिताए गए समय को सीमित करती है, जिससे गतिहीन व्यवहार होता है। स्वास्थ्य मंत्रालय की 2023 की रिपोर्ट में शहरी बच्चों में बाहरी गतिविधियों में 40% की कमी को दर्शाया गया है। स्क्रीन पर ज़्यादा समय बिताना बच्चों में चिंता और अवसाद जैसे मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों से जुड़ा हुआ है। लैंसेट चाइल्ड एंड एडोलसेंट हेल्थ (2024) ने 4 घंटे से ज़्यादा स्क्रीन पर समय बिताने वाले किशोरों में चिंता के लक्षणों में 15% की वृद्धि पाई। तेज़ गति वाली डिजिटल सामग्री के लंबे समय तक संपर्क में रहने से ध्यान अवधि और एकाग्रता के स्तर में कमी आ सकती है। एम्स दिल्ली (2023) द्वारा किए गए अध्ययन बच्चों में अत्यधिक स्क्रीन उपयोग को एडीएचडी जैसे लक्षणों से जोड़ते हैं। स्क्रीन लाइट के संपर्क में आने से नींद के चक्र प्रभावित होते हैं, जिससे नींद पूरी नहीं होती और संज्ञानात्मक कार्य कम होता है। इंडियन जर्नल ऑफ़ पीडियाट्रिक्स द्वारा 2023 में किए गए एक अध्ययन में बताया

गया कि सोने से पहले स्क्रीन का उपयोग करने वाले 60% बच्चों की नींद का पैटर्न गड़बड़ा गया था। सोशल मीडिया का उपयोग अक्सर आत्म-सम्मान को प्रभावित करता है, खासकर किशोरों में, अवास्तविक तुलना और साइबरबुलिंग के कारण। भारतीय किशोर अत्यधिक सोशल मीडिया एक्सपोजर से आत्म-सम्मान सम्बंधी समस्याओं का अनुभव करते हैं। स्कूल जाने वाले बच्चों के माता-पिता के लिए यह महत्त्वपूर्ण है कि वे तकनीक के इस्तेमाल के मामले में सीमाएँ तय करें। यहाँ एक विशेषज्ञ गाइड है जो आपको बताती है कि कैसे स्क्रीन की लत में पदार्थों के समान ही तंत्र होता है, जो डोपामाइन में समान वृद्धि पैदा करता है। स्क्रीन के उपयोग में लगातार वृद्धि के साथ, मस्तिष्क के सर्किट अनुकूल हो जाते हैं और डोपामाइन के प्रति कम संवेदनशील हो जाते हैं। नतीजतन, आप जो देखते हैं वह समान आनंद का अनुभव करने के लिए अधिक उपभोग करने की बढ़ती आवश्यकता है। एक आम ग़लतफ़हमी यह है कि लत एक विकल्प या नैतिक समस्या है। सच्चाई इससे ज़्यादा दूर हो ही नहीं सकती। एक निश्चित बिंदु के बाद, लत एक जैविक समस्या बन जाती है जिसका शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। माता-पिता के लिए हस्तक्षेप करने, सही व्यवहार का मॉडल बनाने और अपने बच्चों को जीवन कौशल के रूप में स्क्रीन प्रबंधन सिखाने की स्पष्ट आवश्यकता है। माता-पिता को बच्चों के स्क्रीन टाइम को प्रबंधित करने और स्वस्थ आदतों को बढ़ावा देने के लिए उपकरणों से लैस करें। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स ने माता-पिता के लिए डिजिटल प्रबंधन पर कार्यशालाओं की सिफ़ारिश की है। कम उम्र से ही स्क्रीन का जिम्मेदाराना उपयोग सिखाने के लिए पाठ्यक्रम में डिजिटल वेलबीइंग को शामिल करें। दिल्ली सरकार ने चुनिंदा स्कूलों में डिजिटल साक्षरता सत्र शुरू किए हैं। आयु के आधार पर आधिकारिक स्क्रीन टाइम दिशा-निर्देश विकसित करें और सार्वजनिक अभियानों के माध्यम से उनका प्रचार करें। WHO दिशा-निर्देश विकासात्मक चरणों के आधार पर स्क्रीन टाइम प्रतिबंधों का सुझाव देते हैं। स्वस्थ सामाजिक संपर्क के साथ डिजिटल उपभोग को संतुलित करने के लिए बाहरी और समूह गतिविधियों को प्रोत्साहित करें। खेलो इंडिया पहल बच्चों में शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देती है, जिससे स्क्रीन टाइम में अप्रत्यक्ष रूप से कमी आती है। स्कूलों और समुदायों में तकनीक-मुक्त क्षेत्रों और डिजिटल डिटॉक्स कार्यक्रमों के विकास को प्रोत्साहित करें। कुछ स्कूलों ने बच्चों को गैर-डिजिटल गतिविधियों में शामिल होने में मदद करने के लिए "स्क्रीन-फ्री डेज़" शुरू किए हैं। स्क्रीन टाइम के प्रभावी प्रबंधन के लिए परिवारों, शिक्षकों और नीति निर्माताओं को शामिल करते हुए बहु-हितधारक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। अगली पीढ़ी के समग्र विकास के लिए संतुलित डिजिटल वातावरण सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण होगा, जिससे एक लचीले और समग्र समाज का निर्माण होगा। स्क्रीन की लत एक वास्तविक समस्या है जो महामारी के कारण और भी बढ़ गई है और वयस्कों और बच्चों दोनों को प्रभावित कर रही है। माता-पिता को अपने बच्चे के स्क्रीन उपयोग के पैटर्न के प्रति सतर्क, सक्रिय और संलग्न रहने की आवश्यकता है। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म की खोज करना और अपने बच्चे की दुनिया के बारे में जानकारी रखना आपको अपनी आशंकाओं के बारे में उनसे बात करने के लिए बेहतर भाषा दे सकता है।

दृष्टि कोण

जड़ भी चेतन है...

विज्ञान ने सिद्ध कर दिया है कि इलैक्ट्रॉन, न्यूट्रॉन और प्रोटोन की शक्ति के बिना किसी भी वस्तु का निर्माण संभव नहीं है। थोड़ा और आगे बढ़ें तो हम पाते हैं कि प्रोटोन के बिना कोई भी वस्तु रूप-रंग, आकार-प्रकार धारण नहीं कर सकती, भौतिक रूप से प्रकट ही नहीं हो सकती। हम जानते हैं कि प्रत्येक वस्तु और प्राणी की तीन अवस्थाएं हैं : निर्माण, स्थिति और विनाश। स्थिति में परिवर्तन होता है। यदि परिवर्तन न हो तो उसका विनाश संभव नहीं। यदि विध्वंस न हो तो आविर्भूत वस्तु में परिवर्तन नहीं हो सकता, रूपांतरण भी नहीं हो सकता। भौतिक रूप में प्रकट होते ही हम परिवर्तित होने लगते हैं, हम में रूपांतरण होने लगता है और हम नाश की ओर बढने लगते हैं। परिवर्तन महत्वपूर्ण है। यदि कोई भी एक स्थिति बराबर बनी रहेगी और उसमें परिवर्तन नहीं होगा तो प्रकृति में विकृति उत्पन्न हो जाएगी, सृष्टि की मर्यादा भंग होने लगेगी। विकृति उत्पन्न न हो और सृष्टि की मर्यादा भी न भंग हो, इसके लिए परिवर्तन और विध्वंस आवश्यक है। अस्तित्व अपने आपको तीन रूपों में अभिव्यक्त कर रहा है। अस्तित्व की अभिव्यक्ति इलैक्ट्रॉन, न्यूट्रॉन और प्रोटोन के योग से है। इस ब्रह्मांड की हर वस्तु, हर प्राणी और खुद हम भी अगर इलैक्ट्रॉन, न्यूट्रॉन और प्रोटोन के योग से ही बने हैं तो फिर फर्क कहां है? और अगर फर्क है ही नहीं तो किसी भी वस्तु या प्राणी से उपेक्षा कैसे हो सकती है, नफरत कैसे हो सकती है? यही कारण है कि पूजा सिर्फ तभी पूजा है जब हम प्रेममय हो जाते हैं, देश, धर्म, जाति, लिंग, क्षेत्र की बात छोडक़र हर व्यक्ति से प्रेम करने लगते हैं, बिना कारण प्रेम करने लगते हैं, और व्यक्ति से ही नहीं, हर वस्तु से प्रेम करने लगते हैं, हर जड़-चेतन जीवन का सम्मान करने लगते हैं, बिना कारण, बिना लालच, बिना किसी डर के। यह जीवनशैली अपना लें तो मन हमेशा प्रसन्न-प्रफुल्लित रहता है। जब हम प्रेममय हो जाते हैं तो शिकायतें खत्म हो जाती हैं, किसी बात का गिला नहीं रह जाता, क्रोध नहीं रह जाता, पछतावा नहीं रह जाता, इन सब की जगह कृतज्ञता का भाव आ जाता है, समर्पण का भाव आ जाता है, सेवा का भाव आ जाता है। इस तरह हम अध्यात्म की कई सीढियां चढ़ जाते हैं। हम आध्यात्मिक होते हैं तो ब्रह्मांड से जुड़ जाते हैं, परमात्मा से जुड़ जाते हैं। हम अगर जड़ और चेतन की बात करें तो एक आधारभूत बात को समझे बिना हम सत्य तक नहीं पहुंच सकते। इस सृष्टि में हम मानवों के अलावा पशु-पक्षी, कीट-पतंग, जलचर जीव, पेड़-पौधे आदि भी हैं और हम सब इन्हें 'जीवित प्राणी' मानते हैं, पेड़-पौधों तक को हम जीवित मानते और जानते हैं। अब जरा आगे सोचिए। एक पेड़ तो जीवित है, लेकिन अगर हमने उसकी कोई शाख काट ली, तो हमारी नजरों में वह जीवित पेड़ के बजाय मृत लकड़ी बन गई। पेड़ पर थी, तो जीवित थी, पेड़ से कट कर लकड़ी रह गई तो मृत हो गई। हम ऐसा ही मानते हैं, और इस तथ्य के बावजूद मानते हैं कि कोई भी पदार्थ इलैक्ट्रॉन, न्यूट्रॉन और प्रोटोन के बिना बन ही नहीं सकता। इस ब्रह्मांड में हमें दिखने वाली हर चीज, जीवित या मृत, इन तीनों में से कम से कम किसी एक का रूप है या वह इनके संयोग से बनी है। विज्ञान हमें यह भी बताता है कि हर अणु अंततः 'ऊर्जा' ही है, एनर्जी ही है। यह ऊर्जा सदैव गतिमान है। पत्थर हो, लकड़ी हो, मिट्टी हो, सब में ऊर्जा है और यह ऊर्जा सदैव गतिमान है, सदैव गति में है। माइक्रोस्कोप की सहायता से हम इन अणुओं की गति देख सकते हैं। अगर पत्थर में, लकड़ी में, मिट्टी में अणु हैं तो उनमें गति है, यानी, जीवन है, यानी, जड़ भी असल में जड़ नहीं है, 'चेतन' है। यही कारण है कि 'सहज संन्यास मिशन' बार-बार इस बात पर जोर देता है कि चूंकि इस ब्रह्मांड की हर वस्तु, हर प्राणी और खुद हम भी इलैक्ट्रॉन, न्यूट्रॉन और प्रोटोन के योग से ही बने हैं तो फिर कहीं भी कोई भी फर्क नहीं है, और अगर फर्क है ही नहीं तो किसी भी वस्तु या प्राणी से उपेक्षा कैसे हो सकती है, नफरत कैसे हो सकती है? भेदभाव खत्म, नफरत खत्म, ऊंच-नीच की भावना खत्म तो हम प्रेममय हो जाते हैं, देश, धर्म, जाति, लिंग, क्षेत्र की बात छोडक़र हर व्यक्ति से प्रेम करने लगते हैं, बिना कारण प्रेम करने लगते हैं, और व्यक्ति से ही नहीं, हर वस्तु से प्रेम करने लगते हैं, हर जड़-चेतन जीवन का सम्मान करने लगते हैं, बिना कारण, बिना लालच, निरुद्देश्य। यह प्रेम वैसा ही है जैसा एक मां अपने बच्चों से करती है, उनकी कमियों, गलतियों और अपराधों के बावजूद निश्छल प्रेम – ममतामयी दयालुता, लविंग काइंडनेस। सहज संन्यास मिशन के अनुगामी के रूप में हम सबका मानना है कि दुनिया माया नहीं है, जीवन सपना नहीं है। हम जीवित हैं, हमें एक शरीर मिला है और हम इस दुनिया में हैं, तो यह भी एक सच है, और इसे झुठलाया नहीं जाना चाहिए। दुनिया में रहकर दुनिया वालों से प्रेम करना, उनकी सेवा करना हमारा उद्देश्य होना चाहिए। आध्यात्मिकता का अर्थ है कि हम सबके प्रति दया का भाव रखें, प्रेम का भाव रखें, जहां तक संभव हो, निस्वार्थ भाव से सहायता करें। हम खुद को बदलें, हमारे अंदर के परिवर्तन से ही सब कुछ बदलेगा। हमारा नजरिया बदलेगा तो हम बदलेंगे। हम बदलेंगे तो परिवार बदलेगा, समाज बदलेगा, देश बदलेगा, दुनिया बदलेगी। जब तक हम खुद नहीं बदलेंगी, हमारी दुनिया नहीं बदलेगी। हमारे संपर्क में आने वाले लोग हमारी दुनिया हैं। हम बदल जाएंगे तो शायद हम उन लोगों में बदलाव ला सकेंगे जो हमारे संपर्क में आते हैं। हम ही नहीं बदले तो बाकी सब बदल भी जाए तो भी हमारे लिए वह बदलाव अर्थहीन ही रहेगा। मार्केटिंग के इस युग में आध्यात्मिकता भी बिक रही है।

कुछ अलग

नए मौसम का नया मिजाज

कल जो हमारे कातिल थे, आज हमारे साथ हुए अपराधों की सजा सुनाने के लिए न्याय का हथौड़ा पीट रहे हैं। उनकी आंखों का रंग बदल गया है। कल तक उनसे खून बरस रहा था, वे रक्तवर्णी हो रही थीं, आज उनसे शांति के पैगाम आ रहे हैं, मानवधर्मी सफेद पताकाएं फहरा रही हैं। शांति कपोतों का मोल बढ़ गया। अपने दोनों हाथों से उन्हें किसी मंच से उड़ाओगे, तो उस मंच की अभ्यर्थना कर रही हजारों की भीड़ गदगद हो जाएगी। लोग लिबास बदलने की तरह अपने मूल्य और आदर्श बदल रहे हैं। इनसानों की बस्तियां जलाने वाले लोग अब फायर ब्रिगेड के जांबाज कर्मचारी बन आग पर पानी की बौछार करते नजर आते हैं। अरे यही तो थे जो कल इस जलती हुई आग पर तेल डालने का काम कर रहे थे, और इसे अपना पुण्य कर्म बता रहे थे। अमानवीयता का सैलाब गुजर गया। पीछे घोंघे, पत्थर, कूड़ा-कर्कट ही नहीं छोड़ गया, कुछ सरकटी लाशें भी छोड़ गया। अजब मंजर था वह। लोग तिरंगे फहरा कर, भारत माता की जय चिल्लाते हुए एक-दूसरे की पीठ में छुरे घोंप रहे थे। अब जब मुखौटा बदलने का वक्त आया तो लोग एक-दूसरे की पीठ थपथपा कर घायलों के जख्मों पर मरहम लगाते देखे जा रहे हैं। दंगों का सैलाब गुजर गया, अब सम्मान पत्र बांटने वाले, या अपना अभिनंदन स्वयं ही करवा लेने वाले सामने आ रहे हैं, कि देखो बंधु, हमने दंगों की इस पीड़ा को अपने बदन पर नहीं, बल्कि अपनी आत्मा पर झेला है। इसीलिए तो फसाद और खून के उन दिनों में हमने घिरे हुए अभागों की भूख-प्यास की सुध ली। उनके अटूट लंगर की कड़ी को टूटने नहीं दिया। हम उन्हें अपनी पीठ थपथपाते हुए देखते रहे कि हां, उत्पाती दिनों में इन लोगों ने दस रुपए की पानी की बाल्टी बीस रुपए में बेची है। वे मुंह मांगी कीमत प्राप्त कर सके, इसके लिए यह भी हो सकता है कि उन अशांत दिनों में उन्होंने पानी की आपूर्ति खुद ही बाधित कर दी हो। अब कारवां गुजर जाने के बाद उसके गुब्बार को पछाडऩे के लिए, जल आपूर्ति से लेकर भूख आपूर्ति तक करते हुए अब समय सारथी बन हर तरह की प्रवंचना से जूझ जाने का संदेश दे रहे हैं। एक चेहरे पर समयानुसार दूसरा चेहरा लगा लेना, और अपनी पीठ खुद ही थपथपा अपने आपको क्रांतिवीर घोषित कर देने का यह उद्घोष हम हर क्षेत्र और हर समय में देखते-सुनते आ रहे हैं। इन दिनों इसका रिवाज कुछ अधिक हो गया है, क्योंकि सुना है जो असल हकदार थे, वे तो इस पहचान और अभ्यर्थना के मेले में लुट गए साहिब, और तमाशबीन दुकानें सजा कर बैठ गए, जहां आपके लिए पुरस्कार से लेकर सम्मान पत्र तक सब नीलाम हो रहे हैं। आधी रात को 'खून का बदला खून' चिल्लाने वाले शूरवीर सुबह होते ही सूरजमुखी बन कर शांति का सूरज उगा देने के पैरोकार बन गए, क्योंकि यह बात तो उनके बड़े-बूढ़े पहले ही बता गए थे, कि बरखुरदार गंगा जाओ तो गंगाराम बन जाओ, और जमना जाओ तो जमना दास बनने की घोषणा कर दो। कालांतर में यह समझ उन्हें दलबदलू बनने की प्रेरणा देती है। अपनी टोपी बदल कर वे कभी शर्मिंदा न हुए, बल्कि इसे आत्मावलोकन कह अपनी समझ का नया पड़ाव हमें समझा इसे न्यायसंगत ठहरा गए। आजकल दलबदलू कानून भी उनका अवरोध नहीं कर पाते। गठजोड़ संस्कृति आ गई है। लोग एक-दूसरे के विरुद्ध कीचड़ उछालते हुए चुनाव लड़ते हैं, बाद में सत्ता पर कब्जा जताने के लिए एक-दूसरे के साथ गठजोड़ करते हुए उन्हें कोई हिचकिचाहट नहीं होती।

देश दुनिया से

महंगे सोने-चांदी से सांसत में उपभोक्ता

भारत वर्ष में प्रकाशोत्सव दीपावली का पर्व धूमधाम से संपन्न हो गया। भारत को कभी सोने की चिडिया कहा जाता था। शायद ऐसा बोलने से आशय शताब्दियों पूर्व भारत धनधान्य सोने-चांदी, पशुधन और खाद्य पदार्थों के मामले में विश्व भर में भरपूर सम्पन्न एवं आत्मनिर्भर रहा होगा। भारतीय धर्म संस्कृति एवं स्थानीय रीति-रिवाजों के हिसाब से भारतीयों में सदैव सोने के प्रति दीवानगी एवं आकर्षण पाया गया है। हमारे देवी-देवताओं की प्रतिमाओं के श्रृंगार में हीरे जवाहरात और सोने के आभूषणों का प्रयोग बहुतायत में देखा जा सकता है। भारतीय महिलाओं द्वारा शादी और धार्मिक अनुष्ठानों अथवा विशेष कार्यक्रमों में आभूषणों द्वारा अपना श्रृंगार करना अभी भी प्रचलन में है। भारत में सोने का आयात मुख्य रूप से आभूषण उद्योग की मांग को पूरा करने के लिए किया जाता है। वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में सरकार ने सोने और चांदी पर सीमा शुल्क 15 फीसदी से घटाकर 6 फीसदी कर दिया था, तथापि सोने-चांदी के दाम निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि इस बार धनतेरस पर 36 टन सोने की बिक्री हुई है और इसमें 20 फीसदी का उछाल देखा गया है। इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार इस धनतेरस पर 28000 करोड़ रुपए के 36 टन सोने की बिक्री हुई है। इस धनतेरस पर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने भी लंदन से 102 टन सोना भारत वापस शिफ्ट कर लिया है। आपको बता दें कि सितंबर के अंत में आरबीआई के पास कुल 855 टन सोना था। इसमें से 510.5 टन सोना देश में रखा गया है। आजकल आसमान छूती सोने-चांदी की कीमतों के चलते अपने बच्चों की शादी की तैयारियों में जुटे अभिभावकों में भय और असमंजस का माहौल व्याप्त है। बेहतर रिटर्न के दृष्टिकोण से भी लोग सोने की खरीददारी कर उसमें अपना धन निवेश कर रहे हैं। इस समय सोने में निवेश से 57 फीसदी से ज्यादा रिटर्न भी मिल रही है। वल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक भारत में आम लोगों के पास करीब 25000 टन सोना है, जिसमें से अकेले भारतीय महिलाओं के पास 20000 टन सोना है। भारत में सोने का सालाना उत्पादन पंद्रह सौ किलोग्राम के आसपास है जबकि भारत हर साल 750 टन सोना आयात करता है। सोने के दामों में आगे कोई कमी आएगी, इस पर भी संशय बरकरार है। दुनिया भर में कुल सोने का 48 फीसदी जेवरात के रूप में लोगों के पास है। विश्व भर में अब तक 1 लाख 90 हजार 40 टन सोना निकाला गया है, जिसमें से 01 लाख 26 हजार टन सोना तो केवल 1950 के बाद ही खनन द्वारा उत्पादित किया गया है। इसके अलावा मुथूट फाइनेंस, मणपुरम फाइनेंस जैसे निजी बैंकों के पास भी 200 टन सोना है। मंदिरों के पास भी करीब 2500 टन सोना है। अकेले तिरुपति स्थित बालाजी मंदिर ट्रस्ट के पास 300 टन सोना होने का अनुमान है। दुनिया में सोने का सबसे बड़ा उत्पादक देश चीन है और इसकी दुनिया के सोने के उत्पादन में 11 फीसदी की हिस्सेदारी है। साल 2023 में चीन ने 370 मीट्रिक टन सोना उत्पादित किया था। विश्व में अन्य प्रमुख सोने के उत्पादक देशों में ऑस्ट्रेलिया, रूस, कनाडा, क्यूबा और फिलीपींस आदि हैं। एसोचैम के अनुसार भारत की सोने की घरेलू मांग सालाना लगभग 900 टन है जबकि उत्पादन मात्र 1500 किलोग्राम के आसपास ही है। वल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट के मुताबिक भारत अपनी उत्पादन क्षमता को बढ़ा सकता है और इसके लिए भारत सरकार को लगभग एक अरब डॉलर का निवेश करना पड़ेगा। वहीं गोल्डमाइंस कम्पनी आस्ट्रेलिया के निदेशक निक स्पेंसर का मानना है कि भारत हर साल 100 टन सोने का उत्पादन कर सकता है और इस प्रक्रिया में देश के एक लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल सकता है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग ने राजस्थान के उदयपुर जिले में सोने के लगभग 11.48 करोड़ टन सोने के भंडार का अनुमान लगाया है। देश का 88.7 फीसदी सोना कर्नाटक के कोलार, धारवाड़, हासन और रायचूर जिलों से निकाला जाता है। कर्नाटक में 17 लाख टन सोने के अयस्क का भंडार है तो वहीं आंध्रप्रदेश, झारखंड और केरल से भी कुछ मात्रा में सोना निकाला जा रहा है। उत्पादन के लिहाज से दुनिया में सोने की सबसे बड़ी खदान उज्बेकिस्तान के मुरुताऊ में है। 2015 में यहां से 61 टन सोना निकाला गया था। विशेषज्ञों की मानें तो आने वाले दिनों में सोने-चांदी के दामों में और तेजी देखने को मिलेगी। सर्राफा व्यापारियों के अनुसार पहले लंबे समय तक इन कीमती धातुओं के दाम स्थिर रहते थे और खरीददारों में संतुष्टि का भाव रहता था कि जरूरत पडऩे पर खरीद लेंगे। लेकिन बीते कुछ वर्षों से इन धातुओं के अंतरराष्ट्रीय बाजारों और शेयर मार्केट के साथ संबद्ध होने के चलते इनके दामों में तेजी दर्ज की जा रही है। भारत सरकार घरेलू मांग को पूरा करने के लिए 90 फीसदी से ज्यादा सोने का आयात करती है जिस पर बहुमूल्य विदेशी मुद्रा खर्च होती है। आसमान छूती सोने-चांदी की कीमतों से स्वर्ण कारोबारियों के साथ-साथ शादियों एवं मांगलिक कार्यों हेतु आभूषण खरीदने वाले लोगों की धुकधुकी बढ़ी हुई है। उम्मीद है कि केंद्र सरकार शीघ्र ही आभूषण उद्योग एवं स्वर्णकारों के साथ-साथ घरेलू उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करते हुए सोने-चांदी के दामों को नियंत्रित करने के उपायों पर काम करेगी। यदि आने वाले महीनों में इसी प्रकार सोने-चांदी के दामों में बढ़ोतरी होती रही तो निश्चित रूप से मध्यम एवं निम्न आय वर्ग वाले भारतीयों के लि यह संकट और जोखिम का समय होगा।

आप का नजरिया

मदरसे अवैध नहीं

सर्वोच्च अदालत ने संविधान की ऐतिहासिक व्याख्या करते हुए उप्र के मदरसों को 'संवैधानिक' करार दिया है। इस संदर्भ में उप्र मदरसा शिक्षा अधिनियम, 2004 और उससे जुड़ा बोर्ड भी 'अवैध' नहीं है। यह कानून मुलायम सिंह यादव की सरकार के दौरान बनाया गया था। यह न्यायिक फैसला अल्पसंख्यकों के अधिकार के साथ-साथ समता के मौलिक अधिकार और शिक्षा के अधिकार की व्याख्याएं भी करता है। सर्वोच्च न्यायिक पीठ का मानना है कि यह संविधान के मूल ढांचे और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन नहीं करता। दरअसल यह फैसला ऐसे देश में मौलिक और महत्वपूर्ण है, जहां अत्यधिक शैक्षिक संस्थान धार्मिक संस्थाओं, संगठनों से संबद्ध हैं। यह अल्पसंख्यक अथवा बहुसंख्यक समुदाय का सवाल नहीं है। यह शिक्षा के बुनियादी दायित्वों और सरोकारों से जुड़ा मामला है। तो फिर मदरसों पर आपत्ति जताते हुए, उनसे संबद्ध कानून को, 'असंवैधानिक' कैसे करार दिया जा सकता है? न्यायिक पीठ ने आकलन करते हुए यह महत्वपूर्ण टिप्पणी भी की है-चूंकि शिक्षण संस्थान या मदरसा किसी अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़ा है और उसकी मजहबी शिक्षाओं को भी पढ़ाया जा रहा है, तो इसके मायने ये नहीं हैं कि वह संस्थान 'शिक्षा' की परिधि से बाहर कर दिया जाए। संविधान में अल्पसंख्यकों को अधिकार दिए गए हैं कि वे अपने शैक्षिक संस्थान स्थापित कर सकते हैं। उसी के तहत मदरसे लगातार खुलते रहे हैं। दरअसल मदरसों को 'आतंकवाद के अड्डे' और 'इस्लाम के प्रचारक संस्थान' करार दिया जाता रहा है। इस संदर्भ में सर्वोच्च अदालत का फैसला है कि राज्य सरकार मदरसों के पाठ्यक्रम को नियमित और संशोधित कर सकती है। कुरान के साथ-साथ गणित और विज्ञान जैसे विषय भी पढ़ाए जा सकते हैं, लेकिन मदरसे 'कामिल' और 'फाजिल' (स्नातक, स्नातकोत्तर) की जो डिग्रियां बांटते रहे हैं, वे 'अवैध' हैं, क्योंकि यह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अधिनियम के खिलाफ है। आयोग से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय ही ऐसी डिग्रियां देने को अधिकृत हैं। सर्वोच्च अदालत ने यह फैसला देते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय का फैसला खारिज किया है, क्योंकि उच्च न्यायालय ने अधिनियम को 'असंवैधानिक' माना था और उप्र के सभी मदरसों को बंद करने का आदेश दिया था। इस सर्वोच्च फैसले से मदरसों में पढऩे वाले 12,34,388 छात्रों का शैक्षिक भविष्य सुरक्षित रह सकेगा और 13,364 मदरसों के अस्तित्व कायम रह सकेंगे। मदरसों में हजारों शिक्षक भी पढ़ाते हैं, लिहाजा वे एकदम बेरोजगार होने से बचेंगे। मदरसों की जमात अलग-अलग है। कोई मदरसा राज्य सरकार से वित्तीय अनुदान प्राप्त करता है, तो कोई ऐसी मदद को 'इस्लाम-विरोधी' मानते हुए नहीं लेते और अपने संसाधनों के बूते ही मदरसे चलाते हैं। फिलहाल उप्र के मदरसा कानून पर सर्वोच्च अदालत ने फैसला सुनाया है। इसी के आधार पर देशभर के मदरसा बोर्ड और उनके प्रबंधक शीर्ष अदालत तक दस्तक दे सकते हैं।

घरेलू सर्राफा बाजार में बढ़ी सोने की चमक, चांदी में आई गिरावट

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में तेजी का रुख नजर आ रहा है। इस कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 80,510 रुपये से लेकर 80,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 73,810 रुपये से लेकर 73,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच ही बना हुआ है। चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 95,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 80,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 80,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 80,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 73,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। चेन्नई में 24 कैरेट सोना 80,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 73,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 80,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 80,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 80,410 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 73,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 80,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी तेजी आने की वजह से सोना महंगा हुआ है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हिंदू राज कायम...

हेमू दिल्ली के सिंहासन पर बैठने वाले अंतिम हिंदू सम्राट थे। वे अद्वितीय योद्धा एवं कुशल रणनीतिकार थे। उन्हें मध्ययुग का नेपोलियन कहा जाता है। बीते पांच नवंबर को उनकी पुण्यतिथि थी। लेकिन हेमू की सुध उन लोगों ने भी नहीं ली जो हिंदुओं के अलमबरदार बने फिरते हैं।

हेमू का जन्म 1501 ईस्वी में राजस्थान के अलवर क्षेत्र में राजगढ़ के निकट माछेरी ग्राम में के एक साधारण परिवार में हुआ था। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि हेमू बिहार के सासाराम के रहने वाले थे। साधारण परिवार में जन्म लेकर एक व्यापारी से वजीर (प्रधानमंत्री) और सेनापति होते हुए उन्होंने दिल्ली के ताज तक का सफर उन्होंने अपने पराक्रम से हासिल किया। हेमू ने अपने जीवन में 22 लड़ाइयां लड़ीं और विजयी रहे। आगे चलकर उन्होंने विक्रमादित्य की उपाधि धारण की। हेमू का उद्भव ऐसे समय में हुआ, जब हिंदुस्तान में मुगल एवं अफगान दिल्ली की सत्ता हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। वे दिल्ली की सत्ता हासिल करने में सफल रहे, लेकिन यह अधिक समय तक कायम नहीं रही। भारतीय इतिहास की यह एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है।

हेमू का परिवार किराने का काम करता था। हेमू जब बड़े हुए तो वे भी अपने परिवार के व्यवसाय शामिल हो गए। अकबर के जीवनीकार अबुल फजल ने उन्हें फेरीवाला कहा है, जो रेवाड़ी की गलियों में नमक बेचा करते थे। उन दिनों ईरान-इराक से दिल्ली के मार्ग पर रिवाड़ी महत्वपूर्ण नगर था। उन्होंने शेरशाह की सेना को रसद और जरूरी सामग्री पहुंचानी शुरू कर दी थी। हेमू युद्ध में काम आने वाले शोरा भी बेचने लगे थे। इसके कारण वे शेरशाह सूरी के बेटे इस्लाम शाह की नजर में आ गए। आगे चलकर वे शेरशाह के विश्वासपात्र बन गए। शेरशाह की 22 मई 1545 को मौत हो गई। उसके बाद इस्लाम शाह ने हेमू को शानाये मण्डी, दरोगा-ए-डाक चौकी तथा प्रमुख सेनापति के साथ-साथ अपना सलाहकार बना दिया। यह स्थान ब्रह्मजीत गौड़ नाम के एक ब्राह्मण को हासिल था।

सन 1552 में इस्लाम शाह की मौत हो गई। इस्लाम शाह की मौत के बाद उसके दो साल के बेटे फिरोज खान को शासक बनाया गया, लेकिन उसके मामा मुबारक शाह उर्फ आदिल शाह ने उसकी हत्या कर दी। भोग-विलास में डूबे आदिल शाह के समय हर तरफ अराजकता फैल गई। इसके बाद आदिल शाह ने हेमू को प्रधानमंत्री तथा अफगान सेना का मुख्य सेनापति बना दिया। इस बीच बाबर का बेटा हुमायूं 1555 में भारत लौटा और दिल्ली पर हमला कर दिया। आदिल शाह ने हेमू को लड़ाई के लिए भेजा और खुद चुनार भाग गया। अब सूरी वंश चार भागों में बंट गया था, जिसका एक हिस्सा आदिल शाह के अंतर्गत था। 26 जनवरी 1556 को हुमायूं की मौत हो गई और अकबर को गद्दी मिली। उस समय अकबर की उम्र 13 साल थी। बैरम खां को उसका अभिभावक नियुक्त किया गया।

हेमू ने इसे एक महत्वपूर्ण मौका माना। उन्होंने आगरा के मुगल गवर्नर इसकंदर खां उजबेग को पराजित किया और शहर को कब्जे में ले लिया। इसके बाद उन्होंने दिल्ली का रुख किया। दिल्ली का मुगल गवर्नर तारीफ बेग खां अत्यधिक घबराकर बैरम खां से सेना भेजने का आग्रह किया। सेनापति पीर मोहम्मद शेरवानी के नेतृत्व में आई मुगल सेना को हेमू ने 6 अक्टूबर 1556 को तुगलकाबाद में बुरी तरह परास्त किया।

इस तरह 7 अक्टूबर 1556 को हेमू ने दिल्ली सिंहासन पर कब्जा कर लिया। इस तरह से एक भारत के इतिहास में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई। उनका दिल्ली के पुराने किले, जिसे पांडव निर्मित किला कहा जाता है, में राज्याभिषेक हुआ। दिल्ली की गद्दी बैठते ही उन्होंने कई घोषणाएं कीं, जिनमें से एक गोहत्या पर प्रतिबंध भी था।

सम्राट के रूप में हेमचंद्र ने घोषणा की कि उनके राज्य में गोहत्या पर प्रतिबंध होगा और जो इस आज्ञा का पालन नहीं करेगा, उसका सिर काट लिया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने दूसरी घोषणा भ्रष्टाचार में लिप्त कर्मचारियों को हटाने की की। उन्होंने शासन प्रशासन से लेकर वाणिज्य तक, हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार किए। अब हेमू का अगला लक्ष्य मुगलों और अफगानों को भारत से खदेड़ने का था। उन्होंने इसकी तैयारी शुरू कर दी। दिल्ली में हार का समाचार सुनकर बैरम खां बौखला गया। उस समय पंजाब के जालंधर में बैरम खां अकबर के साथ था। अकबर वापस काबुल जाना चाहता था, लेकिन बैरम खां इस हार को पचा नहीं पा रहा था। हार की जानकारी देने टारडी खां दिल्ली से भाग कर अकबर के ख़ेमें में गया तो बैरम खां ने उसका सिर काट दिया। बैरम खां ने कहा कि इससे लोगों को सबक मिलेगा कि युद्ध से भागने का क्या अंजाम होता है।

उधर हेमू को पता चला कि बैरम खां हमले की योजना बना रहा है तो उन्होंने अपनी तोपें पानीपत की तरफ भेज दीं। बैरम खां ने भी अली कुली शैबानी के नेतृत्व में 10,000 सेना पानीपत की भेज दिया। हेमू की सेना में 30,000 अनुभवी घुड़सवार और 500 से 1500 के बीच हाथी थे। हाथियों की सूढ़ों में तलवारें और बरछे बंधे हुए थे और उनकी पीठ पर युद्ध कौशल में पारंगत तीरंदाज सवार थे।

6 नवंबर 1556 की पानीपत की दूसरी लड़ाई के नाम से मशहूर इस लड़ाई में सिर में किसी ने कवच नहीं पहना था। वे हाथी पर बैठकर सेना का लगातार जोश बढ़ा रहे थे। यह लड़ाई बहुत भयंकर थी। हेमू के हमले से मुगल सेना बिखर गई थी। बदायूंनी ने अपनी किताब मुंतखब-उत-त्वारीख में इसका जिक्र किया था। हेमू अपनी जीत के करीब थे। इस बीच कुली शैबानी के सैनिक हेमू की सेना पर लगातार तीरों की बौछार कर रहे थे। इन्हीं में से एक तीर उनकी आंख में जा धंसा। हरबंस मुखिया अपनी किताब द मुगल्स ऑफ इंडिया में मोहम्मद कासिम फरिश्ता के हवाले से लिखते हैं कि तीर लगने पर भी हेमू ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने अपनी आंख तीर निकाला और रुमाल से ढंक कर लड़ना जारी रखा।

हालांकि, अत्यधिक खून बहने के कारण हेमू बेहोश होकर अपनी हाथी के हौदे में गिर गए। इस बीच कुली शैबानी ने बिना महावत के एक हाथी को घूमते हुए देखा तो उसने एक व्यक्ति को उस पर चढ़कर देखने के लिए कहा। जब वह व्यक्ति हाथी पर चढ़कर देखा तो उसमें एक व्यक्ति बेहोश दिखा। वह व्यक्ति कोई और नहीं बल्कि हेमू थे। इसके बाद शैबानी उस हाथी को हांक कर अकबर के पास ले गया। इसकी जानकरी मिलते ही हेमू की सेना के हताशा छा गई और मुगल सेना खुशियां मनाने लगी। उधर, हेमू को जंजीरों से बांधकर अकबर के सामने पेश किया। बैरम खां ने अपनी तलवार से हेमू का सिर काट दिया। उनका सिर काबुल भेजा गया और धड़ को दिल्ली दरवाजे पर लटका दिया गया। हेमू के पुराने घर माछेरी पर आक्रमण कर लूटमार की गई। उनके 80 वर्षीय पिता पूरनदास के साथ-साथ कई रिश्तेदारों को इस्लाम में धर्म परिवर्तन करने के लिए कहा गया।

जब सम्राट हेमचंद्र के परिजन और रिश्तेदार नहीं माने तो उनका कत्ल कर दिया गया। इससे एक मीनार बनाई गई। इस मीनार की पेंटिंग अकबरनामा में भी है। इस तरह हेमू एक शूरवीर की तरह युद्ध क्षेत्र में वीरगति को प्राप्त हो गए और 29 दिन के उनके शासन का अंत हो गया। विन्सेंट ए स्मिथ अकबर की जीवनी में लिखते हैं, क्षत्रिय (राजपूत) नहीं होने के बावजूद हेमू ने युद्ध के मैदान पर अपना यौद्धत्व प्रदर्शित किया और शहीद हो गए। ऐसे महापुरुष की समाधि पर बनी हुई दरगाह पूरी भारतीय संस्कृति और इतिहास का खुला अपमान ही तो है।

घातक हैं वक्फ...

सीपीएम विधायक ने कहा, वक्फ बोर्ड को कांग्रेस सरकार द्वारा असीमित शक्तियां देना सबसे बड़ी चूक थी। गौरतलब है कि वक्फ बोर्ड के मनमाने दावे के कारण ईसाई बहुल मुनंबम के 610 लोगों की सम्पत्तियां खतरे में हैं। लोग वक्फ के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं।

जम्मू कश्मीर को...

भाजपा विधायकों ने हंगामा शुरू किया और मामला हाथापाई तक उतर आया। विधानसभा में तैनात मार्शल सदन में बैनर लहराते विधायक को रोकने के बजाय उसे प्रोटेक्स किया और बैनर छीनने की कोशिश कर रहे भाजपा विधायकों को रोका। विधानसभा अध्यक्ष ने भी भाजपा के सदस्यों को ही विधानसभा से बाहर निकालने का आदेश मार्शलों को दिया। हंगामे के कारण विधानसभा अध्यक्ष ने विधानसभा की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी। हाथापाई में भाजपा के कई विधायकों को चोटें आई हैं।

हंगामा तब शुरू हुआ जब विधायक खुर्शीद अहमद शेख अनुच्छेद 370 की वापसी की मांग वाला बैनर प्रदर्शित करना शुरू कर दिया। विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने इस पर आपत्ति जताई। बैनर को देखकर भाजपा के विधायक भड़क गए और उन्होंने उनके हाथ से बैनर छीनने की कोशिश की। इस कोशिश में खुर्शीद को संरक्षण दे रहे मार्शलों, अन्य विधायकों और भाजपा विधायकों के बीच खूब गुत्थमगुत्था हुई। भाजपा विधायकों ने बैनर छीन कर उसे फाड़ डाला। इस पर सदन में हाथापाई शुरू हो गई और जमकर हंगामा हुआ। सदन में हंगामे के बाद पहले विधानसभा की कार्यवाही 20 मिनट के लिए स्थगित हुई, लेकिन स्थगन के बाद भी जब हंगामा नहीं रुका तो कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी गई। इस बीच मार्शलों के जरिए भाजपा विधायकों को सदन से बाहर निकालने की भी कार्रवाई की गई। कश्मीर विधानसभा में कल से जारी हंगामे के बीच पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस और अवामी इतिहाद पार्टी के विधायकों ने आज विधानसभा में जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को बहाल करने की मांग करते हुए एक नया प्रस्ताव पेश कर दिया।

जम्मू कश्मीर गोरखा सभा की अध्यक्ष करुणा छत्री के नेतृत्व में महिलाओं और बच्चों सहित सैकड़ों गोरखाओं ने प्रस्ताव पारित होने पर नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार और कश्मीर-केंद्रित नेतृत्व के खिलाफ विरोध रैली निकाली। बुधवार को पारित प्रस्ताव में जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को बहाल करने की मांग की गई थी जो पहले अब निरस्त अनुच्छेद 370 में दिया गया था। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, उपमुख्यमंत्री सुरेंद्र चौधरी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के खिलाफ नारे लगाते हुए प्रदर्शनकारियों ने कहा कि इससे उन्हें नागरिकता के अधिकार से वंचित किया जा सकता है।

अब जम्मू कश्मीर

भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने कहा, मैं इंडी गठबंधन के नेताओं से पूछना चाहती हूं कि कांग्रेस, एनसी (नेशनल कॉन्फ्रेंस) को संसद और सुप्रीम कोर्ट के फैसले की अवहेलना और अपमान करने का अधिकार किसने दिया? मैं इंडी गठबंधन के नेताओं को यह इत्मीनान करना चाहती हूं कि अनुच्छेद 370 को बहाल नहीं किया जाएगा। इंडी गठबंधन ने जम्मू-कश्मीर में भारतीय संविधान का गला घोंटने की हिमाकत की है। कल इंडी गठबंधन ने जो प्रस्ताव पारित किया है, उसके तहत वे जम्मू-कश्मीर में भारत के संविधान के खिलाफ एक नई जंग लड़ते दिख रहे हैं। आज मैं इंडी गठबंधन के नेताओं से पूछना चाहती हूं कि संसद और भारत के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले जो सबको स्वीकार्य है, उसका अपमान और अवहेलना करने का अधिकार कांग्रेस, एनसी को किसने दिया? मैं उनसे पूछना चाहती हूं कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद आदिवासी समाज को जो अधिकार मिले हैं, क्या उसके खिलाफ कांग्रेस-एनसी सरकार खड़ी होगी? दलितों और पिछड़े समाज को जो अधिकार मिले हैं, क्या उसके खिलाफ कांग्रेस-एनसी सरकार खड़ी होगी? कल का प्रस्ताव उग्रवाद और आतंकवाद के समर्थन में कांग्रेस और इंडी गठबंधन के नेताओं के रणनीतिक समर्थन को दर्शाता है। लोकतांत्रिक तरीकों से चुनी गई सरकार विकास के मुद्दों पर काम करने के बजाय भारत को जोड़ने के बजाय तोड़ने का सबूत दे रही है। मैं कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं से कहना चाहती हूं कि अनुच्छेद 370 कभी पुनर्स्थापित नहीं होगा, भारत को विभाजित करने का उनका प्रयास कभी सफल नहीं होगा।

महाकुंभ में 370...

महेंद्रानंद ने अब तक अलग-अलग वर्ग के 907 लोगों को संन्यास दीक्षा दिलाई है। इसमें 370 संन्यासी दलित समाज के हैं। इन सभी को सनातन धर्म की शुचिता-शुद्धता और आचार के बारे में प्रशिक्षित भी किया गया है। कर्मकांड की भी उन्हें जानकारी दी गई है। स्वामी महेंद्रानंद खुद दलित समाज से हैं। वह बताते हैं कि सनातन धर्म को संरक्षित करने के लिए देश ही नहीं दुनिया भर से वंचितों को जोड़ा जा रहा है। ऐसे 907 संतों में 370 दलित समाज से हैं। यह सभी दलित संत महाकुंभ में आएंगे। पट्टाभिषेक के बाद इनको महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर, महंत, पीठाधीश्वर, श्रीमहंत, थानापति सहित अन्य पदों पर आसीन कराया जाएगा।

यमुना तट स्थित मौजगिरि मंदिर परिसर में चार माह पूर्व दलित संत कैलाशानंद को महामंडलेश्वर बनाया गया था। महेंद्रानंद गिरि बताते हैं कि इस दौर में कोई भी मजहब या पंथ हो, सभी के निशाने पर सनातन को मानने वाले लोग हैं। ऐसे में सनातनियों को जागरूक करने और आने वाली पीढ़ियों को उसकी प्राचीनता और उसके महत्व से परिचित कराया जाना चाहिए।

प्रयागराज में महाकुम्भ के दौरान बड़ी संख्या में दलितों को संत दीक्षा पद दिया जाएगा। जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर महेंद्रानंद गिरि ने 907 लोगों से संपर्क किया, जिसमें 370 दलित चुने गए हैं। इन सभी को महाकुम्भ में पदवी दी जाएगी। स्वामी महेंद्रानंद गिरि ने बताया कि श्रीपंच दशनाम जूना अखाड़ा के संरक्षक और अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी हरि गिरि के सानिध्य में आने के बाद और उनकी प्रेरणा से सनातन धर्म के लिए कार्य शुरू किया। इसके लिए वो सनानत धर्म का प्रचार कर रहे हैं।

इन सभी को महाकुम्भ में अलग-अलग जिम्मेदारी दी जाएगी जिसमें महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर, महंत, पीठाधीश्वर, श्रीमहंत, थानापति सहित अन्य पद हैं। उन्होंने बताया कि मौजगिरि आश्रम में करीब चार माह पूर्व दलित कैलाशानंद को महामंडलेश्वर बनाया गया था।

गुजरात के जूनागढ़ में भगवान गिरिनार की परिक्रमा के साथ चार दिवसीय समागम 12 नवंबर से शुरू होगा। यह समागम 16 नवंबर तक चलेगा। इस परिक्रमा में देश से बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। चार दिवसीय गिरिनार की परिक्रमा के विशाल मेले में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु भंडारे में प्रसाद ग्रहण करेंगे। मेला आयोजन समिति के व्यवस्थापक गुजरात पीठाधीश्वर महेंद्रानंद गिरि ने बताया कि भगवान गिरिनार की परिक्रमा करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति के साथ सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। उन्होंने बताया कि यह स्थली भगवान श्रीकृष्ण की लीला भूमि रही है, ऐसे में देश के कोने-कोने से लाखों श्रद्धालु परिक्रमा में शामिल होने के लिए जूनागढ़ आएंगे।

महत्वपूर्ण मंदिरों...

राम मंदिर आंदोलन के प्रणेता रहे गोरखनाथ धाम के पीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ ने मठ-मंदिरों में दलित जातियों के लोगों का प्रवेश सुनिश्चित कराया था। उन्होंने अयोध्या के श्रीराम मंदिर के शिलान्यास की पहली ईंट एक दलित से ही रखवाई थी। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में लखना कस्बे में यमुना नदी के किनारे स्थित पुरातन मंदिर में 200 वर्षों से दलित पुजारी होते आए हैं। वहां के शासक जसवंत राव ने इस परंपरा की शुरुआत कराई थी। देश में ऐसे उदाहरण भरे पड़े हैं।

सनातन धर्म की...

हर हिंदू देश निर्माण में अपना धर्म निभाए। उन्होंने कहा कि तमाम ताकतें अयोध्या में राम मंदिर बनने में अड़ंगा लगा रही थीं, लेकिन भगवान की ताकत के आगे कोई नहीं है। साढ़े पांच सौ साल बाद आखिरकार सत्य और धर्म की जीत हुई। अब हर मन में अयोध्या बनाना है। इसी प्रकार संघ को भी शुरुआत के दिनों में खाने-पीने व रहने, बैठक को लेकर कठिन संघर्ष करना पड़ा, लेकिन आज स्थिति बदल गई है।

सनातन धर्म विरोधी देशों के खिलाफ भारत एकजुट होकर संघर्ष कर जीत की ओर बढ़ता रहेगा। भारत सबको जोड़ने वाला देश है। युग तुलसी पं. रामकिंकर उपाध्याय की जन्म शताब्दी कार्यक्रम में स्वामी चिदानंद महाराज ने कहा कि पूरी दुनिया में रामचरित मानस और गीता का छोटा गुटका सबसे उपयोगी है। विदेशों में कथा होना इसका प्रमाण है कि सनातन धर्म हर जगह है। आज देश में एकरूपता की नहीं है बल्कि एकात्मता की जरूरत है। उन्होंने प्रसिद्ध संत-महंतों की आपस में एक दूसरे की बुराई करने को गलत बताया। उन्होंने कहा कि मुस्लिम और ईसाई गुरु कभी अपने समाज के अन्य संतों की बुराई नहीं करते। यही हमको भी करना चाहिए। कोई समस्या हो तो आपस में बैठकर बात करें, लेकिन बुराई न करें। आज नारों से देश को चलाने का प्रयास हो रहा है यह ज्यादा लंबे समय तक संभव नहीं है। संस्कृति से देश आगे बढ़ता है। चुनाव से पहले दल अलग-अलग होने चाहिए, लेकिन चुनाव के बाद देश सबसे ऊपर होना चाहिए। सनातन धर्म बचाइये तो सब बचेगा।

वर्ग समापन पर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पदाधिकारियों में जोश भरते हुए कहा कि नई उम्मीद और विकसित राष्ट्र बनाने के लिए एकजुट हो जाएं। किसी से डरने या अन्याय सहने की जरूरत नहीं है। विश्व में हमेशा धर्म व अधर्म रहे हैं। धर्म के पक्ष में ही खड़े रहना चाहिए। आचरण से धर्म की प्राप्ति होती है। कहा कि पुरुषार्थी लोगों को कभी-कभी शस्त्र उठाना पड़ता है। जब पूरा समाज तैयार होता है तब भगवान की कृपा रूपी अंगुली उठती है। ऋषि और मुनियों के कठोर परिश्रम से राष्ट्र की नींव रखी गई है। अलग-अलग रंग रूप होते हुए भी मूलरूप से हम सभी एक है। भारत विश्व में सबसे सुरक्षित और समृद्ध राष्ट्र है।टाठी घाट पहुंचे संघ प्रमुख व मोरारी बापू

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और संत मोरारी बापू ने कई संतों के साथ समय गुजारा। उनके कार्यस्थल मठ और मंदिर गए। तपस्या करने वाले संतों के बीच मंदाकिनी किनारे टाठी घाट पहुंचे। इसके बाद मोरारी बापू जगद्गुरु रामभद्राचार्य से मुलाकात करने पहुंचे। बताया कि जगद्गुरु ने फोन कर बुलाया तो वह दर्शन के लिए पहुंचे। आरएसएस प्रमुख ने संघ चालकों के वर्ग के समापन के बाद आरोग्यधाम की वैदेही वाटिका में रुके रहे।

भाजपा और ...

संघ का वर्ग उद्यमिता विद्यापीठ में बुधवार को संपन्न हो गया। तीन सत्रों में संघ के बौद्धिक सह प्रमुख दीपक बिसफुटे और मध्य भारत के क्षेत्र प्रचारक स्वप्निल कुलकर्णी ने महाकौशल प्रांत के चालकों और प्रमुखों से एक-एक कर बात की। उनके कार्यों की समीक्षा भी की। कहा कि संगठन को गांव तक पहुंचाने के लिए संघ की कार्ययोजना के अनुरूप काम दिसंबर के पहले सप्ताह से शुरू कर दें।

यह भी संदेश दिया कि विश्व में हिंदुओं के हित व सुरक्षा की बात करने वाला आरएसएस ही एकमात्र संगठन है। इसमें कार्य करने वाला देश भक्त होता है। देश ही नहीं, पूरे विश्व के हिंदुओं की रक्षा के लिए हर संभव उपाय करें। जरूरत पर बड़े पदाधिकारियों से बात करें। किसी भी देश विरोधी से डरने के बजाय उसे समझाकर राष्ट्र भक्ति की धारा में शामिल करें।

तीनों सत्र के समापन पर जानकारों की मानें तो विभिन्न राज्यों में तैनात सात संगठन मंत्रियों की पहचान की गई है, जिन्हें नए राज्यों का दायित्व सौंपा जाएगा। बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में एक संगठन मंत्री के मातहत उप संगठन मंत्री भी भेजे जा सकते हैं, जिससे कमजोर इलाकों में संगठन को मजबूत करने के लिए बेहतर समन्वय बनाया जा सके। आरएसएस के संगठन मंत्री पूर्णकालिक मंत्री होते हैं। उन्हें भाजपा में काम करने के लिए भेजा जाता है। करीब एक दशक से भाजपा के तेजी से बढ़ने सहित बाहरी नेताओं के आने से स्वयंसेवकों के साथ भाजपा नेताओं के साथ संवाद कमजोर पड़ने की आशंका जताई गई। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा को अपेक्षाकृत कम सीटें मिलने के पीछे इसी को माना जा रहा है। इसके लिए आरएसएस नए संगठन मंत्रियों को भाजपा में भेजने के लिए तैयार है।

डोनाल्ड ट्रंप ...

बुधवार 6 नवंबर को एक प्रेस रिलीज के माध्यम से शेख हसीना की यह बधाई सामने आई है। गौर करने वाली बात यह है कि इस पत्र में शेख हसीना को बांग्लादेश का प्रधानमंत्री बताया गया है। इसका अर्थ है कि अपने आप को पूर्व नहीं बल्कि वर्तमान प्रधानमंत्री मानती हैं और उन्होंने कभी इस्तीफा नहीं दिया था।

शेख हसीना ने प्रधानमंत्री के रूप में डोनाल्ड ट्रंप और मेलानिया ट्रम्प के साथ अपनी कई मुलाकातों और बातचीत को याद किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनके दूसरे राष्ट्रपति कार्यकाल में बांग्लादेश और अमेरिका के मित्र देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होंगे।

समंदर के रास्ते...

लेकिन इनके लिए पूरी तरह से स्वदेशी ईंधन को 5 साल बाद 1992 में तैयार किया जा सका। भारतीय तेल निगम की हल्दिया रिफाइनरी में मिग-29 विमानों के लिए ईंधन तैयार किया गया। दो इंजन वाले अत्याधुनिक मिग-29 विमानों में 9 हथियार लगाने की जगह थी, जिनमें 6 ए-10 मिसाइल, दो मिसाइल विंग के नीचे और इंजन एयर डक्ट के नीचे एक लगाने की व्यवस्था थी। स्क्वाड्रन लीडर (रि) एके सिंह के मुताबिक 37 साल पहले मिग-29 विमान अमेरिकी एफ-16 फाइटर जेट के मुकाबले के लिए लाए गए थे। यह कई मायनों में एफ-16 से बेहतर और शानदार विमान है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 08 नवंबर, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

दक्षिण मध्य रेलवे भारत स्काउट्स और गाइड्स राज्य ने मनाया

75वां भारत स्काउट्स और गाइड्स स्थापना और झंडा दिवस समारोह

एससीआर महाप्रबंधक और बीएसएंडजी के संरक्षक अरुण कुमार जैन को भेंट किया गया झंडा स्टिकर

हैदराबाद, 07 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दक्षिण मध्य रेलवे भारत स्काउट्स और गाइड्स राज्य ने 75वां भारत स्काउट्स और गाइड्स स्थापना दिवस एवं

झंडा दिवस गुरुवार को काफी धूमधाम के साथ मनाया। समारोह रेलवे मिक्स्ड हाई स्कूल, साउथ लालागुडा, सिकंदराबाद में आयोजित किया गया। इस दौरान रेलवे कॉलोनी में स्काउट अधिकारियों, स्काउट्स और गाइड्स को शामिल करते हुए एक वॉकथॉन का आयोजन किया गया। जी आर.एस. राव, राज्य आयुक्त (वयस्क संसाधन) और मुख्य कार्मिक अधिकारी, एससीआर इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उप-स्थित हुए और वॉकथॉन को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर ए.के.रावत, राज्य सचिव और डिप्टी सीएमएम, एससीआर और स्काउट अधिकारी उप-स्थित रहे।

स्काउट्स और गाइड बिरादरी के सदस्यों ने एससीआर के महाप्रबंधक और एससीआर बीएसएंडजी के संरक्षक अरुण कुमार जैन से मुलाकात की और झंडा दिवस स्टिकर प्रस्तुत किया और आंदोलन के 75 वर्ष के हीरक जयंती समारोह के लोगो का अनावरण किया। सदस्यों ने नीरज अग्रवाल, अतिरिक्त महाप्रबंधक, एससीआर और अध्यक्ष, एससीआर बीएसएंडजी को झंडा दिवस स्टिकर भी भेंट किए। इस अवसर पर सुश्री पद्मजा, राज्य आयुक्त (मार्गदर्शक) और पीसी-सीएम, एससीआर, लोकेश विश्नोई, जिला अध्यक्ष, एससीआर बीएसएंडजी, हैदराबाद जिला और डीआरएम हैदराबाद भी मौजूद रहे।स्काउट गाइड सप्ताह-2024 (3 से 9 नवंबर, 2024) के हिस्से के रूप में मनाया जाने वाला 5वां दिन यानी स्थापना दिवस सप्ताह का मुख्य आकर्षण है। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स का स्थापना दिवस प्रतिवर्ष 7 नवम्बर को मनाया जाता है। भारत स्काउट्स और गाइड्स की स्थापना 7 नवंबर 1950 को कई संगठनों के एकीकरण के बाद की गई थी। भारत स्काउट्स और गाइड्स का मिशन स्काउटिंग और गाइडिंग के सिद्धांतों के अनुरूप नेतृत्व, आत्मनिर्भरता, समाज की सेवा और पर्यावरण जागरूकता जैसे मूल्यों को बढ़ावा देकर युवाओं के विकास में यो-गदान देना है।स्थापना दिवस पूरे भारत में स्काउट और गाइड इकाइयों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों, गतिविधियों और समारोहों के साथ मनाया जाता है। इन गतिविधियों में ध्वजारोहण, रैलियां, सामुदायिक सेवा परियोजनाएं और ऐसे कार्यक्रम शामिल हैं जो स्काउट्स और गाइड आंदोलन के आदर्शों को सुदृढ़ करते हैं, जैसे दूसरों की मदद करना और समाज की बेहतरी के लिए काम करना। यह दिन भारत के जिम्मेदार नागरिकों को आकार देने में संगठन के प्रभाव और महत्व पर विचार करने का अवसर भी प्रदान करता है।

अत्तापुर के हैदरगुड़ा में पोचम्मा मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए की गई भव्य पूजा

हैदराबाद, 07 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अत्तापुर हैदरगुड़ा स्थित प्राचीन पोचम्मा मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए विधि विधान के साथ विद्वान ब्राह्मणों द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ पूजा की गई। इस पूजा में गांव के तमाम लोगों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। पूजा के पश्चात प्राचीन मंदिर से पोचम्मा मैया की शोभायात्रा गाजे-बाजे के साथ गांव के मुख्य मार्गो से होकर निकाली गई। इस शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और श्रद्धा के साथ मां के दर्शन किए। श्रद्धालुओं को परेशानी न हो इसके लिए प्रबंधकों ने भारी इंतजाम किए। मंदिर में हवन किया गया। पोचम्मा मंदिर के जीर्णोद्धार के अवसर पर हैदरगुड़ा में उत्सव का माहौल रहा। मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि मनोकामना पूरी करने के लिए ऐतिहासिक पोचम्मा मंदिर को अत्याधुनिक तरीके से विकसित किया जाएगा। इस मौके पर बहुत से लोगों ने यथाशक्ति मंदिर निर्माण में योगदान देने को कहा। इस विशेष आयोजन में सोमाराम राजकुमार, सोमाराम रविंदर, वनम नरसिम्हा, बालासुब्रमण्यम, कोलन सुभाष रेड्डी, बालमुरलीकृष्ण, श्रीकांत, सोमा राम श्रीनिवास, प्रणव भक्त समाज के सदस्य, गांव के बुजुर्ग, युवा और महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर अपनी सेवाएं प्रदान की।

बिहार सहयोग समिति की पहले दिन की छठ पूजा सम्पन्न

हैदराबाद, 07 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बिहार सहयोग समिति तेलंगाना के द्वारा आयोजित पहले दिन की छठ पूजा बंडा चेरुवु बतुकम्मा घाट, आंनद बाग, मल्काजगिरी में बिनय कुमार यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस मौके पर भारी संख्या में श्रद्धालओं ने आकर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। इसमें महिलाओं की संख्या अधिक थी। तेलंगाना में लाखों के संख्या में रह रहे हैं बिहार, यूपी, झारखंड के हजारों लोगों ने पूजा में भाग लिया। श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए सरकार द्वारा सैकड़ों घाटों पर पूरा इंतजाम किया गया था। इस मौके पर बिनायक नगर कॉरप-ोरेटर राज लक्ष्मी ने आकर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। बिहार महिला एसोसिएशन की माधवी यादव के पूरी टीम द्वारा उनका स्वागत किया गया। तेलंगाना सरकार द्वारा घाट पर सुरक्षा के इंतजाम भी किए गए थे। समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा का ख्याल रखा गया। समिति पदाधिकारी श्रद्धालुओं की मदद करते रहे।

गुरुवार को चार दिवसीय छठ पूजा पर उत्तर भारती नागरिक संघ द्वार छठ पूजा का आयोजन कर्मण घाट हनुमान मंदिर के प्रांगण में किया गया। इस महापर्व पर डूबते सूरज को प्रथम अर्घ्य दिया गया। इस अवसर पर एलबी नगर विधायक डी.सुधीर रेड्डी मुख्य अतिथि, अतिथि ईश्वरम्मा यादव, डी. श्रवण कुमार, गोविंद राठी भाजपा नेता, संघ के अध्यक्ष एनके सिंह, नंद किशोर सिंह, अमरजीत सिंह, सूर्यांश सिंह, लक्षजीत सिंह व अन्य।

राजभवन में कल मनाया जाएगा उत्तराखंड का स्थापना दिवस

हैदराबाद, 07 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के हैदराबाद स्थित राजभवन में आगमी 09 नवंबर को उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस मनाया जाएगा। कार्यकम 09 नवंबर को अपरान्ह 03 बजे से प्रारंभ होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में तेलांगना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा मौजूद रहेंगे। इस अवसर पर सर्वप्रथम राज्यपाल द्वारा अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलन किया जाएगा। तत्पश्चात उत्तराखंड

के 11 विद्वान आचार्यों द्वारा वेद पाठ और उत्तराखंड राज्य स्थापना से पूर्व राज्य आंदोलनकारी बलिदानी शहीदों की याद में 2 मिनट का मौन रखा कर शांति पाठ होगा।

कार्यक्रम के अगले पड़ाव में देवभूमि उत्तराखंड सेवा संस्थान हैदराबाद, तेलंगाना के अध्यक्ष जयपाल सिंह नयाल सनातनी द्वारा उत्तराखंड राज्य स्थापना और राज्य आंदोलन में बलिदानी आंदोलनकारियों की विस्तार से जानकारी दी जाएगी। उसके बाद राज्यपाल का भाषण होगा।

यह जानकारी मीडिया को कार्यक्रम के संयोजक तथा श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर ट्रस्ट के चेयरमैन राजर्षी जयपाल सिंह नयाल सनातनी ने दी।

कार्यक्रम के अगले भाग में राज्यपाल के सामने पारम्परिक उत्तराखंडी वेषभूषा में उत्तराखंडी लोक गायन, संगीत, लोक नृत्य और सामूहिक झोड़ा-चाचरी का रंगारंग कार्यक्रम पूरे 2 घंटे तक चलेगा।

अंत ने राज्यपाल और राजभवन परिवार का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम की पूर्णाहुति होगी।

नंदूगाम स्थित श्री राम जीवा गो सेवा सदन मे 9 नवम्बर को आयोजित अन्नकूट महाप्रसाद में पधारने के लिए मुख्यमंत्री के भाई कृष्णा रेड्डी, लव फॉर काऊ के जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, तरूण महेता, मुकेश चौहान, गोवत्स फाउंडेशन अध्यक्ष एम.एम. पलोड, मथुरादास बंग, गौरतन जसराज श्रीमाल को निमंत्रित करते हुए अध्यक्ष दुर्गाप्रसाद, नरेन्द्र बाबू, कमल मर्दा, गिरीधर बाबू, जगदीश पटेल, राजेश एवं अन्य।

एआरसीआई द्वारा आयोजित आउटरीच कार्यक्रम

ब्रह्म प्रकाश डीएवी स्कूल के विद्यार्थियों ने जीता पहला पुरस्कार

हैदराबाद, 07 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। एडवांस रिसर्च सेंटर इंडिया (एआरसीआई) द्वारा गुरुवार को आयोजित आउटरीच कार्यक्रम के तहत विज्ञान प्रश्न-ोत्तरी में ब्रह्म प्रकाश डीएवी स्कूल, कंचनबाग मिधानि के विद्यार्थियों ने पहला पुरस्कार जीता।

इस प्रतियोगिता में 11 स्कूलों की टीमों ने भाग लिया। ब्रह्म प्रकाश डीएवी स्कूल की टीम ने अपने विज्ञान कौशल, ज्ञान और प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया और पहला स्थान हासिल किया। यह विद्यार्थियों की मेहनत और विज्ञान के प्रति रुचि का परिणाम है। विजेता विद्यार्थियों में सिद्धार्थ रावुला, साई श्रद्धा बेहेरा और आर्जव जैन शामिल हैं। इस कार्यक्रम में स्कूल की शिक्षिकाएं चंद्रकला लालम और निखिता पोन्नाला विद्यार्थियों के साथ मौजूद थीं। ब्रह्म प्रकाश डीएवी स्कूल के प्रधानाचार्य वी. एस. प्रशांत ने कहा, यह जीत हमारे विद्यार्थियों की मेहनत और समर्पण का परिणाम है। हमें गर्व है कि हमारे विद्यार्थी विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त कर रहे हैं और अपने स्कूल और समाज का नाम रोशन कर रहे हैं। इस उपलब्धि पर हमारे स्कूल के सभी सदस्यों और सहयोगियों को बधाई।

श्री गलता पीठ जयपुर राजस्थान से पधारे उत्तर भारत की प्रमुख श्री वैष्णव पीठ उत्तर तोदाद्रि मठ श्री गलता जी के पीठाधीश्वर स्वामी सम्पतकुमार अवध-`शाचार्य जी महाराज ने चारमीनार स्थित भाग्य लक्ष्मी मे माता के दर्शन किए। इस अवसर पर स्वामी सुदर्शनाचार्य जी, स्वामी राघवेन्द्राचार्य जी, कमलेशदास जी महाराज, रिद्धिश जागीरदार आदि मौजूद रहे।

वाल्मीकि जयंती समारोह के अवसर पर जीएचएमसी के अतिरिक्त आयुक्त (एचएंडएस) सी.एन. रघु प्रसाद से मुलाकात करते हुए तेलंगाना एआईएसएमसी अध्यक्ष पी.राजेश वाल्मीकि और अन्य।

कांग्रेस ने जाति जनगणना पर भ्रामक सूचना फैलाने के खिलाफ दी चेतावनी

हैदराबाद, 07 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने जाति जनगणना के बारे में फैलाई जा रही गलत सूचना, विशेष रूप से इसे राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) से जोड़कर मुस्लिम समुदाय के भीतर डर पैदा करने के प्रयासों को लेकर चेतावनी दी है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सैयद निजामुद्दीन ने गुरुवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जाति जनगणना नागरिकता दस्तावेजीकरण से संबंधित नहीं है। उन्होंने सीधे तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयं सेवक (आरएसएस) सदस्यों के कथित तौर पर प्रसारित दावों का खंडन किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनगणना में अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से पिछड़ा वर्ग-ई (बीसी-ई) श्रेणी के मुसलमानों के लिए विशिष्ट कॉलम शामिल किये जायेंगे, जिससे शेख, कसाब और तुर्का काशवलु जैसे समुदायों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होगा।

उन्होंने कहा, हमारे मुस्लिम भाइयों और बहनों के लिए, विशेष रूप से बीसी-ई श्रेणी के लोगों के लिए, सटीक प्रतिनिधित्व के लिए आधिकारिक फॉर्म में सही श्रेणी का चयन करना आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से फर्जी सर्वेक्षण फॉर्म या डर-आधारित प्रचार से प्रभावित न होने का आग्रह किया। निजामुद्दीन ने समानता और सामाजिक न्याय प्राप्त करने के बड़े मिशन के हिस्से के रूप में राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना कराने के कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संकल्प की सराहना की। उन्होंने कहा, यह केवल एक सर्वेक्षण नहीं है, यह एक निष्पक्ष भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने इस उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और प्रदेश

कांग्रेस अध्यक्ष अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ के प्रयासों की सराहना की। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता ने उनकी प्रतिबद्धता की प्रशंसा की, उन्होंने कहा कि न्यायसंगत शासन के लिए कांग्रेस के समर्पण को दर्शाता है।फ उन्होंने आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा को हटाने, बोर्डरूम से लेकर न्यायपालिका, सशस्त्र बलों और मीडिया तक सभी क्षेत्रों में निष्पक्ष प्रतिनिधित्व की मांग करने के श्री गांधी के दृष्टिकोण के लिए कांग्रेस के समर्थन को दोहराया। उन्होंने कहा, इस साहसिक पहल का उद्देश्य हाशिए पर पड़े समुदायों- दलितों, आदिवासियों, महिलाओं, ओबीसी और अल्पसंख्यकों को सशक्त बनाना है- जिन्हें ऐतिहासिक रूप से पुरानी संरचनाओं द्वारा वंचित किया गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि कांग्रेस नागरिक समाज, प्रभावित समुदायों और विशेषज्ञों के साथ मिलकर काम करेगी और निरंतर संवाद के माध्यम से जनगणना प्रक्रिया को परिष्कृत करेगी। उन्होंने कहा, हमारा सहयोगात्मक दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करेगा कि जनगणना न केवल उन समुदायों की जरूरतों को पूरा करे, जिनका वह प्रतिनिधित्व करती है, बल्कि उनके द्वारा सामना किये जाने वाले भेदभाव का सच्चा रिकॉर्ड भी बने। निजामुद्दीन ने प्रदेश के सभी नागरिकों से इस ऐतिहासिक जनगणना में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की और इसे अधिक समावेशी तेलंगाना बनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर बताया।

श्रीकालहस्ती में महिला अघोरी ने किया आत्मदाह का प्रयास

मंचेरियाल, 07 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तिरूपति जिले के श्रीकालाहस्ती में एक अघोरी महिला ने आत्मदाह करने की कोशिश की। उसने अपने साथ लाया मिट्टी का तेल शरीर के साथ कार पर डाल दिया और माचिस निकालकर आग लगाने की कोशिश की। इससे सतर्क हुई पुलिस ने महिला अघोरी को रोका। जानकारी के अनुसार महिला अघोरी श्रीकालाहस्तीश्वर स्वामी के दर्शन करने जा रही थी परंतु पुलिस ने उसे मंदिर में दर्शन की अनुमति नहीं दी जिसके विरोध में उसने यह हरकत की। इससे जुड़ा एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। बताते चलें कि तेलंगाना के सिकंदराबाद में कुछ लोगों ने मुत्यालम्मा मंदिर की मूर्ति तोड़ दी थी इस घटना के बाद महिला अघोरी ने मुत्यालम्मा मंदिर का दौरा किया। उसके बाद मंदिर दौरे के दौरान वे चर्चा में है। उनकी यह घोषणा कि वह सनातन धर्म के लिए खुद को बलिदान कर देंगी तेलुगु राज्यों में एक सनसनी बन गई। पुलिस ने महिला अघोरी को यह कहते हुए राज्य छोड़ने का आदेश दिया कि इससे कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा हो जाएगी। परिणामस्वरूप महाराष्ट्र गए अघोरी ने वहां के मंदिरों के दर्शन किए। इसी क्रम में गुरुवार को अचानक श्रीकालाहस्ती में महिला अघोरी पहुंच गई। वह स्वामी के दर्शन के लिए जा रही थीं तभी पुलिस ने उन्हें रोक लिया। गुस्साई महिला अघोरी की पुलिस से बहस हो गई। उसने धमकी दी कि वह किसी भी हालत में स्वामी के दर्शन किये बिना नहीं जायेगी और जरूरत पड़ी तो आत्मदाह कर लेगी। हालांकि पुलिस ने उन्हें मंदिर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी। इसलिए वे कार के पास आ गईं और खुद के ऊपर मिटटी का तेल उड़ेल लिया। इससे घबराकर पुलिस ने स्थानीय महिलाओं के साथ मिलकर अघोरी पर पानी डाल दिया।

दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में श्री सत्यनारायण पूजा 15 को

मदनूर, 07 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर सचिव श्रीधर ने गुरुवार को

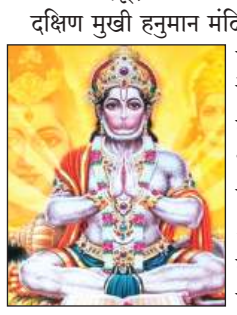

प्रेस विज्ञप्ति में बताया की देवदाय धर्मार्थ शाखा की ओर से हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर श्री सत्यनारायण व्रत का आयोजन किया गया है। हमें सभी भक्तों को यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हर साल की तरह श्री दक्षिण मुखी मारुति मंदिर, सलाबतपुर के पवित्र स्थान पर 15 नवंबर शुक्रवार को सुबह 11-30 बजे शास्त्रयुक्त रीति से सामूहिक श्री सत्यनारायण पूजा अनुष्ठान करने का निर्णय लिया गया है। भक्तों से अनुरोध है कि वे इस पूजा में भाग लें और पुण्य प्राप्त करने के लिए श्री मारुति मंदिर, सलाबतपुर देवदया चैरिटेबल शाखा में अपना नाम पंजीकृत करें या फोन के माध्यम से संपर्क करें। पूजा का पूरा खर्च मंदिर द्वारा वहन किया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक यजमान को 501 रुपए का भुगतान कर रसीद ले लेनी चाहिए। पूजा के बाद महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा।

महायुती सरकार के प्रति जनता-जनार्दन में अपार विश्वास है : देवेंद्र फडणवीस

किनवट, 07 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा की जनता में महायुती के लिए व्यापक सकारात्मकता है और लाडली बहन योजना एक गेमचेंजर साबित होगी क्योकि आज की जनसभा में भारी भीड जुटी है और महिलाओ में सरकार के प्रति विश्वास जगा है। उन्होंने कहा कि अबतक लोगो ने देखा की हमारी महायुती सरकार ने किस तरह अपने वादो को पूरा किया। इस आदिवासी बहुल क्षेत्र विकास के लिए विधायक भिमराव केराम ने लगातार प्रयासो से सिंचन योजना, आदिवासी योजना समेत अन्य विकास के लिए निधी की कोई कमी नही होने दी। उन्होंने चिमटा पैनगंगा नदी बांध को भी मुक्ति देकर 95 गांव को डूब क्षेत्र से

बचाए हैं। उन्होंने फिर से महायुती सरकार बनाने के लिए मतदाताओ से समर्थन मांगा।

उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस गुरुवार को किनवट स्थित शहर मे गोडराजे मैदान पर आयोजित किनवट विधानसभा चुनाव मे महायुती के प्रत्याशी विधायक भिमराव केराम की प्रचार सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का जिक्र करके महाविकास आघाडी के दलो पर निशाना साधा और कहा महिला विरोधी आघाडी दलो ने हमेशा नारी शक्ती का किया अपमान। इस विधानसभा चुनाव मे महायुती के सभी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एकजुटता से प्रचार करेंगे और जीत दिलांएगे सरकार बनाएगे ऐसा विश्वास भी उन्होंने जताया।

इस अवसर पर प्रत्याशी विधायक भिमराव केराम ने कहा फिर से भाजपा ने विश्वास जताया और उम्मीदवारी दी इस बार अधिक वोट से जीतने की उमीद है। उन्होंने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और सरकार ने इस क्षेत्र का विकास हेतू शहर और ग्रामीण क्षेत्र मे अनेक योजनाओं और हुए विकास कार्यों का जिक्र करते हुए उन्होंने चिमटा पैनगंगा बांध और किनवट जिला, मांडवी और इस्लापुर को तहसील का दर्जा की मांग प्रलंबित मांग उठाई थी लेकीन उपमुख्यमंत्री फडणवीस ने सिर्फ चिमटा पैनगंगा बांध पर ही अपनी भुमिका बताते हुए डूब क्षेत्र मे 95 गावं को दिलासा दिया।

इस अवसरपर जिला, प्रदेश भाजपा, शिवसेना (शिंदे गुट) एनसीपी (अजित पवार गुट), पदाधिकारी व कार्यकर्ता विशेष रुप से महिलाओ की भारी भीड मौजुद रही। इस मौके पर आदिवासी नृत्य, बाजे गाजे के साथ प्रचार सभा के दौरान मौजूद रहे।

गोलेटी वेलफेयर सोसायटी ने किया अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन

आसिफाबाद, 07 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गोलेटी सोशल वेलफेयर सोसायटी की और से गुरुवार को अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस सप्ताह कदतला तिरूपति, लेकुरी सुधाकर, जिला श्रीनु के तत्वाधान में रेब्बाना मंडल के गोलेटी गांव संत में अन्नदानम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सदस्यों ने कहा कि हम उन लोगों के लिए एक कार्यक्रम चला रहे हैं जो दूर-दराज क्षेत्रों से सामान बेचने आते हैं। वह लोग इस का ज्यादातर लाभ उठाते हैं। इस अवसर पर सोसायटी के अध्यक्ष वसीम, उपाध्यक्ष पाटा श्रीनिवास, नामला सुधाकर नामला अंजनेयु उपस्थित थे।

झूठे वादे कर विधायक बने गद्दाम विनोद : दुर्गम चिन्नैया

मंचेरियाल, 07 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बेल्लमपल्ली के पूर्व विधायक दुर्गम चिन्नैया ने कहा कि गद्दाम विनोद ने झूठे वादे करके और विधायक के रूप में निर्वाचित होकर लोगों को धोखा दिया है। हाल ही में 200 से अधिक लोग बीआरएस पार्टी में शामिल हुए। जिन्हें पूर्व विधायक ने स्कार्फ पहनाकर आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान गद्दाम विनोद जनता से झूठा वादा कर सत्ता में आए और कहा कि मेडिकल कॉलेज और पॉलिटेक्निक कॉलेज को इंजीनियरिंग कॉलेज में अपग्रेड करेंगे और बस डिपो स्थापित करेंगे उन्होंने कहा था कि वे स्थानीय रहेंगे और अब वे कभी कभी आते है और जनता की समस्याओं से उन्हें कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य के 9 पॉलिटेक्निक कॉलेजों को अपग्रेड किया गया है लेकिन विधायक विनोद की असमर्थता के कारण बेलमपल्ली को अपग्रेड नहीं किया जा सका। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि सब्जी मंडी भवन का नाम अंबेडकर या गुंडा मल्लेश के नाम पर रखा जाए। नगर पालिका उपाध्यक्ष सुदर्शन, नगर अध्यक्ष सत्यनारायण, बीआरएसवी जिला अध्यक्ष क्षावन अल्पसंख्यक नगर अध्यक्ष एमडी अली ने भाग लिया।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए आदिवासी विद्यार्थियों का चयन

आसिफाबाद, 07 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिले के गिरिजाना आदर्श स्पोर्ट्स स्कूल में पढ़ने वाले आठ छात्रों (अमूल्य, मुथुबाई, अनीता, मौनिका, इंद्रजा, आलेख्या, अनलक्ष्मी, पल्लवी) को एसजीएफ अंडर 14 सेक्शन की तेलंगाना राज्य स्तरीय लड़के और लड़कियों की हैंडबॉल प्रतियोगिता के लिए चुना गया है। जिला आश्रम स्कूलों की खेल अधिकारी बंदा मीना रेड्डी ने बताया कि शुक्रवार 10 नवंबर तक सिद्दीपेट जिले के हुस्नाबाद शहर में राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।

आदिवासी विभाग की डीडी रामादेवी ने कहा कि कल से होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में आदिलाबाद जिले की संयुक्त टीम से खेलकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर जिले का परचम लहराएं और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए चयनित हों। एसीएमओ उद्धव, जीसीडीओ शकुंतला, कोच अरविंद विद्यासागर, तिरुमल, वार्डन साईबाबा और शिक्षण टीम ने चयनित खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

भोजन विषाक्तता मामले में स्कूल प्रधानाध्यापक निलंबित

मंचेरियाल, 07 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिले के एक आश्रम स्कूल के प्रधानाध्यापक डी. माधव को कथित तौर पर भोजन विषाक्तता के कारण 12 छात्रों के अस्पताल में भर्ती होने के बाद निलंबित कर दिया गया। माधव को भोजन विषाक्तता के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए निलंबित कर दिया गया। स्कूल से जुड़े हॉस्टल में खाना खाने के बाद छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अधिकारियों ने बताया कि छात्रों ने घर से अचार मंगाया था। छात्रों की हालत स्थिर बताई जा रही है। छात्रों द्वारा खाए गए खाने के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला में भेज दिए गए है। कलेक्टर कुमार दीपक ने अस्पताल का दौरा किया और अधिकारियों को छात्रों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने अभिभावकों से अनुरोध किया कि वे इस घटना से घबराएं नही। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा संचालित छात्रावासों में खाद्य विषाक्तता की घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

दक्षिण भारत जाने के लिए नहीं है कोई भी सीधी ट्रेन

बाड़मेर-यशवंतपुर एसी ट्रेन का हो रहा संचालन, जो महंगे किराए के कारण आम यात्रियों की पहुंच से है दूर

गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बाड़मेर में घोषणा करने के बावजूद नहीं हुआ किसी नई ट्रेन का संचालन

चेन्नई, हैदराबाद महानगरों के लिए सैकड़ों किमी दूर अन्य स्टेशनों से ट्रेन पकड़ कर करना पड़ता है सफर

मंचेरियाल, 07 नवंबर (कृष्णा सोलंकी)।

क्षेत्र के लाखों प्रवासियों को समदड़ी-भीलड़ी खंड पर उत्तर भारत एवं दक्षिण भारत सहित देश के अन्य भागों में सफर करने के लिए सीधी ट्रेन सुविधा का लाभ नहीं मिल रहा है ऑडगेज लाइन बनने के तेरह साल बाद भी जोधपुर समदड़ी-भीलड़ी रेल खंड पर उत्तर भारत व दक्षिण भारत के लिए एक भी सीधी ट्रेन की सुविधा नहीं है। यह मार्ग गुजरात और राजस्थान को जोड़ने का वाला सबसे नजदीक का रेल मार्ग है। इस रेल मार्ग पर आमान परिवर्तन के बाद से लोगों को दक्षिण भारत जाने के लिए ट्रेन शुरू होने की उम्मीद थी लेकिन ये उम्मीद पूरी नहीं हो पाई है। वर्तमान में इस रूट पर केवल एक ट्रेन बाड़मेर यशवंतपुर एसी ट्रेन ही चल रही है, लेकिन यह पूरी तरह एसी कोच होने और इसमें साधारण कोच नहीं होने तथा अधिक किराया होने से में ट्रेन आम की जगह खास लोगों के ही काम आ रही है। दक्षिण भारत जाने के लिए एक भी सीधी टेन इस खंड से चेत्रई, जयपुर, दिल्ली, रामेश्वरम, हैदराबाद, तिरुपति, विजयवाड़ा सहित देश के अन्य महानगरों के लिए नहीं है। इससे इस खंड राजस्थान के बाड़मेर जिले के मोकलसर मायलावास रेलवे स्टेशन, सिवाना, बाड़मेर जालोर, मोदरान, भीनमाल, सांचौर, धा-नेरा, बनासकांठा, पाटन जिले के लाखों प्रवासियों को बहुत भारी परेशानी उठानी

पड़ रही है। इसके बावजूद रेलवे द्वारा एक भी सीधी ट्रेन की सुविधा इस खंड के यात्रियों को नहीं मिल रही है। जालोर, बाड़मेर जिले के सांसद व यात्री संगठन बार-बार बाड़मेर मुम्बई प्रतिदिन ट्रेन व जोधपुर बाड़मेर से चेन्नई जाने लिए सीधी ट्रेन शुरू करवाने के लिए पिछले कई सालों से मांग कर रहे हैं लेकिन बार-बार उस प्रस्ताव पर आपसी सहमति नहीं होने से सारे प्रस्ताव फाइलों में बंद हो गए हैं। क्षेत्र के लोग 100 किमी दूर जोधपुर, फालना, लूणी रेलवे स्टेशन जाकर ट्रेन पकड़ने को समदड़ी-भीलड़ी रेलखंड से पिछले पांच सालों में निम्न प्रस्ताव बने थे लेकिन आज तक पूरे नहीं हुए। बाड़मेर-मुंबई प्रतिदिन नई ट्रेन शुरू करवाने की घोषणा 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले देश के गृह मंत्री अमित शाह ने बाड़मेर में की थी, लेकिन अभी तक ट्रेन का संचालन शुरू नहीं हुआ। सालासर एक्सप्रेस का विस्तार ट्रेन संख्या 22483/84 जोधपुर गांधीधाम के साथ मर्ज करके गांधीधाम से दिल्ली प्रतिदिन चलाने का प्रस्ताव आईआरसीटीसी 2016 से 2020 मीटिंग में प्रत्येक साल लगातार पांच साल तक प्रस्ताव बनाकर रेलवे बोर्ड की उत्तर पश्चिम रेलवे के द्वारा भेजा गया था लेकिन वेस्टर्न रेलवे की आनाकानी के कारण यह प्रस्ताव अभी तक रुका पड़ा है। जालोर सांसद देवजी पटेल व यात्री संगठनों द्वारा पिछले बारह सालों से ट्रेन 12489/90 बीकानेर दादर के यात्रीभार को देखते हुए प्रतिदिन चलाने की मांग की जा रही है लेकिन कोई भी सुनवाई नहीं हो रही है। ट्रेन संख्या 12655/56 या 22919/20 व 19419/20 चेत्रई -अहमदाबाद इन तीनों ट्रेन में से एक ट्रेन का विस्तार जोधपुर तक करने की मांग कई बार हो चुकी है लेकिन कोई भी सुनवाई नहीं हुई। जोधपुर, समदड़ी, भीलड़ी रेलमार्ग पर उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा पिछले दस सालों में आठ नई ट्रेनों के संचालन के प्रस्ताव उत्तर पश्चिम रेलवे से रेलवे बोर्ड को भेजे गए थे लेकिन वेस्टर्न रेलवे की मनमानी के कारण सभी प्रस्ताव खारिज हो गए। समदड़ी-भीलड़ी खंड पर चेन्नई-हैदराबाद के लिए सीधी रेल सुविधा नहीं होने से आम लोगों एवं प्रवासियों को 100 से 400 किमी दूर दूसरे रेलवे स्टेशनों पर जाकर सफर करना मजबूरी है। सरकार को इस पर रेल सुविधा शुरु करनी चाहिए। वहीं कई लोग गुजरात के अहमदाबाद से दक्षिण भारत जाने के लिए ट्रेन का सफर करते हैं।

वर्तमान में क्षेत्र के लोगों को देश व राज्य की राजधानी दिल्ली व जयपुर के लिए सीधी ट्रेन की सुविधा समदड़ी-भीलड़ी रेलखंड के धानेरा, रानीवाड़ा, भीनमाल, मोदरान, जालोर व मोकलसर स्टेशनों से नहीं है। इससे जालोर, भीनमाल, मोदरान, धानेरा, गुजरात आदि लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पिछले कई वर्षो में उत्तर-पश्चिम रेलवे द्वारा इस मार्ग पर उत्तर भारत व दक्षिण भारत के लिए नई ट्रेनों के चलने का प्रस्ताव बना था लेकिन वेस्टर्न रेलवे की मनमानी के कारण सभी प्रस्ताव खारिज हो गए है।

हैदराबाद में सांध्य अर्घ्य के साथ शुरू हुआ लोक आस्था का महापर्व छठ

हैदराबाद, 07 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बिहार समाज सेवा संघ और बिहार अग्रवाल संघ द्वारा आयोजित लोक आस्था के महापर्व छठ की शुरुआत हैदराबाद के हुसैन सागर के किनारे संजीवैय्या पार्क स्थित बेबी पौण्ड में गुरुवार को सांध्य अर्घ्य के साथ शुरू हुई। समाज ने इस अवसर पर पूजा संबंधित सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई। छठ व्रतियों और आगंतुकों के लिए स्वच्छ पानी, घाट पर साफ सफाई, प्रसाद, गन्ना, अदरक इत्यादि उपलब्ध कराए गए। स्थानीय प्रशासन की तरफ से पुलिसकर्मी, यातायात पुलिस कर्मी, घाट की सफाई जैसी सुविधाएं प्रदान की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना सरकार में यातायात विभाग के स्पेशल चीफ सैक्रेटरी विकास राज (भारतीय प्रशासन सेवा) और रिटायर्ड आईएएस आधार सिंह मौजूद रहे। इस अवसर पर बिहार समाज सेवा संघ के राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा व हैदराबाद के अध्यक्ष मनीष तिवारी, सचिव विकास सिंह, कोषाध्यक्ष राधेश्याम प्रजापति, सांस्कृतिक संयोजक दीपक तिवारी, छठ पूजा प्रभारी प्रताप गौरव सिंह, पूजा समिति सदस्य राहुल यादव, राकेश सिंह, रघुवीर सिंह, अनिता सिंह,राजेश गौड़, रमन यादव और राकेश साहनी उपस्थित रहे।

बिहार समाज सेवा संघ हैदराबाद के गार्जियन, आलोक झा, परमानन्द शर्मा, संजय सिंह, डॉ. देवकुमार पुखराज, रजनिश झा, डॉ. सोमनाथ, अजय कुमार, संयोग ठाकुर, रघुविर सिंह, बिहार अग्रवाल समाज को तरफ से अध्यक्ष विकास केसन, उपाध्यक्ष संतोष टांटिया, कोषाध्यक्ष विकी सराफ, सचिव भीम फिटकिरिवाला आदि उपस्थित थे।

राहुल गांधी की नागरिकता की जांच कर रही है सीबीआई

नई दिल्ली, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की नागरिकता की सीबीआई जांच शुरू हो गई है। दिल्ली हाईकोर्ट को इस बारे में जानकारी दी गई है। भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर रखी है, जिसकी जांच सीबीआई कर रही है। स्वामी ने अपनी याचिका में केंद्रीय गृह मंत्रालय को निर्देश देने की मांग की है कि राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता रद्द करने का निर्णय ले। इसी सिलसिले में कर्नाटक के एस विग्नेश शिशिर द्वारा दाखिल की गई याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि वह नहीं चाहते कि कोइ विरोधाभासी आदेश पारित किया जाए। पीठ ने कहा कि एक ही मामले में दो समानांतर याचिकाएं नहीं हो सकतीं।

सलमान खान के बाद अब शाहरुख खान को मिली धमकी

मुंबई, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

सलमान खान के बाद अभिनेता शाहरुख खान को फैजान खान नामक एक व्यक्ति द्वारा जान से मारने की धमकी दी गई है। महाराष्ट्र के बांद्रा पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। रायपुर के आरोपी ने अभिनेता से भारी फिरौती की मांग की है।

छत्तीसगढ़ के रायपुर निवासी फैजान नाम के शख्स ने धमकी भरा कॉल किया है। मुंबई पुलिस की एक टीम जांच के लिए रायपुर गई है। बांद्रा पुलिस स्टेशन में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अभिनेता शाहरुख खान को कथित तौर पर धमकी देने का मामला दर्ज किया गया है। धारा 308(4), 351(3)(4) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया है। हालांकि मुंबई पुलिस की ओर से उन रिपोर्टों की कोई पुष्टि नहीं की गई है कि कॉल छत्तीसगढ़ के रायपुर से की गई थी, रायपुर पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि मुंबई पुलिस शाहरुख खान को धमकी देने के लिए फैयाज खान नाम के व्यक्ति को नोटिस दे रही है। शाहरुख हमेशा से ही अंडरवर्ल्ड की हिट लिस्ट में रहे हैं। इससे पहले भी करियर में कई बार उन्हें जान से मारने की धमकी दी जा चुकी हैं। पिछले साल अक्टूबर में भी उन्हें फिल्म पठान और जवान की सफलता के बाद जान से मारने की धमकियां मिली थीं।

बिग पिक्चर स्टोरी अयोध्या

नौ मिनट में देखिए श्रीराम के 14 वर्षों के संघर्षों की गाथा

श्रीडी इफेक्ट के जरिए राम वनगमन मार्ग का हो रहा दर्शन

अयोध्या, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

अयोध्या में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ने रामनगरी में एक और बड़ी पहल शुरू कराई है। देश-विदेश से अयोध्या आने वाले भक्तों को श्रीराम के 14 वर्षों के वनवास के दौरान किये गए संघर्षों की गाथा श्रीडी वीडियो के जरिये दिखाई जा रही है। सिर्फ 9 मिनट के वीडियो में ही श्रद्धालु श्रीराम के जीवन उतार चढ़ाव को देखकर भाव-विभोर हो जा रहे हैं। इसके लिए हनुमान गढ़ी के पास राज द्वार पार्क में दुर्लभ दर्शन केंद्र की स्थापना कराई गई है।

अयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर में विराजमान होने के बाद यहां श्रद्धालुओं की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या के धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लगातार धन वर्षा कर रहे हैं। इसी क्रम में अब अयोध्या श्रीराम के जीवन जुड़ी गाथाओं से लोगों को जोड़ने का काम शुरू किया गया है। अयोध्या विकास प्राधिकरण की ओर से श्रीराम वन गमन से जुड़े वर्चुअल रियलिटी पर डेमो शुरू कराया है। ठीक उसी तरह जैसे काशी विश्वनाथ, मां वैष्णो देवी भवन में भी ऐसी व्यवस्था है।

दुर्लभ दर्शन केंद्र में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। करार के तहत टेक एक्स आर इनोवेशंस कंपनी ने अभी केंद्र में 10 कैमरे लगवाए हैं। इसके साथ ही श्रद्धालुओं को एक हेड फोन भी दिया जाता है, जिसकी साउंड क्वालिटी भी लाजवाब है। देश-विदेश से बड़ी संख्या में रोजाना पहुंच रहे भक्तों की संख्या को देखते हुए अभी नगर क्षेत्र में और भी दुर्लभ दर्शन केंद्रों की स्थापना प्रस्तावित है।

सीएम योगी के विजन के अनुसार अब अयोध्या समेत आस-पास के सभी प्रमुख क्षेत्रों के वर्चुअल रिएलिटी प्लेटफॉर्म के जरिए दर्शन कराने की प्रक्रिया पर भी जोर दिया जा रहा है। ऐसे 18 तीर्थस्थलों को वर्चुअल रिएलिटी के जरिए जोड़े जाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके लिए शूटिंग पूरी कर ली गई है। इसमें श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, हनुमान गढ़ी मंदिर, नागेश्वर नाथ मंदिर, राम की पैड़ी, छोटी देवकाली मंदिर, रंग महल, सूर्य कुंड, भरत कुंड, गुप्तार घाट, बड़ी देवकाली मंदिर, कनक भवन मंदिर व दशरथ महल मंदिर मुख्य हैं।

योगी सरकार ने दो वर्षों में गरीब बच्चों की भरी 436 करोड़ फीस

लखनऊ, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

योगी सरकार गरीब और लाभ से वंचित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से लगातार प्रयासरत है। इस दिशा में मुफ्त शिक्षा उपलब्ध कराने के अभियान के तहत लाभान्वित बच्चों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। शैक्षिक सत्र 2022-23 में 71,214 बच्चों के मुकाबले सत्र 2024-25 में इस योजना के अंतर्गत 1,14,196 बच्चों का नामांकन हुआ है, जो कि पिछले वर्षों की तुलना में एक बड़ा उछाल है। इसके अतिरिक्त, वर्तमान में राज्य भर के 5 लाख से अधिक बच्चे निजी विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

इस उपलब्धि के लिए योगी सरकार ने बच्चों की शिक्षा में निवेश को बढ़ावा दिया है। पिछले दो वित्तीय वर्षों में 436 करोड़ रुपए की फीस प्रतिपूर्ति का भुगतान किया गया है, जिससे विद्यालयों को इन बच्चों को बिना किसी बाधा के प्रवेश देने में सहायता मिली है। सरकार का यह कदम न केवल गरीब एवं अलाभित बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा में जोड़ रहा है, बल्कि उनके भविष्य को भी संवारने में योगदान दे रहा है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और सतत सुधार से स्पष्ट है कि सरकार प्रदेश के वंचित वर्ग के बच्चों को शिक्षा का अधिकार देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

योगी सरकार गरीब बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के उद्देश्य से हर संभव प्रयास कर रही है। सरकार में आते ही वर्ष 2017 में आरटीई अधिनियम के इस योजना का विस्तार किया गया। प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए एनआईसी (नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर) द्वारा एक ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च किया गया, जिससे नामांकन प्रक्रिया को डिजिटल और अधिक प्रभावी बनाया गया। इसके बाद सत्र 2020-21 से इस योजना का विस्तार ग्रामीण क्षेत्रों में भी हुआ, जिससे पूरे राज्य के अधिक से अधिक बच्चों को इसका लाभ मिलना सुनिश्चित हुआ। परिणामस्वरूप, अभिभावक अब अपने निकटवर्ती विद्यालयों में ऑनलाइन आवेदन कर रहे हैं और इस योजना का अधिक लाभ ले रहे हैं। शैक्षिक सत्र 2022-23 में 71,214 बच्चों का नामांकन हुआ था, जो 2024-25 में बढ़कर 1,14,196 हो गया।

साथ ही, राज्य के 5 लाख से अधिक बच्चे अब निजी विद्यालयों में अध्ययन कर रहे हैं। इस सफलता के लिए सरकार ने बच्चों की शिक्षा में निवेश को बढ़ाया और केवल पिछले दो वित्तीय वर्षों में ही 436 करोड़ रुपये की फीस प्रतिपूर्ति का भुगतान किया है, जिससे विद्यालय अब ऐसे बच्चों को निर्बाध प्रवेश दे रहे हैं।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB

I, HEMALATHA Spouse of Service No. 14558735N Ex.Nk CH RAVINDER REDDY, R/o. 9-42, Srinivasa Nagar, Nellutla, Lingala Ghanapuram, Janagam, Warangal, Telangana-506167 have changed my name and DOB from **HEMALATHA, DOB:01-07-1967** to **CHETTIPALLI HEMALATHA, DOB:13-4-1962** vide affidavit dt:7-11-2024 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB

I, P KULLAYAPPA father of Service No. 16115075M L/Nk PONNAGANTI KULLAYAPPA, R/o.4/63A, Vill:Kothapalli, Po:Maddikera, Tk:Pathikonda, Dist:Kurnool, Andhra Pradesh-518383 have changed my name and DOB from **P KULLAYAPPA, DOB:1-7-1955** to **PONNAGANTI KULLAYAPPA, DOB:1-1-1951** vide affidavit dt:7-11-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB

I, P JAYALASHMI Mother of Service No. 16115075M L/Nk PONNAGANTI KULLAYAPPA, R/o.4/63A, Vill: Kothapalli, Po:Maddikera, Tk:Pathikonda, Dist: Kurnool, A.P -518383 have changed my name and DOB from **P JAYALASHMI, DOB:1-1-1961** to **PINNAGANTI JAYALAKSHMI, DOB:14-8-1962** vide affidavit dt:7-11-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad

CHANGE OF NAME & DOB

I, SHANTHAMMA Mother of 16118018W Nk N CHANDRA SHEKAR, R/o.2-40, Vill &Po:Guntur, Teh:Kalwakurthy, Mahabubnagar Dist, Telangana-509324 have changed my name and DOB from **VEERAIAH, DOB:1-7-1960** to **NAMBI VEERAIAH, DOB:1-12-1963** vide affidavit dt:7-11-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB

I, SHANTHAMMA Mother of Service No. 16118018W Nk N CHANDRA SHEKAR, R/o.2-40, Vil and Po:Gundur, Teh:Kalwakurthy, Mahabubnagar Dist, Telangana-509324 have changed my name and DOB from **SHANTHAMMA, DOB:1-7-1977** to **NAMBI SHANTHAMMA, DOB:8-6-1971** vide affidavit dt:7-11-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 79,550/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 94,300/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

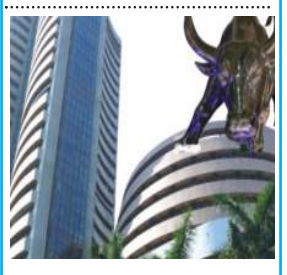

बीएसई : 79,541.79
-836.34 -1.04% ↓
एनएसई :24,199.35
-284.70 (-1.16%) ↓

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 20^0

आर.जी. कर अस्पताल में दुष्कर्म-हत्या सुनवाई मामला

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल से बाहर स्थानांतरित करने से किया इंकार

नई दिल्ली, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने आर.जी. कर अस्पताल में दुष्कर्म-हत्या मामले की सुनवाई पश्चिम बंगाल से बाहर स्थानांतरित करने से गुरुवार को इनकार कर दिया।मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पार्दीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने मुकदमे की सुनवाई स्थानांतरित करने की कुछ अधिवक्ताओं की दलीलें खारिज करते हुए कहा कि अदालत न्यायिक प्रणाली पर संदेह नहीं करेगी।

पीठ ने कहा कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक महिला चिकित्सक का शव मिलने के दो महीने से अधिक समय बाद सोमवार को निचली अदालत ने मुख्य आरोपी संजय रॉय के खिलाफ आरोप तय किए थे। शीर्ष अदालत के आदेश पर मामले की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने पिछले महीने शुरुआती आरोप-पत्र दाखिल किया था जिसमें रॉय को एकमात्र मुख्य आरोपी बताया था।शीर्ष अदालत के समक्ष आज सुनवाई के दौरान एक वकील ने दलील दी कि 90 दिनों की जांच में सीबीआई ने कुछ नहीं किया और उन्होंने सिर्फ राज्य पुलिस के बयान का समर्थन किया है।

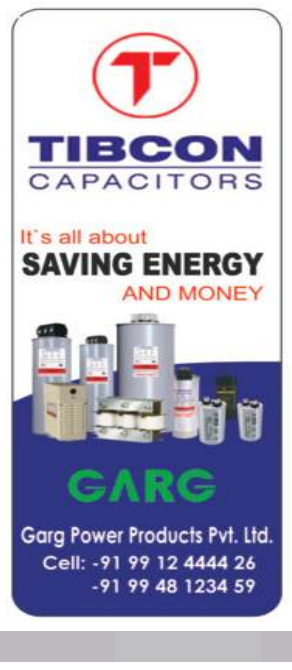

निराश्रित बच्चों के लिए बन रहा सुरक्षित और संवेदनशील वातावरण

10 नए संरक्षण गृहों के निर्माण पर सौ करोड़ खर्च करेगी सरकार

लखनऊ, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महिला कल्याण विभाग ने बच्चों के सर्वांगीण विकास और सुरक्षा के लिए एक नई और महत्वपूर्ण पहल की है। इस पहल के तहत राज्य के विभिन्न जनपदों में 10 नए बाल संरक्षण गृहों का निर्माण और संचालन किया जाएगा। इन संरक्षण गृहों का उद्देश्य बच्चों को सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण प्रदान करना है, जहाँ वे अच्छे नागरिक के रूप में विकसित हो सकें।

महिला कल्याण विभाग द्वारा प्रस्तावित इस योजना के अनुसार, प्रदेश के मथुरा, प्रयागराज, कानपुर नगर, आजमगढ़, झांसी, अमेठी, अयोध्या, देवरिया, सुल्तानपुर, तथा ललितपुर में इन संरक्षण गृहों की स्थापना की जाएगी। हर संरक्षण गृह में 100-100 बच्चों को रखने की क्षमता होगी, जिससे अधिक से अधिक बच्चों को लाभान्वित किया जा सके। इनमें 1 राजकीय बाल गृह(बालिका) 1 राजकीय बाल गृह (बालक), 7 राजकीय संप्रेक्षण गृह (किशोर), किशोर न्याय बोर्ड सहित 1 प्लेस ऑफ सेफ्टी गृह शामिल है। इन संरक्षण गृहों में बच्चों को न केवल रहने की सुविधाएं दी जाएंगी, बल्कि उनके शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास का भी ध्यान रखा जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशानुरूप महिला एवं बाल विकास विभाग इन संरक्षण गृहों की स्थापना से असहाय और संवेदनशील बच्चों को एक नया जीवन देकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास कर रहा है। इन गृहों में बच्चों को एक संरक्षित वातावरण में शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और जीवन कौशल जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। इस योजना के तहत राज्य सरकार ने बाल संरक्षण गृहों के निर्माण के लिए आवश्यक फंड भी निर्धारित किए हैं। सभी गृहों का निर्माण योगी सरकार अपने बजट से करेगी। वहीं इन गृहों के संचालन में केंद्र सरकार द्वारा मिशन वात्सल्य योजना के प्राविधानों के केंद्रांश-60 प्रतिशत और राज्यांश-40 प्रतिशत के अनुसार राज्य सरकार पर 7.96 करोड़ रुपए का व्ययभार आएगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री बाल आश्रय योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 100 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया गया है। योजना के सफल संचालन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह भी सुनिश्चित किया है कि इन गृहों का निर्माण और प्रबंधन गुणवत्ता मानकों के अनुसार किया जाएगा। इसके लिए सरकार ने टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से कंसल्टेंट्स का चयन भी किया है, ताकि इन बाल संरक्षण गृहों में दी जाने वाली सेवाओं का उच्चतम स्तर सुनिश्चित किया जा सके।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का उद्देश्य है कि राज्य का कोई भी बच्चा असुरक्षित या उपेक्षित महसूस न करे। सीएम योगी ने कहा कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए, क्योंकि वे समाज के भविष्य हैं। इस योजना के तहत बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए विशेष प्रशिक्षित कर्मचारियों की नियुक्ति की जाएगी, जो उनकी सुरक्षा और कल्याण के प्रति संजीदा होंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.